page 1 and 8 oct 4_page 1 Mar 25 final ds.qxd 04-10-2025 01:30 Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 जीजीएम साइंस कॉलेज में आपदा प्रबंधन पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता
5 मीराबाई चानू ने वेटलिफ्टिंग विश्व चैंपियनशिप 2025 में जीता रजत पदक
8 एग्रीकल्चर बिज़नेस आइडियाज

न्यूनतम 20 मौसम जम्मू अधिकतम 26

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश
जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-244 | जम्मू तवी, शनिवार 04 अक्तूबर, 2025 | मूल्य-2 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

'नक्शे में दिखना है, तो छोड़ दो आतंकवाद', सेना प्रमुख ने पाकिस्तान को दी सख्त चेतावनी

जम्मू तवी, 3 अक्टूबर। पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कि अगर वह आतंकवाद को प्रायोजित करना जारी रखता है तो विश्व मानचित्र पर अपनी जगह खो सकता है, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को कहा कि भारतऑपरेशन सिंदूर 1.0 के दौरान दिखाए गए संयम का प्रयोग नहीं करेगा।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत का रुख पाकिस्तान के खिलाफ बेहद सख्त है, जिसका उदाहरण सेना प्रमुख के ताजा बयान में भी दिखा। थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को गंगानगर के घड़साना के गांवों का दौरा किया और यहां से पाकिस्तान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान को नक्शे पर दिखना है, तो आतंकवाद का प्रायोजन खत्म करना होगा।

भारतीय सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वह आतंकवाद को समर्थन करना बंद नहीं करता है तो वो नक्शे से भी मिट सकता है। इतना ही नहीं, उन्होंने कहा कि इस बार भारतीय सेना पाकिस्तान के खिलाफ कोई संयम नहीं रखेगी।भारतीय थलसेनाध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि अगर पाकिस्तान आतंकवाद फैलाना बंद नहीं करता है, तो भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर का दूसरा चरण शुरू

भारत पूरी तरह तैयार, इस बार ऑपरेशन सिंदूर 1.0 की तरह कोई संयम नहीं

किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर 1.0 के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया था।

जयपुर के अनूपगढ़ में वायुसेना दिवस परेड से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा, एक देश के रूप में भारत इस बार पूरी तरह तैयार है। और इस बार, वह ऑपरेशन सिंदूर 1.0 के दौरान दिखाए गए संयम का प्रयोग नहीं करेगा। इस बार हम एक कदम आगे बढ़ेंगे और इस तरह से काम करेंगे कि पाकिस्तान को सोचना पड़ेगा कि वह विश्व मानचित्र पर बना रहना चाहता है या नहीं।

सैनिकों को तैयार रहने का आह्वान करते हुए, सेना प्रमुख ने कहा, अभी से पूरी तरह तैयार रहो, अगर ईश्वर ने चाहा तो अवसर जल्द ही आएगा। जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान में गहरे छिपे आतंकवादी ठिकानों का पर्दाफाश किया। उन्होंने कहा, भारत ने दुनिया को सबूत दिए हैं। अगर हम ये सबूत उजागर नहीं करते, तो पाकिस्तान ये सब छिपा लेता। उन्होंने आगे कहा, 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए जब हमने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, तो पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी थी। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर नौ ठिकानों पर हमला किया, जिनमें से सात थलसेना ने और दो वायुसेना ने किए। हमने ठिकानों की पहचान इसलिए की थी क्योंकि हम सिर्फ़ आतंकवादियों को नुकसान पहुँचाना चाहते थे। हमारा लक्ष्य उनके ठिकानों पर हमला करना था। हमें आम पाकिस्तानी नागरिकों से कोई शिकायत नहीं है, जब तक कि उनका देश आतंकवादियों को प्रायोजित नहीं करता।

'वायुसेना को प्रासंगिक बने रहने के लिए हर साल 35 से 40 नए विमानों की आवश्यकता होगी'

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के F-16 और J-17 लड़ाकू विमान नष्ट किए गए : वायुसेना प्रमुख

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर। वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वायुसेना ने कम से कम एक दर्जन पाकिस्तानी विमानों को नष्ट या क्षतिग्रस्त किया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, उन्होंने वायुसेना को भारी नुकसान पहुँचाने के इस्लामाबाद के दावों को मनोहर कहानियाँ कहकर खारिज कर दिया। यहाँ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि वायुसेना को प्रासंगिक बने रहने के लिए हर साल 35 से 40 नए विमानों की आवश्यकता होगी और उन्होंने अगले दो दशकों में वायुसेना के विस्तार की वकालत की, लेकिन विस्तार की संख्या बताने से परहेज किया। ऑपरेशन सिंदूर (7-10 मई) के दौरान पाकिस्तान को हुए नुकसान के बारे में पूछे जाने पर, वायुसेना प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तानी वायुसेना (पीएएफ) के ठिकानों पर हवाई

> " वायुसेना को भारी नुकसान पहुँचाने के इस्लामाबाद के दावों को मनोहर कहानियाँ कहकर खारिज कर दिया

हमलों के दौरान, एक सी130-जे विमान, एक हवाई पूर्व चेतावनी विमान और 4 से 5 अमेरिकी निर्मित एफ-16 जेट ज़मीन पर मारे गए, जो रखरखाव के लिए एक अड्डे पर थे। वायुसेना द्वारा हवा में किए गए हमलों की गिनती करते हुए, उन्होंने कहा, हमारे पास स्पष्ट सबूत हैं कि लगभग 300 किलोमीटर दूर एक लंबी दूरी का हमला किया गया था। हमारी प्रणाली के अनुसार, यह एक पाकिस्तानी वायुसेना का सिग्नल इंटेलिजेंस विमान था, जिसके साथ पाँच उच्च तकनीक वाले लड़ाकू विमान थे, जिनमें एफ-16 और जे-17 (चीनी) श्रेणी के विमान शामिल थे।वायुसेना प्रमुख ने संकेत दिया कि हवा में हमले नई रूसी एस-400 वायु रक्षा प्रणाली, जो एक लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है, का उपयोग करके किए गए थे। उन्होंने आगे बताया कि ज़मीन पर, भारतीय वायुसेना ने चार रडार साइटों, दो कमांड और संचार साइटों, अलग-अलग स्टेशनों पर तीन विमान हैंगर, एक मिसाइल साइट और दो जगहों पर रनवे को निशाना बनाया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना के विमानों को मार गिराने के पाकिस्तान के दावे के बारे में, वायुसेना प्रमुख ने कहा, उनकी कहानी मनोहर कहानियाँ है। उन्हें खुश रहने दीजिए, क्योंकि उन्हें अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए अपने दर्शकों को कुछ दिखाना है। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने आगे कहा, अगर उन्हें लगता है कि उन्होंने मेरे 15 जेट मार गिराए हैं, तो उन्हें इसके बारे में सोचने दीजिए। मुझे उम्मीद है कि वे इस बात से सहमत होंगे, और जब वे दोबारा लड़ने आएंगे तो मेरे भंडार में 15 कम विमान होंगे। तो, मैं इसके बारे में बात क्यों करूँ? आज भी, मैं इस बारे में कुछ नहीं कहूँगा कि क्या हुआ, कितना नुकसान हुआ, यह कैसे हुआ, क्योंकि उन्हें पता चलने दीजिए।

घाटी पहुंचा पहला ऑटोमोबाइल रेक, मारुति बनी देश की पहली कंपनी जिसने रेलमार्ग से गाड़ियां भेजीं

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर। भारतीय रेलवे ने कश्मीर घाटी को नई लॉजिस्टिक सुविधा से जोड़ते हुए एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल से रवाना हुआ पहला ऑटोमोबाइल

रेक शुक्रवार को अनंतनाग गुड्स शेड पहुंचा। यह रेक मेसर्स मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) के मानेसर स्थित गति शक्ति टर्मिनल से 1 अक्टूबर को रवाना हुआ था और इसमें ब्रेज़ा, डिज़ायर, वैगन आर तथा एस-प्रेसो मॉडल की 116 से अधिक यात्री गाड़ियां शामिल थीं। रेल मंत्रालय के अनुसार, करीब 850 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद यह ट्रेन शुक्रवार को अनंतनाग पहुंची। इस दौरान ट्रेन चिनाब नदी पर बने विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज से होकर गुज़री, जो उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना का अहम हिस्सा है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को ग्रीन लॉजिस्टिक्स का नया अध्याय करार देते हुए एक्स पर लिखा, मारुति सुजुकी ने ग्रीन लॉजिस्टिक्स में एक नया अध्याय शुरू किया। 100 से अधिक गाड़ियों का पहला बैच जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग टर्मिनल पहुंचा। यह गाड़ियां कंपनी के मानेसर स्थित इन-प्लांट रेलवे साइडिंग से रवाना हुईं, जिससे मारुति सुजुकी देश की पहली ऑटोमोबाइल निर्माता कंपनी बनी जिसने भारतीय रेलवे के ज़रिए इस क्षेत्र में वाहन भेजे। यह रेक 850 किलोमीटर से अधिक दूरी तय करते हुए चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज से गुज़रा। हम माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हैं। यह ऐतिहासिक परियोजना क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और लोगों के जीवन को बदलने वाली है रेल मंत्रालय के अनुसार, यूएसबीआरएल परियोजना ने घाटी को देश से मज़बूत रेल संपर्क प्रदान किया है। इससे न केवल लॉजिस्टिक दक्षता बढ़ी है बल्कि सड़क यातायात पर दबाव भी कम हुआ है।

गुलमर्ग में मौसम की पहली बर्फबारी

गुलमर्ग, 3 अक्टूबर। गुलमर्ग में मौसम की पहली बर्फबारी हुई और राजसी अफरवत चोटी सफेद चादर से ढक गई जिससे पर्यटकों और स्थानीय लोगों दोनों को खुशी हुई। इस ताज़ा बर्फबारी से घाटी में तापमान में गिरावट आई है। निवासियों ने आशा व्यक्त की है कि बर्फबारी से पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और शीतकालीन पर्यटन पर निर्भर स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। इस बीच अधिकारियों ने पर्यटकों को फिसलन भरी परिस्थितियों के कारण ऊँचाई वाले इलाकों में सावधानी बरतने की सलाह दी है।

" भविष्य में ऐसी घटना न हो, यह सुनिश्चित किया जा रहा है- उपराज्यपाल कविंद्र गुप्ता

लद्दाख, 3 अक्टूबर। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने कहा कि पिछले चार दिनों से बाज़ार आम जनता के लिए सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक खुले हैं और लेह में हुए हालिया विरोध प्रदर्शनों के बाद वाहन सामान्य रूप से चल रहे हैं। आज व्यावसायिक वाहनों को भी अनुमति है। 24 सितंबर का हालिया लोगों द्वारा किया गया विरोध प्रदर्शन लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग का नतीजा था जो लेह में पुलिस अधिकारियों के साथ झड़पों में बदल गया। उपराज्यपाल ने कहा कि आठवीं कक्षा तक के सभी शैक्षणिक केंद्र खोल दिए गए हैं। एक-दो दिन बाद सब कुछ पूरी तरह सामान्य हो जाएगा। 24 सितंबर की घटना वाकई दर्दनाक और दुखद थी और ऐसा नहीं होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटना न हो, यह सुनिश्चित किया जा रहा है। सोनम वांगचुक की गिरफ़्तारी पर बोलते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि कार्रवाई सबूतों के आधार पर की गई है। अदालत या कहीं और जाना उनका अधिकार है। यह मौलिक अधिकारों के अंतर्गत आता है इसलिए यह ठीक है। लेकिन सबूतों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। कई प्रदर्शनकारियों को रिहा कर दिया गया है और ज़मानत भी मिल गई है और जो भी दोषी पाए जाएँगे, उन पर कार्रवाई होगी।

रेल मंत्री और जापान के मंत्री ने सूरत हाई-स्पीड रेल परियोजना स्थल का दौरा किया

सूरत/मुंबई, 3 अक्टूबर। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जापान के भूमि, आधारभूत संरचना, परिवहन और पर्यटन मंत्री हिरोमासा नाकानो के साथ सूरत हाई-स्पीड रेल (एचएसआर) निर्माण स्थल का दौरा किया। रेल मंत्रालय के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने परियोजना के महत्वपूर्ण हिस्सों की समीक्षा की, जिनमें ट्रैक स्लैब लेयिंग कार और ट्रैक स्लैब एडजस्टमेंट फैसिलिटी शामिल थे। दोनों मंत्रियों ने काम की गुणवत्ता और गति पर संतोष व्यक्त किया और निर्माण की तेजी की सराहना की। हाल ही में रेल मंत्री ने सूरत स्टेशन के पास पहला ट्रैक टर्नआउट इंस्टॉलेशन भी देखा था। इसके बाद दोनों नेता वंदे भारत एक्सप्रेस से सूरत से मुंबई पहुंचे और बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में बन रहे भूमिगत बुलेट ट्रेन स्टेशन का जायजा लिया।

खराब मौसम के पूर्वानुमान के कारण वैष्णो देवी यात्रा स्थगित

जम्मू, 3 अक्टूबर। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने शुक्रवार रात भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी खराब मौसम संबंधी चेतावनी के कारण जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित पवित्र गुफा मंदिर की तीर्थयात्रा 5 से 7 अक्टूबर तक स्थगित करने की घोषणा की।
अधिकारियों ने बताया कि नवरात्रि के दौरान 1.70 लाख से ज़्यादा तीर्थयात्रियों ने वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन किए और यात्रा सुचारू रूप से जारी रही।
श्राइन बोर्ड ने ङ्ग पर एक पोस्ट में कहा, भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी खराब मौसम संबंधी चेतावनी के मद्देनजर, वैष्णो देवी यात्रा 5 से 7 अक्टूबर तक स्थगित रहेगी।

लेह में सामान्य स्थिति के संकेत

दुकानों और बाज़ारों को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक खोलने की अनुमति

लेह, 3 अक्टूबर। शुक्रवार को लेह में सामान्य स्थिति के संकेत दिखाई दिए क्योंकि अधिकारियों ने कर्फ्यू में ढील जारी रखी और दुकानों और बाज़ारों को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक खोलने की अनुमति दी गई है। कई दिनों के प्रतिबंधों और बंद के बाद निवासी अपने दैनिक कार्यों के लिए बाहर निकले, हालाँकि शहर का माहौल सतर्क रहा। लेह के बाज़ार जो 24 सितंबर की हिंसा के बाद से बड़े पैमाने पर बंद थे, दुकानदारों द्वारा शटर खोलने और ग्राहकों द्वारा आवश्यक खरीदारी के साथ फिर से खुल गए। स्थानीय लोगों ने कहा कि प्रतिबंधों में ढील से उन परिवारों और व्यवसायों को राहत मिली है जो सीमित आपूर्ति से जूझ रहे थे।
अधिकारियों ने कहा कि ढील बढ़ाने का फैसला कानून-व्यवस्था की स्थिति का आकलन करने के बाद लिया गया है जो 24 सितंबर की हिंसा के बाद से नियंत्रण में है। हालाँकि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बल तैनात हैं।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विभागों और जिलों को प्रतिकूल मौसम की स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया

श्रीनगर 03 अक्टूबर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नागरिक सचिवालय में उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा जारी परामर्श के मद्देनज़र विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा की गई। मौसम विभाग ने 04 अक्टूबर से जम्मू-कश्मीर में सक्रिय पश्चिमी व्यवधान की भविष्यवाणी की है, जिसके चलते कई क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि सभी संबंधित विभाग पूरी तरह से तैयार रहें, ताकि बागवानी फसलों को संभव नुकसान कम से कम हो, आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति बाधित न हो और मौसम की प्रतिकूल स्थितियों के दौरान सभी प्रमुख

सड़कें और राजमार्ग चालू रहें। बैठक में कृषि मंत्री जावेद अहमद डार, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले तथा परिवहन मंत्री सतिश शर्मा, मुख्य सचिव अटल डुल्लू, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल शक्ति शलीन काबरा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, गृह एवं लोक निर्माण विभाग के प्रधान सचिव, शिक्षा सचिव, जम्मू और कश्मीर के संभागीय आयुक्त, सभी उपायुक्त, केपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, पीएचई, परियोजना संचार और बीकन के मुख्य अभियंता, एनएचएआई, एनएचआईडीसीएल और मौसम विज्ञान केंद्र जे-के के अधिकारी एवं प्रतिनिधि मौजूद रहे।

5 से 7 अक्टूबर तक बारिश और बर्फबारी की भविष्यवाणी को देखते हुए कश्मीर के संभागीय आयुक्त ने अधिकारियों के साथ की तत्काल बैठक

श्रीनगर, 3 अक्टूबर। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी 5 से 7 अक्टूबर तक बारिश और बर्फबारी की भविष्यवाणी वाले हालिया मौसम पूर्वानुमान के मद्देनजर कश्मीर के संभागीय आयुक्त अंशुल गर्ग ने तैयारियों और राहत योजनाओं की समीक्षा के लिए प्रमुख विभागों के अधिकारियों के साथ एक तत्काल बैठक बुलाई। बैठक में एचओडीस, आरएण्डबी, एमईडी, बीकन, शहरी स्थानीय निकाय, आईएमडी और बागवानी एवं विपणन योजना विभाग के विभागाध्यक्ष और प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के दौरान संभागीय आयुक्त ने संबंधित विभागों को बर्फ हटाने में तेजी लाने के लिए महत्वपूर्ण स्थानों पर कर्मियों और मशीनरी की तत्काल तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शीतकालीन बर्फ हटाने की योजना के लिए निविदा प्रक्रिया 31 अक्टूबर तक पूरी करने के महत्व पर ज़ोर दिया और सड़क के बुनियादी ढाँचे को नुकसान से बचाने के लिए प्रशिक्षित और अनुभवी मशीनरी ऑपरेटरों की तैनाती के निर्देश दिए। उन्होंने बर्फ हटाने वाले उपकरणों में उच्च आण्ड्राविक भार पॉलीइथाइलीन प्लास्टिक के इस्तेमाल का आग्रह किया ताकि दक्षता बढ़ाई जा सके और सड़कों का घिसाव कम से कम हो। उन्होंने मुगल रोड सहित दूरदराज और सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क संपर्क की समय पर बहाली पर ज़ोर दिया जो सर्दियों के महीनों में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करता है। इस बीच मंडलायुक्त ने खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले (एफसीएस एंड सीए) विभाग को दूरदराज के सीमावर्ती क्षेत्रों में राशन, एलपीजी और पेट्रोलियम उत्पादों का अग्रिम भंडारण सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने उपभोक्ताओं को अक्टूबर के राशन का अग्रिम वितरण करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया और निर्देश दिया कि कमी को रोकने के लिए कश्मीर घाटी में एलपीजी का 15 दिनों का बफर स्टॉक बनाए रखा जाए।

दिसंबर में चार साल बाद पुतिन भारत आयेंगे

मास्को, 03 अक्टूबर। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दिसंबर की शुरुआत में शिखर वार्ता के लिए भारत आयेंगे। श्री पुतिन के इस दौरे में कुछ महत्वपूर्ण समझौतों के होने की उम्मीद है। उनका भारत का यह दौरा करीब चार साल बाद हो रहा है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने गुरुवार को संवाददाताओं को बताया कि श्री पुतिन की भारत यात्रा की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। उन्होंने कहा, वह भारत में होंगे। सचमुच, हम तैयारी कर रहे हैं। यह नये साल से पहले होगा। श्री पेस्कोव ने भारत के साथ रूस के रिश्ते पर कहा कि भारत के रूस के साथ विशेष संबंध हैं और रूस इन्हें बहुत महत्व देता है। उल्लेखनीय है कि भारत और रूस के बीच दिसंबर में होने वाली यह 23वीं द्विपक्षीय शिखर वार्ता होगी। इससे पहले रूस के राष्ट्रपति 2021 में 21 वीं द्विपक्षीय शिखर वार्ता के लिए भारत आये थे।

वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लाभ हेतु प्रक्रियाओं को सरल बनाएँ और जन-अनुकूल उपाय अपनाएँ:सकीना इत्तू

श्रीनगर 03 अक्टूबर। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लाभ हेतु प्रक्रियाओं को सरल बनाने और जन-अनुकूल उपाय अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।
मंत्री ने यह बात नागरिक सचिवालय में समग्र क्षेत्रीय केंद्र श्रीनगर/जम्मू के प्रदर्शन और कार्यप्रणाली की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। बैठक में सामाजिक कल्याण विभाग के आयुक्त सचिव सरमद हफ़ीज़, कश्मीर और जम्मू के सामाजिक कल्याण निदेशक, सीआरसी श्रीनगर/जम्मू के निदेशक, राज्य पुनर्वास परिषद जेएंडके के कार्यकारी निदेशक, आर्टिफिशियल लिम्ब्स मैन्युफैक्चरिंग कॉर्पोरेशन ऑफइंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, जिला सामाजिक कल्याण अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए। बाहरी जिलों से जुड़े अधिकारी वर्चुअल मोड के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। मंत्री ने सुगमता की आवश्यकता पर जोर देते हुए संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि दिव्यांगता प्रमाणपत्र

जारी करने और सहायक उपकरण प्रदान करने की प्रक्रिया को सरल बनाएं, ताकि अधिकतम लोग सीआरसी के माध्यम से चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने सीआरसी अधिकारियों को जिला मुख्यालयों से बाहर भी जागरूकता शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए, ताकि दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों के लोग उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं से अवगत हो सकें। गुणवत्ता आश्वासन के महत्व पर बल देते हुए, मंत्री साकीना ने सीआरसी और एएलआईएमसीओ को सभी सहायक उपकरणों के वितरण से पहले उनकी सख्त गुणवत्ता जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सतीश शर्मा ने तिलहन मिशन के तहत प्रगतिशील किसानों के प्रदर्शन दौरे को हरी झंडी दिखाई

जम्मू, 03 अक्टूबर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, परिवहन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, युवा सेवा एवं खेल मंत्री सतिश शर्मा ने .षि निदेशक जम्मू अनिल गुप्ता की उपस्थिति में प्रगतिशील किसानों की एक दिवसीय एक्सपोजर विजिट को ऑयलसीड मिशन के तहत हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। छम्ब विधानसभा क्षेत्र, उप-मंडल अखनूर से आए 62 किसानों का दल, .षि विभाग जम्मू के तीन अधिकारियों के साथ मिलकर इस यात्रा में भाग ले रहा है। किसान दल .षि विज्ञान केंद्र, आर. एस. पुरा जम्मू का दौरा करेगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को तिलहन खेती से जुड़ी आधुनिक तकनीकों, वैज्ञानिक हस्तक्षेपों और सर्वोत्तम प्रथाओं से अवगत कराना है, ताकि उनकी जानकारी और क्षमता बढ़े और वे खेत स्तर पर नए तरीकों को अपना सकें। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि देश में खाद्य तेल आयात पर निर्भरता कम करने के लिए तिलहनों का प्रोत्साहन और क्षेत्र विस्तार अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए किसानों को व्यापक तकनीकी और वैज्ञानिक प्रशिक्षण की जरूरत है ताकि वे आधुनिक तरीकों को प्रभावी ढंग से अपनाकर उत्पादन बढ़ा सकें। सतिश शर्मा ने जोर देकर कहा कि इस तरह की एक्सपोज़र विजिट वैज्ञानिक अनुसंधान और खेत स्तर के अनुप्रयोग के बीच की खाई को कम करने में सहायक होंगी।

मुख्य सचिव ने कौशल विकास के लिए व्यापक कार्य योजना की समीक्षा की

श्रीनगर 03 अक्टूबर। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें जम्मू और कश्मीर में कौशल विकास के लिए व्यापक कार्ययोजना की समीक्षा की गई।

बैठक का फोकस एक समग्र रणनीति पर रहा, जिसका उद्देश्य भविष्य-तत्पर कार्यबल तैयार करना, पेशेवरों को कौशल प्रदान करना, रोजगार क्षमता बढ़ाना और राज्य में सतत आजीविका के अवसर बनाना है।

बैठक में उच्च शिक्षा के अतिरिक्त मुख्य सचिव शांतमनु, वित्त प्रधान सचिव संतोष डी. वैद्य,

स्कूल शिक्षा सचिव राम निवास शर्मा, कौशल विकास विभाग के सचिव कुमार राजीव रंजन, कौशल विकास मिशन के प्रबंध निदेशक, सचिव बीओटीई, निदेशक कौशल विकास, विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

मुख्य सचिव ने कहा कि इस योजना का वास्तविक असर तभी होगा जब इसे जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। उन्होंने शिक्षा और कौशल विकास विभागों के बीच सहज तालमेल को अत्यंत आवश्यक बताते हुए कहा कि यह महत्वाकांक्षी योजना की सफलता के लिए अहम है।

शादीशुदा जिंदगी में इन बातों को करें फॉलो

लड़ाई–झगड़ा, प्यार–मोहब्बत, हर रिश्ते में होना लाजमी है। लेकिन अगर ये झगड़ा बहुत ज्यादा होने लगे तो ये अच्छा नहीं होता क्योंकि इससे रिश्ते टूट सकते हैं। किसी भी रिश्ते में लड़ाई होना बेहद खराब है, हां हल्की–फुल्की नोक झोंक तो हर घर में होती है, पर जब ये ज्यादा होने लगे तो खतरे की घंटी साबित हो सकती है। अगर आपके रिश्ते में ऐसा कुछ हो रहा है तो आप कुछ टिप्स फॉलो कर सकते हैं। आइए, जानते हैं–

विश करें

तो क्या हुआ कि आपकी शादी को कई साल हो चुके हैं, प्यार को बरकरार रखने के लिए आपको हर चीज करनी चाहिए। भले ही आप दोनों के उठने का समय अलग है लेकिन आप दोनों को सुबह एक दूसरे को गुड मॉर्निंग विश करना चाहिए। साथ ही रात में सोने पर भी आपको गुड नाइट विश करके सोना चाहिए। ये एक अच्छी आदत होने के साथ–साथ आपके रिश्ते को जीवित रखने में मदद करता है।

फूल

फूल किसे पसंद नहीं होते, इन दिनों फेस्टिव सीजन है तो यकीनन आपकी वाइफ भी रोजाना अच्छे से तैयार होती होंगी। ऐसे में उनको आप फूल दे सकते हैं। वह इसे अपने बालों में लगा सकती है और ये सच में काफी रोमांटिक होगा।

तारीफ

एक दूसरे की तारीफ करें। आप अपने पार्टनर की किसी फोटो या फिर वो दिन भर कैसी लग रही थी इस बात की तारिफ करें। रोजाना आप दोनों मेहनत करते हैं तो ऐसे में एक दूसरे के काम की तारीफ भी कर सकते हैं।

हाई हील पहनने की हैं शौकीन, पूरे दिन पहनकर रखने के लिए अजमाएं ये हैक्स

हील्स पहनना अधिकतर महिलाओं को पसंद होता है। हील्स पहनने के लिए किसी भी परफेक्ट आउटफिट पहनने की जरूरत नहीं होती, बल्कि किसी भी लुक को परफेक्ट बनाने के लिए आप हील्स पहन सकते हैं। हील्स की एक खासियत यह भी है कि यह पैरों को ज्यादा लंबा दिखाते हैं, जिससे आपका लुक और भी ज्यादा अट्रैक्टिव लगता है। हाई हील्स के साथ एक समस्या यह होती है कि यह बहुत ज्यादा देर तक आपको कंफर्टेबल महसूस नहीं करवाते हैं। इसलिए अगर आप ऑफिस में या फिर किसी मैरिज फंक्शन आदि में पहन रही हैं तो हो सकता है कि आपको पैरों में दर्द का एहसास होने लगे। तो जानते हैं हाई हील्स से जुड़े कुछ हैक्स के बारे में।

हैक 1

डबल टेप का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे आप तलवे से चिपका दें। यह ट्रिक आपके फुटवियर को पैरों पर ज्यादा आरामदायक तरीके से रखेगी। साथ ही इसके कारण होने वाले फफोले और पैर की उंगलियों में दर्द काफी हद तक कम हो जाएगा।

हैक 2

हील्स में आप इनसोल्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये सिलिकॉन या कपड़े से बने होते हैं। यह आपके पैरों को हाई हील्स में आगे बढ़ने से रोकते हैं, साथ ही आरामदायक भी होते हैं।

हैक 3

पार्टी में अक्सर हील्स उतारने का मन करता है, लेकिन आप ऐसा करने से बचें क्योंकि जब आप हील्स उतारते हैं तो उस पल तो आपको राहत मिल जाती है लेकिन कई बार ऐसा करते ही पैरों में सूजन आ जाती है और फिर जब आप हील्स दोबारा पहनती हैं तो पैरों में ज्यादा दर्द होता है।

हर लड़की को सीखनी चाहिए ये चीजें

यूं तो आज लड़कियां लड़कों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। घर की जिम्मेदारियों से लेकर बाहर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तक में, उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से अपने लिए एक खास जगह बनाई है। बावजूद इसके आज जानते हैं वो 5 चीजें जिन्हें होम मेकर हो या कोई प्रोफेशनल लड़की, जरूर सीखना चाहिए।

अकाउंट्स मेनटेन रखना

घर संभालना हो या फिर बाहर रहकर नौकरी करते हुए अपने खर्चों को करना हो मैनेज, लड़कियों को अपने फाइनेंशियल डिसीजन खुद लेने आने चाहिए। इसके लिए उन्हें सबसे पहले अपना अकाउंट्स मेंटेन करना जरूर आना चाहिए। आप ऐसा करते हुए आप अपने खर्चों पर भी खुद नजर रख पाएंगी। इसके अलावा लड़कियों को समय पर टैक्स रिटर्न भरना भी जरूर सीखना चाहिए। अपने रिटायरमेंट प्लान से लेकर सेविंग्स तक की प्लानिंग के लिए अपने पैसे को समझदारी से इन्वेस्ट करें।

साइन करने से पहले हर कागज को अच्छे से पढ़ें

ज्यादातर लोग अक्सर किसी डॉक्यूमेंट या कागज को बिना पढ़े ही साइन कर देते हैं। आपकी ये आदत आपको भविष्य में नुकसान पहुंचा सकती है। लड़कियों का मन कोमल होता है। आपका किसी पर विश्वास करना उचित है बावजूद इसके आपको समझदारी से काम लेना भी आना चाहिए। ऐसे में कभी भी किसी भी लीगल या जरूरी डॉक्यूमेंट्स पर साइन करने से पहले उसे जरूर अच्छे से पढ़ें।

बेसिक सेल्फ डिफेंस स्किल्स

वक्त चाहे कोई भी क्यों न हो, आप अपनी किस्मत को आजमाने के लिए रात या दिन का इंतजार थोड़े ही करेंगे। रात हो या दिन, आपको अपनी सुरक्षा के लिए बेसिक सेल्फ डिफेंस मूव्स जरूर आने चाहिए ताकि आप मौका पड़ने पर किसी भी जगह सुरक्षित रह सकें। आप इसके लिए वीकेंड पर सेल्फ डिफेंस कोर्स कर सकती हैं।

सिग्नेचर डिश

हर व्यक्ति अपनी किसी न किसी खासियत की वजह से लोगों के बीच पहचाना जाता है। ऐसे में आप भी अपनी किसी सिग्नेचर डिश की वजह से लोगों के बीच फेमस हो सकते हैं। जब आप डिनर या पार्टी के लिए लोगों या दोस्तों को अपने घर बुला रही हैं तो मेन्यू में आपकी एक सिग्नेचर डिश तो होनी ही चाहिए जिसका स्वाद वो सालों–साल याद रखें।

घर की जिम्मेदारियों से लेकर बाहर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तक में लड़कियों ने अपनी मेहनत और लगन से अपने लिए एक खास जगह बनाई है।

कार का टायर बदलना

अक्सर लोगों को लगता है कि गाड़ी का टायर बदलने का काम सिर्फ लड़के ही अच्छा कर सकते हैं। लेकिन अगर आप भी ड्राइव करती हैं तो यह काम आपको भी जरूर सीखना चाहिए वरना आप कभी भी मुश्किल में पड़ सकती हैं।

डेटिंग प्रोफाइल के लिए फोटो चूज करने में इन टिप्स की लें मदद

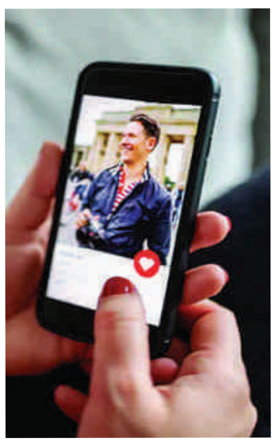

ऑनलाइन डेटिंग करना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में जब आप ऑनलाइन प्रोफाइल को सेट करते हैं तो आप पूरी तरह से सभी कुछ बेस्ट करने की कोशिश करते हैं। जिसे देख आसानी से कोई भी इंप्रेस हो जाए। हालांकि आपको इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि आपके प्रोफाइल का बायो पूरी तरह से आपको डिस्क्राइब करना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तभी आप ज्यादा से ज्यादा मैच पा सकते हैं। इन सभी के साथ ये भी जरूरी है कि आप एक सही प्रोफाइल फोटो चूज करें। ऐसे में आप जब भी डेटिंग प्रोफाइल फोटो चूज करें तो कुछ बातों को ध्यान में रखें। तो चलिए जानते हैं कुछ टिप्स के बारे में जिनकी मदद से आप अपनी प्रोफाइल फोटो सेट कर सकत हैं।

टिप 1

ऐसी फोटो चूज न करें जिसमें आपका चेहरा क्लीयर न हो, या फिर आपका चेहरा दिख ही न रहा हो। ये फोटो अच्छा ऑप्शन नहीं होगा क्योंकि सामने वाले को आपकी फोटो ही नहीं दिखेगी। ऐसी फोटो चुने जिसमें आप पूरी तरह से दिख रहे हों।

टिप 2

कई बार लोग डेटिंग एप पर ग्रुप फोटो लगाते हैं, ऐसे में सामने वाले को ये कंफ्यूजन हो सकता है कि प्रोफाइल किसकी है। तो ध्यान रखें की फोटो सिर्फ आपकी हो न की ग्रुप फोटो हो।

टिप 3

ऑनलाइन डेटिंग एप पर अगर आप फोटो स्लेक्ट कर रहे हैं तो ऐसी फोटो लगाएं जो आपको डिस्क्राइब करे। अगर आपको कैंपिंग पसंद है तो आप कैंपिंग की फोटो लगा सकते हैं या फिर अगर आपको बुक्स पढ़ना पसंद है तो किसी लाइब्रेरी की फोटो लगा सकते हैं।

टिप 4

एक ऐसी फोटो लगाएं जिसमें आप कॉन्फिडेंट नजर आ रहे हैं। कई बार लोग अपने कपड़ों के साथ कॉन्फिडेंट नहीं होते हैं फिर भी उन कपड़ों में वह प्रोफाइल फोटो लगा सकते हैं।

कहीं आपकी चांदी की ज्वेलरी नकली तो नहीं है? ऐसे जानें

सोना और प्लेटिनम की तरह ही चांदी भी एक लोकप्रिय धातु है। आमतौर पर लोग सोने और चांदी के गहने पहनना पसंद करते हैं और वास्तव में चांदी के गहने दिखने में खूबसूरत भी लगते हैं। जब बात चांदी के गहनों को आती है तो लोग मुख्य रूप से इसकी पायल और बिछिया पहनते हैं। चांदी एक कीमती धातु है जो बहुतायत में पाई जाती है और इसका उपयोग गहनों के अलावा पूजा के सिक्के, सजावटी सामान, मूर्तियां और अन्य टिकाऊ वस्तुएं जैसे बर्तन बनाने के लिए भी किया जाता है।

यह एक नरम धातु है और यदि आप अपनी चांदी से बनी चीजों की उचित देखभाल करते हैं, तो यह लंबे समय तक नए जैसी बनी रहती हैं। चाहे आप चांदी के झुमके की एक जोड़ी खरीदें या स्टर्लिंग चांदी से बनी चांदी की अंगूठी और पायल, यदि आप इसकी अच्छी देखभाल करेंगी तो या सालों साल नयी जैसी बनी रहेंगी। लेकिन देखभाल के साथ आपके लिए इन्हें खरीदते समय इस बात का ध्यान रखना भी जरूरी है कि आप जो चांदी खरीद रही हैं वो असली और शुद्ध है या नहीं। वास्तव में यदि आप नकली चांदी खरीदेंगी के बाद भी ये जल्दी ही खराब होने लगती है। आइए जानें कि आप किन युक्तियों से इस बात का पता आसानी से लगा सकती हैं कि आपकी चांदी असली है या नहीं।

लेबल की जांच करें

चांदी की वस्तु असली है या नकली यह जांचने के लिए आभूषण पर लेबल की जांच करना। यदि उस पर एक छोटा लेबिल है जिसमें स्टर' या 'स्टर्लिंग' प्रिंट है, तो इसका मतलब है कि वस्तु

चांदी या चांदी चढ़ाया हुआ। जब भी चांदी की वस्तुओं को अंतरराष्ट्रीय या घरेलू स्तर पर बेचा जाता है, तो एक हॉलमार्क ट्रेड स्टैम्प होता है जो धातु को प्रमाणित करता है। किसी दुकान से चांदी की वस्तु खरीदने से पहले, हमेशा 'स्टर्लिंग' के मानक स्टैंप की जांच जरूर करें।

मैग्नेट टेस्ट

मैग्नेट का उपयोग करके यह जांचने का एक और अच्छा तरीका है कि आपने जो चांदी खरीदी है वह असली है या नकली। यदि आपके घर में कोई भी चुम्बक पड़ा हुआ है, तो आप इसका उपयोग

प्रदर्शित करती है। इसके लिए एक मैग्नेट का प्रयोग करें और उसे चांदी की वस्तु के करीब लाएं जिसे आप जांचना चाहते हैं और देखें कि क्या यह मैग्नेट से मजबूती से चिपकती है। यदि ऐसा है तो समझ लें कि ये असली चांदी नहीं है।(मोतियों की ज्वेलरी की ऐसे करें केयर)

आइस क्यूब टेस्ट

चांदी के शुद्ध होने या न होने की जांच करने का एक और आसान तरीका बर्फ के टुकड़े का उपयोग करना है। यह विधि चांदी के सिक्कों और अन्य चांदी की वस्तुओं के सपाट सतहों के परीक्षण के लिए आदर्श है। चांदी के सिक्के या गहनों पर आइस क्यूब रखें। यदि आइस क्यूब जल्दी पिघलती है, तो आपके पास जो चांदी की वस्तु है वह असली है। दरअसल चांदी में किसी सामान्य धातु की तुलना में अत्यधिक मात्रा में थर्मल कंडक्टिविटी होती है जो बर्फ को तुरंत पिघला देती है।

वजन परीक्षण

चांदी अधिकांश धातुओं की तुलना में ज्यादा हैवी होती है। इस धातु के वजन में एक विशिष्ट व्यास और मोटाई होती है। यदि चांदी का वजन कम होता है, तो यह स्टर्लिंग चांदी के बजाय हल्के चांदी के मिश्र धातुओं से बनी हो सकती है। यदि इसका वजन अधिक है, तो

आमतौर पर चांदी की परत वाली वस्तुओं की तुलना में ठंडी होती है और चमकदार होती है।

ब्लीच टेस्ट

चांदी की धातु की प्रामाणिकता की जांच के लिए ब्लीच का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस चांदी की वस्तु पर ब्लीच की एक बूंद डालें। ब्लीच जैसे ऑक्सीडाइजिंग केमिकल के संपर्क में आने के बाद अगर यह धूमिल हो जाए तो यह असली चांदी है। ब्लीच के संपर्क में आने पर असली चांदी तुरंत काली हो जाएगी जबकि नकली धातु पर ब्लीच का कोई असर नहीं होता है। लेकिन

हिस्से में ही ब्लीच डालें।

इन सभी युक्तियों से आप अपनी चांदी के गहनों की जांच कर सकते हैं और ये पता लगा सकते हैं कि चांदी असली है या नकली।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जीजीएम साइंस कॉलेज में आपदा प्रबंधन पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

जम्मू, 3 अक्टूबर (हि.स.)। जीजीएम साइंस कॉलेज, जम्मू की सेल्फ-डिफेंस/डिजास्टर मैनेजमेंट कमेटी ने आपदा प्रबंधन और तैयारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया। यह प्रतियोगिता कॉलेज के प्राचार्य प्रो. रोमेश कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन और संरक्षण में आयोजित हुई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आपदा जोखिम में कमी, सुरक्षा और सामुदायिक जिम्मेदारी के महत्व से अवगत कराना था। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रचनात्मक पोस्टरों के माध्यम से आपदा की तैयारी, प्रतिक्रिया और पुनर्वास की थीम को चित्रित किया। इस बार का केंद्रीय विषय आपदा तैयारी और प्रबंधन रहा, जिसे प्रतिभागियों ने अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति के जरिए प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. रोमेश कुमार गुप्ता ने कहा, विद्यार्थियों के लिए आपदा प्रबंधन की रणनीतियों को समझना आवश्यक है। इस तरह की प्रतियोगिताएं न केवल उनकी रचनात्मकता को बढ़ाती हैं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करती हैं। प्रतियोगिता का संचालन सेल्फ-डिफेंस/डिजास्टर मैनेजमेंट कमेटी द्वारा किया गया, जिसमें डॉ. शाफिया सलीम (कन्वीनर), डॉ. अनिल कुमार (को-कन्वीनर), डॉ. नेहा महाजन, प्रो. सुनीता कुमारी, डॉ. नेहा शर्मा, प्रो. संजय कुमार, प्रो. गौरव गुप्ता, प्रो. राजीव कुमार, प्रो. मेहजबीन बानो और डॉ. अनिल थापा शामिल रहे।

कठुआ जिले के सभी पुलिस प्रतिष्ठानों में स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित

कठुआ, 03 अक्टूबर (हि.स.)। एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में स्वच्छ भारत अभियान के तहत पूरे भारत में मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता अभियानों की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला पुलिस कठुआ के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वच्छता अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लिया, अपनी-अपनी इकाइयों में और उसके आसपास स्वच्छता सुनिश्चित की और समुदाय के बीच स्वच्छता का संदेश फैलाया। ये अभियान पुलिस नगरी, हटली, जखोल, चड़वाल, बसंतपुर, मढ़हीन, रामकोट, लोवांग के साथ-साथ पुलिस स्टेशन कठुआ, लखनपुर, हीरानगर, बिलावर, मल्हार, महिला थाना कठुआ, बसोहली और बनी में चलाया गया। एसएसपी कठुआ ने कहा कि यह पहल राष्ट्रव्यापी स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के प्रति कठुआ पुलिस की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो सार्वजनिक स्थानों के साथ-साथ कार्यस्थलों में भी स्वच्छता और सफाई के महत्व पर जोर देती है। जम्मू-कश्मीर पुलिस कठुआ आम जनता से स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय योगदान देने और स्वच्छ भारत अभियान का समर्थन करने की अपील करती है।

चंगिया में पारंपरिक दंगल का आयोजन, 50 से अधिक पहलवानों ने दिखाया दमखम

जम्मू, 3 अक्टूबर (हि.स.)। चंगिया दंगल समिति की ओर से पारंपरिक दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस मौके पर जम्मू-कश्मीर, पंजाब और हिमाचल प्रदेश से आए 50 से अधिक अनुभवी पहलवानों ने अपने दांव-पेंच दिखाकर दर्शकों को रोमांचित किया। दिनभर चले मुकाबलों में पहलवानों ने दमखम, तकनीक और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में बिश्नाह के विधायक डॉ. राजीव भगत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके आगमन पर समिति और ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। डॉ. भगत ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा मिलती है और सांस्कृतिक धरोहर भी सुरक्षित रहती है। उन्होंने दंगल समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि दंगल अनुशासन और परंपरागत मूल्यों का प्रतीक है।

प्रतियोगिता के दौरान हजारों की संख्या में जुटे दर्शकों ने पहलवानों का उत्साहवर्धन किया। कई दौर के कड़े मुकाबलों के बाद फाइनल मुकाबले तक पहुंचने के लिए पहलवानों को जोरदार चुनौती का सामना करना पड़ा। हालांकि शीर्ष मुकाबलों के नतीजे तुरंत उपलब्ध नहीं हो पाए, लेकिन दर्शकों की गूंज ने प्रतियोगिता की सफलता को साबित किया।

दंगल के सुचारू संचालन के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन ने भी सहयोग किया। इस अवसर पर इंस्पेक्टर दिलावर कुमार, एसएचओ अर्निया, और पुलिस चौकी त्रेवा इंचार्ज मौजूद रहे। स्थानीय समुदाय और राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भी आयोजन में भागीदारी निभाई। इनमें अर्निया मंडल प्रधान गिर्धर गोपाल, मंडल महासचिव सुपिंदर शर्मा, बूथ अध्यक्ष मोहिंदर सिंह, पूर्व सरपंच रघुबीर सिंह, सुनील कुमार और हितेश शर्मा शामिल रहे।

डोगरा सभा गोरखा नगर ने पुनर्गठित की कार्यकारिणी, जमीनी विकास को दी प्राथमिकता

जम्मू तवी, 03 अक्तूबर। वार्ड नंबर 48, गोरखा नगर की डोगरा सभा ने शुक्रवार को अध्यक्ष कुलबीर सिंह (बिट्टू बाबा) की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक आयोजित की। बैठक में वार्ड के कई प्रमुख सदस्यों ने भाग लिया। मुख्य उद्देश्य कार्यकारिणी का पुनर्गठन कर संगठनात्मक ढांचे को मज़बूत करना और बढ़ती विकास संबंधी ज़रूरतों को पूरा करना रहा। सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष

कुलबीर सिंह ने कहा कि उन्हें पद संभाले छह माह पूरे हो चुके हैं और अब समिति को और मज़बूत एवं सर्वसमावेशी बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, गोरखा नगर एक उभरता क्षेत्र है जहाँ चुनौतियाँ भी बड़ी हैं। प्रभावी सेवा के लिए हमें एक सक्रिय और परिणाममुखी टीम चाहिए। बैठक की सबसे अहम घोषणा रही कि पूर्व पार्षद श्याम लाल बसन को सर्वसम्मति से डोगरा सभा का चेयरमैन नियुक्त किया गया।** उन्होंने नवनियुक्त सदस्यों को बधाई दी और सामूहिक सहयोग से आगे बढ़ने का आह्वान किया।

पुनर्गठित कार्यकारिणी इस प्रकार है-

अध्यक्ष- कुलबीर सिंह (बिट्टू बाबा)
वरिष्ठ उपाध्यक्ष- चंद कुमार गुप्ता
वरिष्ठ उपाध्यक्ष- सुभाष चंदर भगत
उपाध्यक्ष- दीपक शर्मा
उपाध्यक्ष- सुभाष चंदर
महामंत्री- सनी संगोत्रा
संयुक्त सचिव- अमित कुमार
सचिव- मुकेश कुमार
संगठन सचिव- राकेश मेहरा
कोषाध्यक्ष- कमल गंदोत्रा
प्रचार सचिव- आशु कुमार (मान्यता प्राप्त पत्रकार)
भंडार प्रभार- कमल कुमार व साहिल मेहरा

बैठक का समापन वार्ड-48 में विकासात्मक गतिविधियों को तेज़ करने, बुनियादी सुविधाओं में सुधार, सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रोत्साहित करने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। चेयरमैन श्याम लाल बसन और अध्यक्ष कुलबीर सिंह ने आश्वासन दिया कि डोगरा सभा की मज़बूत कार्यकारिणी लोगों और प्रशासन के बीच सेतु का कार्य करेगी और गोरखा नगर की आवाज़ हर स्तर तक पहुँचाई जाएगी।

दो आदतन ड्रग तस्करों के खिलाफ पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज

सोपोर, 3 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में मादक पदार्थों की तस्करी पर चल रही कार्रवाई के तहत सोपोर पुलिस ने दो आदतन ड्रग तस्करों के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (पीआईटी एनडीपीएस एक्ट) के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक बयान में पुलिस प्रवक्ता ने आरोपियों की पहचान उमर फारूक शेख पुत्र फारूक अहमद शेख निवासी सीलू सोपोर जो कोट भलवाल जेल, जम्मू में बंद है और अब्दुल हामिद मीर पुत्र अब्दुल रशीद मीर निवासी जनवारा सोपोर जो जिला जेल, पुंछ में बंद है के रूप में की।

जीडीसी कठुआ की 4 जेके बटालियन एनसीसी ने प्रतिष्ठित रैंक समारोह का आयोजन किया

कठुआ, 03 अक्टूबर (हि.स.)। जीडीसी कठुआ की 4 बटालियन एनसीसी के दक्षिण-पश्चिम विंग ने प्रतिष्ठित रैंक समारोह का आयोजन किया जिसमें योग्य कैडेटों को उनके उत्कृष्ट समर्पण, नेतृत्व और सेवा के लिए रैंक प्रदान की गई। समारोह की शुरुआत 4 जम्मू-कश्मीर बटालियन एनसीसी की मुख्य तकनीकी अधिकारी डॉ. पिंकी के गर्मजोशी भरे स्वागत भाषण से हुई जिसके बाद उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ. यश पॉल ने एक प्रेरक भाषण दिया जिसमें उन्होंने एनसीसी में निहित अनुशासन, नेतृत्व और देशभक्ति के मूल्यों पर जोर दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. नीलम भगत,

विभागाध्यक्ष गृह विज्ञान, प्रो. शालिनी गुप्ता और प्रो. शिवानी कोतवाल भी उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रैंकों की औपचारिक पिपिंग थी जहाँ कैडेटों को सीनियर अंडर ऑफिसर, जूनियर अंडर ऑफिसर और सार्जेंट जैसे रैंक प्रदान किए गए। पायल देवी को एसयूओ रैंक, भाग्यश्री और लीला देवी को जेयूओ रैंक तथा भूमिका मेहरा और अर्शा देवी को एसजीटी रैंक से सम्मानित किया गया। नवनियुक्त रैंक धारकों ने उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों को निभाने और अपने साथी कैडेटों के लिए रोल मॉडल के रूप में काम करने का संकल्प लिया। कॉलेज की योग्य प्राचार्य डॉ. सावी बहल ने कैडेटों को बधाई दी और उन्हें एनसीसी की विरासत को गर्व और निष्ठा के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

जीडीसी महानपुर ने दान उत्सव की शुरूआत की

कठुआ, 03 अक्टूबर (हि.स.)। जीडीसी महानपुर की एनएसएस इकाई ने 03 अक्टूबर 2025 को दान उत्सव की शुरूआत की जोकि 08 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। दान पर्व मनाने के लिए कॉलेज की प्रिंसिपल प्रोफेसर संगीता सूदन के नेतृत्व में एनएसएस पीओ डॉ. रूपाली जसरोटिया द्वारा फिटनेस योग पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया था।

दान पर्व के पहले दिन दो एनएसएस स्वयंसेवकों, नेहू शर्मा और मेघा सलारिया द्वारा एक फिटनेस योग सत्र आयोजित किया गया। सत्र में हल्के व्यायाम, स्ट्रेच और योग आसन शामिल थे। इसके बाद प्राणायाम किया गया। दोनों योग विशेषज्ञों ने कर्मचारियों और छात्रों के समक्ष अपनी योग विशेषज्ञता और कौशल का प्रदर्शन किया और इस प्रकार अपने कौशल का उपयोग करते हुए दूसरों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने की कला सिखाई। दोनों विशेषज्ञों ने सत्र का सफलतापूर्वक संचालन किया।

श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय में इंटरनल हैकाथॉन का सफल आयोजन

जम्मू, 3 अक्टूबर (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) के स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन पहल के अंतर्गत इंटरनल हैकाथॉन का आयोजन किया। यह आयोजन आईईईई स्टूडेंट ब्रांच, एसएमवीडीयू के सहयोग से किया गया। इस हैकाथॉन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की नवाचारी सोच को प्रोत्साहित करना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2025 में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार करना था। कुल 28 बहुविषयक छात्र टीमों ने अपने समस्या कथन और समाधान प्रस्तुत किए, जिनमें से चयनित टीमों को प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर दिया गया। प्रतिभागियों ने सामाजिक कल्याण, स्वचालन, सतत विकास और डिजिटल परिवर्तन जैसे वास्तविक चुनौतियों पर गहन कार्य किया।

कार्यक्रम का नेतृत्व स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की प्रमुख डॉ. सुनंदा ने बतौर संयोजक किया। आयोजन समिति में सहायक प्रोफेसर डॉ. सोनिका गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पूजा शर्मा और डॉ. नवीन कुमार गोंधी शामिल रहे, जो आईईईई स्टूडेंट ब्रांच कोऑर्डिनेटर भी हैं। फैकल्टी सदस्यों और आईईईई स्टूडेंट सदस्यों ने मार्गदर्शक और तकनीकी सहयोगी की भूमिका निभाई। इस आंतरिक हैकाथॉन ने छात्रों में नवाचार, टीम वर्क और समस्या-समाधान की संस्कृति को बढ़ावा दिया, साथ ही कैंपस में शोध और विकास की भावना को भी प्रोत्साहित किया।

ईएमआर और स्कैन एंड शेयर उपयोग के लिए जीएमसी कठुआ प्रथम स्थान पर

कठुआ, 03 अक्टूबर (हि.स.)। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन एवं जम्मू-कश्मीर के मिशन निदेशक ने इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड (ईएमआर) और स्कैन एंड शेयर उपयोग के लिए जम्मू-कश्मीर भर के स्वास्थ्य संस्थानों की रैंकिंग जारी की। इस मूल्यांकन में राजकीय मेडिकल कॉलेज कठुआ ने अगस्त 2025 के लिए गर्व से प्रथम स्थान प्राप्त किया गौरतलब हो कि यह उपलब्धि जीएमसी कठुआ के प्रधानाचार्य डॉ. सुरिंदर कुमार अत्री के गतिशील नेतृत्व और निरंतर मार्गदर्शन में सभी विभागाध्यक्षों, चिकित्सा अधीक्षक, उप चिकित्सा अधीक्षक, संकाय सदस्यों, वरिष्ठ रेजिडेंट, मेडिकल रिकॉर्ड अधिकारी, जूनियर रेजिडेंट, इंटर्न, स्वास्थ्य एवं संबद्ध कर्मचारियों, लिपिक कर्मचारियों और सहायक कर्मचारियों के सक्रिय सहयोग से संभव हुई है। ईएमआर और स्कैन एंड शेयर सुविधाओं के सुचारू कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने में उनके सामूहिक समर्पण ने डिजिटल स्वास्थ्य सेवा वितरण में एक मानक स्थापित किया है। जिसमें रोगी डेटा प्रबंधन और वास्तविक समय रिकॉर्ड रखने के लिए डिजिटल प्रोटोकॉल को सहजता से अपनाना, प्रशिक्षित डेटा एंट्री ऑपरेटरों और रिकॉर्ड प्रबंधन टीमों सहित समर्पित जनशक्ति की तैनाती, जिन्होंने सटीकता और दक्षता सुनिश्चित की, नैदानिक और गैर-नैदानिक कर्मचारियों के बीच मजबूत समन्वय, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक रोगी को बिना किसी देरी के स्कैन और शेयर सेवाओं का लाभ मिले, प्रभावी डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन के लिए डॉक्टरों, नर्सों और संबद्ध कर्मचारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण और जागरूकता अभियान चलाए गए, डिजिटल प्रणालियों के निर्बाध संचालन में सहायता के लिए मजबूत आईटी अवसंरचना और संसाधन जुटाए गए जबकि रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण, जहाँ रिकॉर्ड का समय पर निर्माण, स्कैनिंग और साझाकरण ने समग्र उपचार अनुभव को बेहतर बनाया।

नशा विरोधी जागरूकता रैली का आयोजन

कठुआ, 03 अक्टूबर (हि.स.)। बढ़ते नशे के दुरुपयोग के खतरे को देखते हुए और आम जनता, विशेषकर युवाओं को इसके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने के लिए आबकारी आयुक्त जम्मू-कश्मीर सुभाष छिब्बर और उप आबकारी आयुक्त (कार्यकारी) जम्मू संजय भट्ट के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में आबकारी रेंज कठुआ ने शुक्रवार को नशे को ना कहें जीवन को हाँ कहें के बैनर तले एक नशा विरोधी जागरूकता रैली का आयोजन किया नशा विरोधी जागरूकता रैली डीसी कार्यालय कठुआ से शुरू होकर ड्रीमलैंड पार्क कठुआ में संपन्न हुई। इसका आयोजन कठुआ रेंज के ईटीओ मुदासिर नजीर और आबकारी टीम, जिसमें इंस्पेक्टर धीरज पठानिया, करणजीत चगोत्रा, सब इंस्पेक्टर मदन सिंह, शुभम आजाद और आबकारी गार्ड शामिल थे, के नेतृत्व में आबकारी टीम कठुआ द्वारा किया गया। इस रैली में सरकारी हाई सेकेंडरी स्कूल फॉर बॉयज गर्ल्स के छात्रों के साथ-साथ टीचिंग स्टाफ, गणमान्य नागरिक और पुलिस अधिकारी भी शामिल हुए।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण जानकारी

बनिहाल - बडगाम - बनिहाल विस्टाडोम स्पेशल का विस्तार

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के लिए उत्तर रेलवे द्वारा ट्रेन नं. 04687/04688 बनिहाल – बडगाम – बनिहाल विस्टाडोम स्पेशल की सेवा अवधि को संशोधित समय सारणी के साथ दिनांक 04.10.2025 से 02.12.2025 तक बढ़ाया जा रहा है, जिसका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है :–

04687/04688 बनिहाल - बडगाम - बनिहाल विस्टाडोम स्पेशल ट्रेन (सप्ताह में 6 दिन) — **104 फेरे**

रेलगाड़ी सं. 04687 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04687 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04688 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04688 प्रस्थान
–	17:05	बनिहाल	09:45	–
17:22	17:24	काजीगुंड	09:08	09:10
17:38	17:51	अनंतनाग	08:52	08:54
18:10	18:12	अवन्तीपुरा	08:17	08:27
18:34	18:36	श्रीनगर	07:43	07:45
18:50	–	बडगाम	–	07:30

चलने की तिथि: **04687 बनिहाल** से और **04688 बडगाम** से प्रतिदिन (शुक्रवार छोड़कर) दिनांक 04.10.2025 से 02.12.2025 तक।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलवे पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. **139**

रेलमदद वेबसाइट देखें:– www.railmadad.indianrailways.gov.in
रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

3069/25

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

Union Territory of Jammu & Kashmir
Office of the Executive Engineer Jal Shakti Mech. Division North Jammu

NOTICE INVITING TENDER

e-NIT No. 51 of 2025-26

For and on behalf of Commissioner, Municipal Corporation, Jammu, Executive Engineer, Jal Shakti Mech. Division North Jammu, invites tenders by e-tendering mode from the reputed/registered firms/Sole Prop. for the below mentioned work:-

S. No.	Name of work	Estimated cost (in Rs)	Cost of document/ tender fee (in Rs)	Earnest money (in Rs)	Validity of Rates	Bid validity
1.	Restoration / replacement of electro-mech. equipment of 100 KVA Manual voltage stabilizer installed at Tube well Corporation damaged due to flash flood / heavy rains.	85,000/-	200/-	1700/- in the shape of CDR / FDR	180 days	180 days

Position of AAA: Accorded
Position of TS: Sanctioned
Date of Publishing: 30-09-2025 (02.00 pm).
1. Bid documents can be seen at and downloaded from the website http://jktenders.gov.in from 30-09-2025 (02.00 pm).
2. The Bids shall be deposited in electronic format on the website http://jktenders.gov.in from 30-09-2025 (02.00 pm) to 09-10-2025 (02.00 pm).
3. The complete bidding process will be online http://jktenders.gov.in.
4. The Technical bids received shall be opened online on 10-10-2025 (02.00 pm) or any other subsequent date in the office of Executive Engineer Jal Shakti PHE Mech. Division North Jammu.
5. The Financial bid of the bidders shall be opened online after scrutinizing the technical bid in the office of the Executive Engineer Jal Shakti Mech. Division North Jammu in presence of the bidders who wish to attend. If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids will be opened on the next working day at the same time and venue.

JSMDNJ/3077-79 Dated: 29-09-2025

DIP/J-6422/25
Dtd:3-10-2025

Sd/-
Executive Engineer
Jal Shakti Mech. Division North Jammu

जम्मू-कश्मीर मास्टर्स गेम्स एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा संपन्न, दूसरे मास्टर्स गेम्स 5 से 9 नवम्बर तक जम्मू में होंगे आयोजित

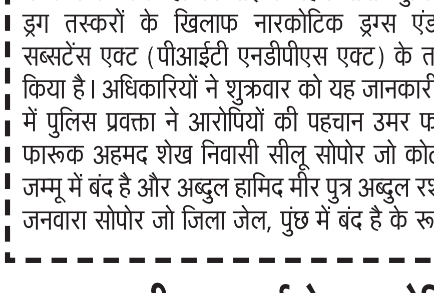

जम्मू, 3 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर मास्टर्स गेम्स एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा (एजीएम) शुक्रवार को आयोजित हुई, जिसमें वरिष्ठ खेल नेता और अधिकारी शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त एसएसपी रंजीत सिंह चिब ने की। भारतीय हैंडबॉल टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी चिब ने कहा, खेल केवल पदक जीतने का साधन नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, समर्पण और दृढ़ संकल्प की पहचान है। खेलों के माध्यम से हम स्वस्थ शरीर, मजबूत मस्तिष्क और एकजुट समाज का निर्माण कर सकते हैं।

महासचिव नीत कौर, जो हाल ही में ताइपेई में आयोजित 2025 वर्ल्ड मास्टर्स गेम्स में भारतीय महिला हैंडबॉल टीम की कप्तान रही हैं, ने प्रतिभा को पहचानने और उसे संवारने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, सफलता उसी को मिलती है जो निडर, केंद्रित और दृढ़ संकल्पित होता है। हमारे प्रदेश में प्रतिभा की कमी नहीं है, बस उसे सही मार्गदर्शन की जरूरत है।

बैठक में आगामी जम्मू-कश्मीर मास्टर्स गेम्स के सफल आयोजन, जमीनी स्तर पर भागीदारी बढ़ाने, वरिष्ठ खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने और युवाओं को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंच पर आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने पर विस्तृत चर्चा हुई। महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए यह तय किया गया कि दूसरा जम्मू-कश्मीर मास्टर्स गेम्स 5 से 9 नवम्बर तक जम्मू में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य अनुभवी खिलाड़ियों को मंच प्रदान करना और नई पीढ़ी को प्रेरित करना है।

ईपीएफओ जम्मू ने हरित पहल के तहत किया वृक्षारोपण अभियान

जम्मू, 3 अक्टूबर (हि.स.)। पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने और स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान में योगदान देने के उद्देश्य से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) जम्मू ने अपने कार्यालय परिसर में एक व्यापक वृक्षारोपण अभियान का सफल आयोजन किया। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम की योजना सावधानीपूर्वक बनाई गई और इसे कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ संपन्न किया गया। कर्मचारियों ने उत्साह और समर्पण के साथ वृक्षारोपण कर उनकी देखभाल का भी संकल्प लिया। इससे न केवल परिसर में हरियाली बढ़ी बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सार्थक कदम भी उठाया गया।

यह अभियान स्वच्छता ही सेवा 2025 के उद्देश्यों से पूरी तरह मेल खाता है, जिसका लक्ष्य स्वच्छता, स्थिरता और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। ईपीएफओ जम्मू द्वारा अपनाई गई यह पर्यावरणीय जिम्मेदारी अन्य संस्थानों के लिए भी अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करती है।

संपादकीय

बेकाबू होता जा रहा आवारा कुत्तों का आतंक

आवारा कुत्तों के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के साथ, जिसका दायरा अब दिल्ली से पूरे देश तक फैला हुआ है, इस व्यापक खतरे से निपटने के लिए कुछ दिशानिर्देश दिए गए हैं। इसके निहितार्थ सर्वविदित हैं—भयभीत भय से लेकर, अगर कुत्ता रेबीज से संक्रमित हो जाए तो घातक परिणाम तक। दुर्भाग्य से, भारत में ऐसी समस्या से निपटने के लिए, खासकर बड़े पैमाने पर, कोई भी नया तंत्र विकसित करने और लागू करने में वर्षों, और कभी-कभी दशकों भी लग जाते हैं। जब तक ऐसा कोई समाधान नहीं निकलता, नागरिकों को इस भयावह अनिश्चितता का दंश झेलना पड़ता है।

केंद्र शासित प्रदेश के किसी भी जिले का उदाहरण लें, आवारा कुत्तों के आतंक ने अंततः जम्मू-कश्मीर की सड़कों को निवासियों, खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए खतरे के क्षेत्र में बदल दिया है। निवासी और आगंतुक, खासकर देर रात के समय, जानवरों के काटने का शिकार होने के निरंतर भय में जी रहे हैं।

लोगों का ध्यान खींचने वाला ताज़ा मामला पुंछ के सुरनकोट कस्बे का है, जहाँ बाज़ार क्षेत्र में एक आवारा कुत्ते के हमले में कम से कम 12 लोग घायल हो गए। यह तो बस एक दिन की घटना है, लेकिन पूरे केंद्र शासित प्रदेश की स्थिति का अंदाज़ा लगाया जा सकता है, जहाँ इन आवारा कुत्तों का झुंड, खासकर रात के समय, अपने इलाकों में मंडराता रहता है।

सुरनकोट से आ रही रिपोर्टों में कहा गया है कि पुलिस और सुरनकोट नगर निगम ने मामले का संज्ञान लिया है, लेकिन समस्या विकराल होने के कारण केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर कुछ नए कदम उठाने की ज़रूरत है क्योंकि आवारा कुत्तों के काटने के कई मामले दर्ज नहीं हो पाते क्योंकि लोगों को उम्मीद नहीं रह गई है कि अधिकारी इस पुरानी समस्या पर लगाम लगाने के लिए कोई कदम उठाएँगे। जम्मू संभाग और घाटी के संबंधित नगर निकाय, केंद्र शासित प्रदेश की सड़कों पर खुलेआम घूम रहे इन अप्रत्याशित जीवों की लगातार बढ़ती आबादी से उत्पन्न खतरे को रोकने में पूरी तरह विफल रहे हैं। एक तरफ सरकार रेबीज की रोकथाम के लिए जागरूकता बढ़ा रही है, लेकिन दूसरी तरफ, वह आवारा कुत्तों की आबादी पर लगाम लगाने में नाकाम रही है, जो हर गुजरते दिन के साथ बढ़ रही है और उन लोगों के लिए मुश्किलें खड़ी कर रही है जिन्हें रात में अपने पेशेवर कामों या किसी और काम से बाहर निकलना पड़ता है। इन कुत्तों की आबादी को सीमित करने के लिए उनका बधियाकरण एक नया विचार था, लेकिन इसे पूरे मन से लागू नहीं किया गया, जिससे यह धरती पर मनुष्य के इन सबसे पुराने साथियों से छुटकारा पाने की एक और निरर्थक कोशिश साबित हुई इस साल अगस्त में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, जम्मू-कश्मीर प्रति 1,000 लोगों पर 23 आवारा कुत्तों के अनुपात के साथ भारत में दूसरे स्थान पर है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार को आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए कड़े कदम उठाने होंगे, अन्यथा हालात बेकाबू हो सकते हैं। इसलिए, केंद्र शासित प्रदेश सरकार को बिना किसी और मानवीय नुकसान के, सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों के अनुरूप तेजी से कदम उठाने चाहिए।

प्रदूषण- भारत में हमारी असंवेदनशीलता का खतरनाक सच

–डॉ. निवेदिता शर्मा

भारत में प्रदूषण की समस्या कोई नई नहीं है। यह हर साल की कहानी बन चुकी है। विशेषकर सर्दियों में जब दिल्ली और उत्तर भारत के कई राज्य जहरीली धुंध और स्मॉग से ढक जाते हैं, तब यह विषय चर्चा का केंद्र बनता है। परंतु सच्चाई यह है कि प्रदूषण अब केवल मौसम विशेष की परेशानी नहीं रहा, अब ये एक स्थायी संकट बन चुका है और इस संकट की जड़ हमारी असंवेदनशीलता है।

आम लोगों की धारणा रही है कि प्रदूषण का असर केवल फेफड़ों पर पड़ता है, लेकिन विज्ञान ने इसे गलत करार दिया है। नई चिकित्सीय खोजें बताती हैं कि प्रदूषण का सीधा असर हमारे दिल पर होता है। न्यू इग्लेंड जर्नल ऑफ मेडिसिन और अमेरिका हेल्स एसोसिएशन के अनुसार प्रदूषण में मौजूद कण जैसे पीएम2.5, पीएम10, और जहरीली गैसें (कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, ओजोन) रक्त प्रवाह तक पहुंचकर हृदय को प्रभावित करती हैं।

ये सूक्ष्म कण शरीर में सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव बढ़ाते हैं। धमनियों की आंतरिक परत कमजोर पड़ने लगती है, जिससे ब्लॉकेज, हाई ब्लड प्रेशर और रक्त के थक्के बनने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसका सीधा परिणाम हार्ट अटैक, स्ट्रोक और हार्ट फेल्योर जैसे गंभीर रोगों के रूप में सामने आता है। वर्तमान में प्रदूषण और दिल की बीमारियों का यह रिश्ता अब वैश्विक स्तर पर प्रमाणित तथ्य बन चुका है। द लांसेट कमीशन की रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2019 में पूरी दुनिया में लगभग 90 लाख मौतें केवल वायु प्रदूषण के कारण हुईं। इनमें से 62 प्रतिशत मौतें हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी हृदय रोगों से जुड़ी थीं।

भारत की स्थिति इस मामले में बेहद चिंताजनक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट बताती है कि दिल्ली, कानपुर, लुधियाना, पटना और झारखंड जैसे कई हिस्सों में वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार खतरनाक श्रेणी में रहता है। सर्दियों में जब मौसम ठंडा और स्थिर होता है तो प्रदूषित कण हवा में ज्यादा देर तक टिके रहते हैं और लोगों को जहरीली धुंध का सामना करना पड़ता है। इसके लिए कई कारण जिम्मेदार हैं। औद्योगीकरण के साथ बड़ी संख्या में बढ़ते वाहन, बिजली घरों और फैक्ट्रियों से निकलता धुआं, जीवाश्म ईंधन पर बढ़ती निर्भरता, सर्दियों में किसानों द्वारा पराली जलाना, शहरों में कचरा खुलेआम जलाना, निर्माण कार्यों से निकलती धूल और प्रदूषण नियंत्रण नियमों की अनदेखी, ये सब मिलकर इस समस्या को भयावह बनाते हैं।

सबसे खतरनाक बात यह है कि लोग इस समस्या को अब सामान्य मान चुके हैं। हमारी असंवेदनशीलता इस संकट की सबसे बड़ी वजह बन चुकी है। सड़कों पर कचरा जलाना, निजी वाहनों की अंधाधुंध बढ़ोतरी, औद्योगिक इकाइयों का नियमों का उल्लंघन करना, और खेतों में पराली जलाने की परंपरा जारी रखना, ये सब हमारी ही लापरवाही और असंवेदनशीलता के उदाहरण हैं। हमें लगता है कि प्रदूषण का असर कहीं बाहर होता है, हमारी निजी जिंदगी पर इसका सीधा असर नहीं पड़ता। परंतु सच्चाई यह है कि यह जहर हमारी सांसों और हमारे दिल की धड़कनों तक पहुंच चुका है।

स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव बेहद गहरे हैं। दिल की बीमारियाँ बढ़ने का अर्थ है कार्य क्षमता में कमी, अस्पतालों का बढ़ता बोझ, इलाज पर बढ़ता खर्च और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट। यह केवल व्यक्ति की नहीं पूरे देश की अर्थव्यवस्था की समस्या बनता जा रहा है। जब बड़ी संख्या में लोग बीमारी के कारण अपनी उत्पादकता खो देते हैं तो यह राष्ट्रीय विकास को धीमा कर देता है। प्रदूषण इसलिए केवल स्वास्थ्य का ही नहीं बल्कि आर्थिक विकास का भी गंभीर मुद्दा है।

अब सवाल है कि समाधान क्या है। क्या इस अंधकार में कोई रोशनी है। इसका उत्तर हाँ में है, बशर्ते कि हम सब मिलकर प्रयास करें। सरकार को कड़े नियम लागू करने होंगे। प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर निगरानी और दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। वाहनों की संख्या नियंत्रित करने के लिए सार्वजनिक परिवहन को सस्ता, सुविधाजनक और सुरक्षित बनाना होगा। किसानों को पराली जलाने के विकल्प उपलब्ध कराने होंगे ताकि वे मजबूरी में खेतों को जलाने के बजाय नई तकनीकों का उपयोग कर सकें।

निर्माण कार्यों के लिए भी सख्त नियम बनाकर उनकी निगरानी करनी होगी। किंतु इसके साथ यह भी समझना होगा कि यह जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। आम नागरिकों को भी आगे आना होगा। हमें निजी वाहनों पर निर्भरता कम करनी होगी और सार्वजनिक परिवहन, साइकिल तथा पैदल चलने को प्राथमिकता देनी होगी। घरों और मोहल्लों में अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे और उनकी देखभाल करनी होगी। बिजली और पानी की बचत करनी होगी और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर और पवन ऊर्जा को अपनाना होगा। कचरा जलाने से बचना होगा और उसका वैज्ञानिक ढंग से प्रबंधन करना होगा। सबसे महत्वपूर्ण है कि हम प्रदूषण के खतरों और उसके स्वास्थ्य पर असर को लेकर लोगों में जागरूकता फैलाएं।

असल में प्रदूषण का असली समाधान हमारी संवेदनशीलता में छिपा है। जब तक हम यह नहीं समझेंगे कि प्रदूषण से लड़ना हमारी निजी जिम्मेदारी है, तब तक यह संकट कम नहीं होगा। यह केवल अदालतों या प्रशासन का विषय नहीं है, यह हमारे जीवन और मृत्यु का प्रश्न है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि प्रदूषण को कम करना कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवन बचाने की अनिवार्यता है। आज भारत का पर्यावरण और हमारे दिल दोनों एक ही संकट से गुजर रहे हैं। अगर हम आज नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ियां जहरीली हवा और बीमार शरीर की विरासत पाएंगी। क्या हम उन्हें ऐसा भविष्य देना चाहते हैं। अगर नहीं, तो आज ही हमें प्रण लेना होगा कि हम पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होंगे, प्रदूषण रोकने के प्रयासों में सक्रिय रूप से भाग लेंगे और अपनी जीवनशैली में ऐसे बदलाव करेंगे जो प्रकृति और स्वास्थ्य दोनों के लिए अनुकूल हों। स्वच्छ हवा और स्वस्थ दिल केवल सरकारी आदेशों या वैज्ञानिक उपायों से नहीं मिल सकते। यह तभी संभव है जब नागरिक और शासन मिलकर आगे बढ़ें और एक नई सोच विकसित करें। भारत के भविष्य की कुंजी इसी सामूहिक जिम्मेदारी में छिपी है। हमारी असंवेदनशीलता ही प्रदूषण का सबसे बड़ा सच है और यदि हमने समय रहते इसे संवेदनशीलता में नहीं बदला तो यह संकट हमारे अस्तित्व पर ही प्रश्नचिह्न लगा देगा।

(लेखिका, बच्चों एवं पर्यावरण विषय पर कार्य करती है, समाजिक कार्यकर्ता हैं।

एक-दूसरे के पूरक हैं मनुष्य और पशु

– योगेश कुमार गोयल

विश्व पशु कल्याण दिवस (4 अक्तूबर) पर विशेष

पशुओं के कल्याण मानकों में सुधार को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 4 अक्तूबर को 'विश्व पशु कल्याण दिवस' मनाया जाता है। विश्व पशु दिवस पहली बार बर्लिन में 24 मार्च 1925 को पशु कल्याण के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया गया था। पशुओं की लुप्तप्राय प्रजातियों की दुर्दशा को उजागर करने के लिए इटली के फ्लोरेंस में 1931 में आयोजित पारिस्थितिकीविदों के एक सम्मेलन में विश्व पशु दिवस की शुरुआत की गई और तब असीसी के सेंट फ्रांसिस के पर्व के कारण यह दिवस मनाने के लिए प्रतिवर्ष 4 अक्तूबर को ही चुना गया। 2003 में पहली विश्व पशु दिवस वेबसाइट यूके स्थित पशु कल्याण चैरिटी 'नेचर वॉच फाउंडेशन' द्वारा लांच की गई थी। इस दिन पशु अधिकारों को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों एवं संगठनों का समर्थन करके जानवरों के प्रति प्यार, देखभाल, स्नेह और सुरक्षा को प्रोत्साहित करता है। पशुओं के अधिकारों के लिए यह एक ऐसी वैश्विक पहल है, जिसका प्रमुख उद्देश्य पशु कल्याण के लिए बेहतर मानक सुनिश्चित करना है।

पशु प्रेम के बारे में महात्मा गांधी कहते थे कि किसी राष्ट्र की महानता और उसकी नैतिक प्रगति का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां जानवरों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। पशु मानव जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो न केवल हमारे जीवन को समृद्ध बनाते हैं बल्कि हमें बेहतर इंसान भी बनाते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र में सभी जानवर प्रकृति की पारिस्थितिकी को संतुलित रखते हुए हमारे पर्यावरण की रक्षा करने और मानव स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में भी समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मनुष्य और पशु न केवल एक-दूसरे पर निर्भर हैं बल्कि एक-दूसरे के पूरक भी हैं। सही मायनों में दोनों का अस्तित्व ही खुशहाली का प्रतीक है और यदि जंगल से किसी एक जीव की प्रजाति भी लुप्त होती है तो उसका असर सम्पूर्ण पर्यावरण पर पड़ता है।

विश्व पशु दिवस विश्वभर में कल्याण मानकों के मिशन के साथ जानवरों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक ऐसा सामाजिक आन्दोलन है, जो प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 'विश्व पशु कल्याण दिवस' की थीम है 'जानवरों को बचाओ, ग्रह को बचाओ!'। भारत में करीब 70 फीसद आबादी कृषि तथा कृषि संबंधी व्यवसायों पर निर्भर है। प्राचीन काल से ही पशुपालन और कृषि व्यवसायों का आपस में गहरा संबंध रहा है।

गरीबी से त्रस्त परिवारों के लिए तो पशुधन ग्रामीण मुद्राएं हैं, जो खासकर गरीब परिवारों के लिए बीमा विकल्प के रूप में भी कार्य करता है क्योंकि यह उनके लिए ऐसी सम्पत्ति है, जिसे संकट के समय बेचा जा सकता है। यही कारण है पालतू पशुओं को 'पशुधन' कहा जाता है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में भी पशुधन की बड़ी भागीदारी रही है।

मानव और पशुओं के आपसी संबंध मानव जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं क्योंकि पशुओं का मानवीय समाज में विभिन्न रूपों में योगदान होता है। पशुओं के साथ रहने से हमें स्वभाविक संवेदनशीलता, प्यार, सहयोग और उन्नति का अनुभव होता है। बहुत से पशु-पक्षी तो ऐसे हैं, जो यदि धरती पर नहीं हों तो पृथ्वी पर मनुष्य का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। अनेक मामलों में देखा जाता है कि मानवीय स्वार्थ के लिए कई जानवरों की निर्मम हत्या कर दी जाती है।

दरअसल इन पशुओं के विभिन्न अंग तथा उनके मल-मूत्र इत्यादि दवाईयां बनाने से लेकर खेतीबाड़ी तक में काम आते हैं और इनके कंकाल उर्वरक का काम करते हैं। हाथियों को हाथी दांत और गैंडे को उसके सींगों के लिए बेदर्दी से मौत के घाट उतार दिया जाता है जबकि उनकी प्राकृतिक मौत होने पर ये चीजें वैसे ही मिल जानी होती हैं। हाथी और गैंडे कीचड़ में रहकर दूसरे जानवरों के पीने के लिए किनारे पर पानी का इंतजाम करते हैं और सूखा नहीं पड़ने देते। हाथी जमीन को उपजाऊ बना सकता है जबकि गैंडा कीचड़ में रहकर मिट्टी की अदला-बदली का काम करता है और प्रतिदिन करीब पचास किलो वनस्पति की खुराक होने से जंगल में कूड़ा-कर्कट नहीं होने देता। उसके शरीर पर फसल के लिए हानिकारक कीड़े जमा हो जाते हैं, जो पक्षियों का भोजन बनते हैं। इस प्रकार गैंडे प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं। वैसे तो सभी पशु-पक्षी मनुष्य के सहायक होते हैं लेकिन उनके व्यवहार को समझे बगैर यदि उनके रहने की जगहों को उजाड़ने के प्रयास किए जाते हैं तो वे हिंसक होकर विनाश कर सकते हैं।

तुर्की के विख्यात नाटककार, उपन्यासकार और विचारक मेहमत मूरत इल्डन का कहना था कि दुनिया में वन्यजीवों की रक्षा केवल दयालु दिलों के प्यार से ही की जा सकती है। वाइल्ड हार्ट वाइल्ड लाइफ फाउंडेशन के संस्थापक पॉल ऑक्सटन कहते थे कि जब तक आपके भीतर प्रकृति के बीच रह रहे जंगली जीवों के प्रति ढ़ेर सारा प्यार, दया और लगाव नहीं रहेगा, तब तक आप सच्चा सुख हासिल नहीं कर पाएंगे। मानव जाति को यह समझना होगा कि पशुओं का जीवन किसी भी तरह से हमारे जीवन से कम कीमती नहीं है।

'जैव विविधता के जनक' के नाम से विख्यात आधुनिक काल के डार्विन कहे जाने वाले हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व जीवविज्ञानी और पुलित्जर पुरस्कार विजेता ईओ विल्सन के अनुसार पृथ्वी पर प्रत्येक प्रजाति अत्यधिक देखभाल एवं प्रतिभा के साथ बनाई गई रचना और एक उत्कृष्ट कृति है। वन्यजीव फोटोग्राफर, प्रकृतिवादी और 'जॉय ऑफ बीयर्स' सहित कुछ पुस्तकों की लेखिका सिल्विया डोल्सन कहती हैं कि हमारी ही तरह जानवर भी प्यार, खुशी, डर और दर्द महसूस करते हैं लेकिन वे बोले गए शब्द को समझ नहीं पाते, अतः यह हमारा दायित्व है कि हम उनकी ओर से बोलें और सुनिश्चित करें कि उनकी भलाई और जीवन का सम्मान एवं सुरक्षा हो। इसके लिए प्रकृति और पशुओं के साथ अपने संबंधों में मनुष्य को सभ्य बनाना आवश्यक है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पाकिस्तान और संयुक्त राष्ट्र की आतंकवाद-रोधी समितियाँ: भारत के समक्ष उपजी चुनौतियां

– डॉ. सत्यवान सौरभ

संयुक्त राष्ट्र को विश्व शांति और सुरक्षा का सबसे बड़ा मंच माना जाता है। विशेषकर आतंकवाद-रोधी समितियाँ अंतरराष्ट्रीय सहयोग का केंद्र बिंदु हैं। किंतु हाल ही में पाकिस्तान का इन प्रमुख समितियों में शामिल होना न केवल विसंगति है, बल्कि यह पूरे वैश्विक आतंकवाद-रोधी ढाँचे की विश्वसनीयता पर गहरे प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। जिस देश को वर्षों तक आतंकवाद के संरक्षक, पोषक और निर्यातक के रूप में पहचाना गया, वही आज नीति-निर्माण की मेज पर बैठा दिखाई दे रहा है। यह परिघटना न केवल भारत जैसे आतंकवाद से पीड़ित देशों के लिए चिंता का विषय है, बल्कि पूरी वैश्विक सुरक्षा प्रणाली के लिए एक गंभीर चुनौती है।

पाकिस्तान को दशकों से आतंकवाद का प्रायोजक राष्ट्र माना जाता रहा है। संयुक्त राष्ट्र, फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स तथा अनेक अंतरराष्ट्रीय एजेंसियाँ बार-बार यह तथ्य उजागर कर चुकी हैं कि पाकिस्तान की भूमि का प्रयोग जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हक्कानी नेटवर्क जैसे संगठनों द्वारा किया जाता है। इसके बावजूद संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को आतंकवाद-रोधी समितियों का हिस्सा बनाना विरोधाभासी कदम प्रतीत होता है। यह उस व्यवस्था का मज़ाक है जिसमें अपराधी ही न्यायाधीश की कुर्सी पर बैठ जाए।

संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंध सूची में कई पाकिस्तानी आतंकवादी संगठनों और व्यक्तियों के नाम दर्ज हैं। फिर भी वे खुलेआम राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियाँ चलाते हैं। हाफिज़ सईद और मसूद अजहर जैसी हस्तियाँ बार-बार प्रतिबंधों को चकमा देती रही हैं और सरकार की संरक्षण में अपने नेटवर्क का विस्तार करती रही हैं। यह असमान प्रवर्तन वैश्विक ढाँचे की कमजोरी को उजागर करता है। जब तक आतंकवाद के खिलाफ प्रतिबंधों और दंडों का एकसमान और कठोर प्रवर्तन नहीं होगा, तब तक यह पूरी प्रणाली खोखली ही मानी जाएगी।

यह भी स्पष्ट है कि संयुक्त राष्ट्र की समितियों में सदस्यता या नियुक्ति केवल आतंकवाद-रोधी योग्यता के आधार पर नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक समीकरणों के आधार पर होती है। चीन द्वारा पाकिस्तान का बार-बार समर्थन, अमेरिका द्वारा सामरिक कारणों से चुप्पी और इस्लामी देशों की एकजुटता- ये सभी कारक पाकिस्तान को वह वैधता प्रदान करते हैं, जिसकी उसे वैश्विक स्तर पर आवश्यकता होती है। इस प्रकार राजनीति, सुरक्षा और कूटनीति के दबाव में आतंकवाद विरोधी तंत्र अपनी मूल आत्मा से भटक जाता है।

संयुक्त राष्ट्र की समितियाँ निर्णय तो लेती हैं, लेकिन उनका पालन करवाने के लिए कोई कठोर तंत्र नहीं है। इस कारण सदस्य देश प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए भी बच निकलते हैं। पाकिस्तान का मामला इसका सबसे प्रत्यक्ष उदाहरण है। कई बार भारत ने ठोस सबूत प्रस्तुत किए, कई बार अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने रिपोर्ट जारी कीं, परंतु किसी ठोस और स्थायी कार्रवाई का अभाव ही दिखा।

भारत के लिए यह स्थिति कई स्तरों पर खतरा और चुनौती लेकर आती है। सीमा पार आतंकवाद का खतरा तो स्थायी रूप से बना ही रहता है। कश्मीर, पंजाब और पूर्वोत्तर में लंबे समय से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद ने शांति को प्रभावित किया है। अब यदि पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र की समितियों में बैठकर अपने अपराधों को वैधता दिलाने का प्रयास करेगा तो भारत की सुरक्षा और कूटनीति दोनों के लिए समस्या उत्पन्न होगी।

यह भी संभव है कि पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति से भारत की शिकायतों को अपेक्षित समर्थन न मिले। कूटनीतिक हाशियाकरण की स्थिति बन सकती है, जहाँ भारत की आतंकवाद संबंधी आवाज को पर्याप्त महत्व न दिया जाए। अंतरराष्ट्रीय सहयोग की दिशा भी प्रभावित हो सकती है, क्योंकि अब पाकिस्तान उन समितियों का हिस्सा है जहाँ पर आतंकवाद से संबंधित निर्णय लिए जाते हैं। यह भारत द्वारा साझा की गई खुफिया जानकारी या अभियानों को लेकर विश्वास और सहयोग को कमज़ोर कर सकता है।

घरेलू सुरक्षा पर भी इसका सीधा दबाव पड़ेगा। पाकिस्तान के आतंकवादी नेटवर्क केवल सीमा पार से ही नहीं, बल्कि साइबर माध्यमों, वित्तीय चैनलों और ड्रग्स-तस्करी के जरिये भी भारत की आंतरिक सुरक्षा को प्रभावित कर रहे हैं। यदि उसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर वैधता मिलती है तो उसके लिए इन गतिविधियों को और अधिक गुप्त रूप से चलाना आसान हो जाएगा।

इन चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत को बहुस्तरीय रणनीति अपनानी होगी। सबसे पहले कूटनीतिक आक्रामकता ज़रूरी है। भारत को हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान के आतंकवाद-प्रायोजन की पोल खोलनी होगी। एफएटीएफ में सक्रिय भूमिका, यूएन महासभा में भाषणों के माध्यम से और जी20 जैसे मंचों पर पाकिस्तान की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठाना ज़रूरी होगा।

भारत को लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग करते हुए यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि आतंकवाद-रोधी समितियों में सुधार हो। सदस्यता योग्यता और जवाबदेही आधारित होनी चाहिए, न कि केवल राजनीतिक सौदों पर।

खुफिया सहयोग और तकनीकी साझेदारी भारत की एक और प्राथमिकता होनी चाहिए। अमेरिका, फ्रांस, इज़राइल और खाड़ी देशों जैसे सहयोगियों के साथ आधुनिक निगरानी तकनीक, साइबर सुरक्षा उपकरण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित आतंकवाद-रोधी उपायों को साझा करना भारत को मजबूती देगा। सीमापार अभियानों और सुरक्षा बलों की मजबूती भी आवश्यक है। 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 की एयर-स्ट्राइक ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। सीमा पर हाई-टेक निगरानी तंत्र, ड्रोन और स्मार्ट फेंसिंग को और मजबूत करना समय की आवश्यकता है।

घरेलू स्तर पर आतंकवाद को वित्तपोषण से रोकना सबसे प्रभावी उपाय होगा। यूएपीए और मनी लॉन्ड्रिंग कानूनों को और कठोर बनाते हुए एनजीओ और हवाला चैनलों की निगरानी मजबूत करनी होगी। इसके साथ ही रणनीतिक गठबंधन भी ज़रूरी हैं। भारत को क्वाड, ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन और द्विपक्षीय समझौतों में आतंकवाद विरोधी मुद्दों को प्राथमिकता देकर पाकिस्तान की दोगली नीति को वैश्विक मंच पर उजागर करना चाहिए।

भारत को वैश्विक दक्षिण यानी अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और एशिया के विकासशील देशों को भी साधना होगा। उन्हें यह समझाना ज़रूरी है कि आतंकवाद केवल किसी एक क्षेत्र का संकट नहीं है, बल्कि यह विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्थिरता की सबसे बड़ी बाधा है। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र आज तक आतंकवाद की सर्वमान्य परिभाषा तय नहीं कर सका है। भारत को इस दिशा में नेतृत्व करना चाहिए ताकि अच्छा आतंकवाद और बुरा आतंकवाद जैसे दोहरे मानदंड समाप्त हों।

पाकिस्तान की आंतरिक स्थिति भी भारत के लिए अवसर है। पाकिस्तान आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और सैन्य-नागरिक टकराव से जूझ रहा है। भारत को इन परिस्थितियों का कूटनीतिक और रणनीतिक रूप से लाभ उठाना चाहिए ताकि पाकिस्तान की दोहरी छवि उजागर होती रहे।

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान का आतंकवाद-रोधी समितियों में शामिल होना निश्चित ही वैश्विक ढाँचे की विश्वसनीयता पर गहरा प्रश्नचिह्न है। यह केवल भारत ही नहीं, बल्कि उन सभी देशों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए जो आतंकवाद के शिकार हैं। भारत के सामने चुनौती यह है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक मंचों पर आतंकवाद विरोधी अभियान की नैतिक और वैचारिक अगुवाई करे। भारत को कूटनीति, खुफिया सहयोग, कानूनी सुधार, सैन्य तैयारी और रणनीतिक गठबंधनों के माध्यम से बहुस्तरीय रणनीति अपनानी होगी। तभी पाकिस्तान की दोहरी नीति और वैश्विक ढाँचे की कमजोरी दोनों को एक साथ उजागर कर भारत अपनी सुरक्षा और प्रतिष्ठा की रक्षा कर सकेगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारतीय अंडर 19 टीम ने पहले यूथ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को पारी और 58 रनों से हराया

एजेंसी

ब्रिस्बेन। भारत अंडर-19 टीम ने वैभव सूर्यवंशी और वेदांत त्रिवेदी की शतकीय पारियों और गेंदबाज डी. दीपेश (8 विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम को हरा दिया। भारत ने पहले टेस्ट में पारी और 58 रनों से पराजित कर दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। सीरीज का दूसरा और आखिरी युवा टेस्ट 7 अक्टूबर को ब्रिस्बेन में खेला जाएगा। तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन (पूर्व तमिलनाडु खिलाड़ी वासुदेवन देवेंद्रन के पुत्र) ने पहले ऑस्ट्रेलिया की पारी को 243 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 45 रन देकर पांच विकेट लिए, जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज किशन कुमार ने तीन विकेट झटके। ऑस्ट्रेलिया के लिए नंबर तीन बल्लेबाज स्टीवन होगन ने 246 गेंदों में 92 रन बनाकर संघर्ष किया। भारत ने जवाब में पहली पारी में 428 रन बनाए। वैभव सूर्यवंशी ने 86 गेंदों पर 113 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें नौ चौके और आठ छक्के शामिल थे। गुजरात के बल्लेबाज वेदांत त्रिवेदी ने 19 चौकों की मदद से सर्वाधिक 140 रन बनाए। वहीं ऑलराउंडर खिलन पटेल ने तेजतर्रार अंदाज में 49 रन जोड़कर भारत को 185 रनों की बड़ी बढ़त दिलाई। इसके बाद किशन कुमार और दीपेश ने ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को झकझोरते हुए स्कोर 24/3 कर दिया। बीच के ओवरों में खिलन पटेल ने 19 रन देकर तीन विकेट चटकाए। हालांकि नंबर नौ बल्लेबाज आर्यन शर्मा ने 43 रन बनाकर थोड़ा संघर्ष दिखाया, लेकिन दीपेश ने अंतिम झटका देते हुए 3 विकेट (16 रन पर) लेकर मैच भारत की झोली में डाल दिया।

विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में भारत 14 सदस्यीय दल उतारेगा, मीराबाई चानू के नेतृत्व में टीम घोषित

नई दिल्ली। नॉर्वे में होने वाली विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2025 में भारत 14 सदस्यीय दल उतारेगा। ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैम्पियन मीराबाई चानू इस टीम का नेतृत्व करेंगी। टीम में सात पुरुष और सात महिला भारोत्तोलक शामिल हैं। महिला वर्ग में मीराबाई चानू के साथ बिंद्यारानी देवी, हरजिंदर कौर और मेहक शर्मा जैसी अनुभवी खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगी, जबकि पुरुष वर्ग में लवप्रीत सिंह सबसे बड़े दावेदार माने जा रहे हैं। चानू (31) पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद शानदार फॉर्म में लौटीं और कॉमनवेल्थ भारोत्तोलन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। वे 2017 (अनाहेम) में विश्व चैम्पियनशिप की स्वर्ण विजेता और 2022 (बोगोटा) की रजत पदक विजेता रह चुकी हैं।

संन्यास के बारे में नहीं सोच रही, मेरा ध्यान मानसिक मजबूती पर : तीरंदाज दीपिका कुमारी

नई दिल्ली । चार बार की ओलंपियन तीरंदाज दीपिका कुमारी ने संन्यास की योजनाओं को खारिज करते हुए कहा कि वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक में देश के प्रतिनिधित्व के लक्ष्य के साथ दबाव वाली परिस्थितियों से निपटने के लिए मानसिक मजबूती बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के समय दीपिका की उम्र 34 साल हो जायेगी। उन्होंने शुक्रवार को यहां कहा कि यह ओलंपिक में उनके लिए आखिरी मौका होगा ऐसे में उनकी मानसिकता 'करो या मरो की होगी। दीपिका ने यहां तीरंदाजी प्रीमियर लीग के शुरुआती दिन कहा, 'यह मेरे करियर का अंतिम चरण नहीं है। मैंने अभी इस बारे में फैसला नहीं किया है। मुझे लगता है अब तक की सभी प्रतियोगिताओं से मुझे अच्छा अनुभव मिला है।

दीपिका ने बताया कि उनकी मौजूदा ट्रेनिंग में मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं को बेहतर करने पर काम हो रहा है। इस अनुभवी तीरंदाज ने कहा, 'मैं अपने खेल के मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं पर काम कर रही हूं और यह लीग मुझे और बेहतर बनाने में मदद कर रही है। दर्शकों के सामने खेलने से दबाव तो आता है, लेकिन यही दबाव खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करता है। उन्होंने कहा, 'मैं हर तकनीक में महारत हासिल करने की कोशिश कर रही हूं। मुझे पहले भी टूर्नामेंट के अहम मैचों में अक्सर मानसिक रूप से परेशानी होती रही है, जिसकी वजह से परिणाम मेरे पक्ष में नहीं आते थे।

ग्रैंडमास्टर इनियान ने जीती राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप

गुंटूर (आंध्र प्रदेश)। तमिलनाडु के ग्रैंडमास्टर पी. इनियान ने यहां 62वीं राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप जीत ली। इनियान को 11 दौर तक चले इस टूर्नामैंट में एक भी हार का सामना नहीं करना पड़ा। शीर्ष वरीयता प्राप्त इस खिलाड़ी ने 7 जीत और 4 ड्रॉ के बाद 11 में से 9 अंक हासिल किए।

इनियान ने अपने राज्य के साथी और अंतर्राष्ट्रीय मास्टर हर्ष सुरेश, रेलवे के जी.एम. दीपन चक्रवर्ती और पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड के जीएम शशिकिरण कृष्णन को हराया। 10 दिन तक चले इस टूर्नामैंट में देश भर के 394 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया जिनमें 14 जी.एम., 30 आई.एम. और 15 फिडे मास्टर्स शामिल थे। इनियान अंतिम दौर से पहले एकल बढ़त पर थे लेकिन अभिजीत गुप्ता के साथ मैच ड्रॉ होने से वह और केरल के आईएम गौतम कृष्णा 9 अंक से बराबरी पर आ गए पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर वह विजेता बनने में कामयाब रहे । इनियन के लिए इस साल यह दूसरा राष्ट्रीय खिताब है , इससे पहले उन्होने रैपिड का राष्ट्रीय खिताब हासिल किया था ।

दिग्गज कोच माइकल बोहल ने भारतीय तैराकों को सराहा, बोले- और अधिक तैराकों की जरूरत

एजेंसी

नई दिल्ली। संयुक्त राज्य अमेरिका की युवा एरेल मिडलटन ने शुक्रवार को यहां के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जारी नई दिल्ली 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की शॉटपुट स्न64 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर अनुभवी चीनी स्टार याओ जुआन का दबदबा तोड़ दिया। दोनों एथलीटों के बीच प्रतिस्पर्धा बहुत ज़ोरदार थी और एरेल मिडलटन ने बिना समय गंवाए चुनौती पेश की। 12.38 मीटर के प्रयास से उन्होंने शुरुआती राउंड के बाद पोल पोज़िशन बरकरार रखी। चीनी दिग्गज ने सर्कल में अपनी दूसरी बार 12.42 मीटर थ्रो के साथ जवाब दिया और 12.82 मीटर के प्रयास के साथ बढ़त बढ़ा दी। पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में स्न64 में रजत पदक जीतने वाली 17 वर्षीय लंबी कद-काठी वाली एरेल मिडलटन हार मानने को तैयार नहीं थीं। उन्होंने अपनी चौथी बार 12.95 मीटर थ्रो करके खुद को पूरी तरह से तैयार कर लिया। उन्होंने 12.93 मीटर से ज़्यादा की एक और बड़ी थ्रो फेंकी जिससे पता चला कि उनका पिछला प्रयास कोई क्षणिक सफलता नहीं थी।

लगभग 25 साल पहले प्रतिस्पर्धा शुरू करने वाली और छह पैरालंपिक खेलों के स्वर्ण और 10 विश्व चैंपियनशिप खिताबों के साथ दबाव से निपटने में माहिर 44 वर्षीय याओ जुआन ने अपने अंतिम

प्रयास में अपना सब कुछ झोंक देने से पहले दो प्रयास फ़ाउल किए। इसका परिणाम सुबह का उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो- 12.52 मीटर रहा, जिससे अमेरिकी खिलाड़ी को स्वर्ण पदक मिला। मिडलटन की जीत ने संयुक्त राज्य अमेरिका को ज़्यादा रजत पदकों के साथ तालिका में भारत से आगे निकलने में मदद की। अमेरिका 4 स्वर्ण, 6 रजत और 6 कांस्य पदकों के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गया, जबकि भारत के 4 स्वर्ण, 5 रजत और 2 कांस्य पदक हैं और वह आठवें स्थान पर खिसक गया है। भारत की पाँचवें स्वर्ण पदक की उम्मीदें सिमरन पर टिकी हैं, जिन्होंने सेमीफ़ाइनल में 12.08 सेकंड के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ महिलाओं की 100 मीटर टी12 फ़ाइनल में आसानी से प्रवेश किया। उमर सैफी को अपना मार्गदर्शक बनाकर दौड़ते हुए, उन्होंने अपनी ऊर्जा को सही दिशा में निर्देशित किया और स्पेन की नागोर फोल्गाडो गार्सिया की कड़ी चुनौती को हराकर शुक्रवार शाम के फाइनल में जगह बनाई। इस बीच, ब्राज़ील 12 स्वर्ण, 18 रजत और 7 कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा, जबकि दूसरे स्थान पर काबिज चीन को पोलैंड के एथलीटों के कड़े प्रदर्शन से जूझना पड़ा। फॉस्टिना कोटलोवस्का द्वारा 10.88 मीटर के चैंपियनशिप रिकॉर्ड के साथ महिलाओं की शॉट पुट स्न64 स्पर्धा का खिताब जीतने के बाद दोनों देशों के खाते में 8-8 स्वर्ण पदक हैं।

अहमदाबाद टेस्ट: पहले दिन टीम इंडिया का दबदबा, वेस्टइंडीज 162 पर ढेर, भारत की मजबूत शुरुआत

एजेंसी

अहमदाबाद। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला खेला जा रहा है। मैच का पहला दिन पूरी तरह से टीम इंडिया के नाम रहा। पहले भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेहमान टीम को महज़ 162 रन पर समेट दिया, फिर बल्लेबाजों ने ठोस शुरुआत कर दिन का अंत मजबूत स्थिति में किया।

वेस्टइंडीज की पारी लड़खड़ाई

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करने वाले वेस्टइंडीज कप्तान रोस्टन चेज़ का निर्णय गलत साबित हुआ। मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने नई गेंद से घातक गेंदबाजी की और कैरेबियाई शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया। सिराज ने तेग नारायण चंद्रपॉल (0), एलिक एथानाज (12) और ब्रैंडन किंग (13) को पवेलियन भेजा, जबकि बुमराह ने जॉन कैंपबेल (8) को बोल्ड किया। थोड़ा संभलने की कोशिश शाई होप (26) और चेज़ ने की और 50 रनों की साझेदारी निभाई, लेकिन कुलदीप यादव ने होप को बोल्ड कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। इसके बाद लंच के बाद भी भारतीय गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखा। सिराज ने कप्तान चेज़ (24) को आउट किया, वाशिंगटन सुंदर ने खैरी पियरे (11) को पवेलियन भेजा। अंत में बुमराह ने दो यॉर्कर पर जस्टिन ग्रीव्स (32) और जोहान लेन (1) को बोल्ड कर वेस्टइंडीज की कमर तोड़ दी।

मीराबाई चानू ने वेटलिफ्टिंग विश्व चैंपियनशिप 2025 में जीता रजत पदक

जेंसी

फ़ोर्डे (नॉर्वे)। आभारत की स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने वेटलिफ्टिंग विश्व चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतकर देश को तीन साल बाद इस प्रतियोगिता में पदक दिलाया। चानू ने कुल 199 किग्रा (84 किग्रा स्नैच + 115 किग्रा क्लीन एंड जर्क) का भार उठाकर दूसरा स्थान हासिल किया। यह उनका 2022 के बाद पहला विश्व चैंपियनशिप और पेरिस ओलंपिक 2024 में चौथे स्थान पर रहने के बाद दूसरा बड़ा अंतरराष्ट्रीय इवेंट था। स्नैच में चानू ने 84 किग्रा से शुरुआत की और कांस्य पदक सुनिश्चित किया, लेकिन 87 किग्रा पर दो बार असफल रहीं। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने क्रमशः 109 किग्रा और 112 किग्रा सफलतापूर्वक उठाने के बाद 115 किग्रा का भार उठाकर रजत पदक पक्का किया।इस स्पर्धा का स्वर्ण उत्तर कोरिया की मौजूदा चैंपियन री सॉन्ग-गुम ने 213 किग्रा (91 किग्रा स्नैच + 122 किग्रा क्लीन एंड जर्क) के साथ जीता, जिसमें क्लीन एंड जर्क

विश्व रिकॉर्ड भी शामिल है। थाईलैंड की थान्याथोन सुखचारोएन ने 198 किग्रा (88 किग्रा + 110 किग्रा) उठाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। मीराबाई चानू का विश्व चैंपियनशिप करियर शानदार रहा है। उन्होंने 2017 में ऐनाहाइम में 194 किग्रा उठाकर स्वर्ण जीता था और कर्णम मल्लेश्वरी (1995) के बाद भारत की पहली विश्व चैंपियन बनी थीं। 2022 में उन्होंने रजत पदक जीता, जबकि 2023 में चोट से बचने के लिए उन्होंने प्रतियोगिता से नाम वापस ले लिया था। इस रजत पदक के साथ भारत का वेटलिफ्टिंग विश्व चैंपियनशिप में कुल पदक आंकड़ा 18 हो गया है, जिसमें सभी पदक महिलाओं ने जीते हैं – 3 स्वर्ण, 10 रजत और 5 कांस्य।

बांग्लादेश ने रोमांचक मुकाबले में अफगानिस्तान को हराया, सीरीज़ में 1-0 की बढ़त

एजेंसी

शारजाह। बांग्लादेश ने राशिद खान की शानदार गेंदबाज़ी के बावजूद तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज़ के पहले मुकाबले में गुरुवार देर रात अफगानिस्तान को 4 विकेट से हराकर 1-0 की बढ़त बना ली। लक्ष्य 152 रनों का था, जहां बांग्लादेश ने शुरुआती जोड़ी के शानदार अर्धशतकों के दम पर मजबूत शुरुआत की लेकिन बीच में राशिद ने मैच का रुख बदल दिया। बांग्लादेश ने पारी की शुरुआत संभलकर की और पहले तीन ओवरों में सिर्फ 14 रन बनाए। इसके बाद तंजीद हसन तमीम और परवेज हुसैन इमरान ने आक्रामक बल्लेबाज़ी करते हुए पावरप्ले में 50 रन जोड़ दिए। दोनों बल्लेबाज़ों ने अपने-अपने अर्धशतक पूरे किए और टीम का स्कोर 10 ओवर में बिना विकेट खोए 95 पर पहुंचा दिया। ऐसा लग रहा था कि मैच एकतरफा हो जाएगा, लेकिन फरीद अहमद ने अफगानिस्तान को पहला झटका दिया और इसके बाद राशिद खान ने घातक स्पेल डालते हुए मैच को रोमांचक बना दिया। राशिद ने एक ही ओवर में तंजीद और सैफ हसन को आउट किया और फिर अपने आखिरी ओवर में दो और विकेट झटके। इस दौरान बांग्लादेश 109/0 से अचानक 118/6 पर पहुंच गया। हालांकि, नुरुल हसन और रिशत हुसैन ने संभलकर बल्लेबाज़ी की और अहम मौकों पर बाउंड्री लगाई। आख़िर में नुरुल हसन ने लगातार दो छक्के लगाकर 19वें ओवर में ही जीत दिला दी। इससे पहले अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में 151/9 रन बनाए। रहमानुल्लाह गुरबाज़ ने सर्वाधिक 40 रन बनाए जबकि मोहम्मद नबी ने 38 रन की तेज़ पारी खेली। आखिरी ओवरों

में नबी और शरफुद्दीन अशरफ की पारियों की बदौलत टीम 150 से आगे पहुंची।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड :

अफगानिस्तान - 151/9, 20 ओवर (रहमानुल्लाह गुरबाज़ 40, मोहम्मद नबी 38; रिशत हुसैन 2/33)

बांग्लादेश - 153/6, 18.4 ओवर (परवेज हुसैन इमरान 54, तंजीद हसन तमीम 51; राशिद खान 4/18)

पदक तालिका में ब्राज़ील शीर्ष पर मज़बूत, डेब्रुनर ने जीता चौथा स्वर्ण

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्राज़ील की एंटोनिया कायला दा सिल्वा बारोस ने 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 1500 मीटर टी20 स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतते हुए नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 4 मिनट 19.22 सेकंड में दौड़ पूरी कर पोलैंड की दिग्गज एथलीट और छह बार की विश्व चैंपियन बारबरा बिएगानोव्स्का-जजाक को पछाड़ दिया। बारोस की यह जीत और भी खास रही क्योंकि उन्होंने अंतिम लैप से पहले ही बढ़त बना ली थी। टोक्यो 2020 पैरा ओलंपिक खेलों में साथी ब्राज़ीलियाई एथलीट एडनेउसा डी जीसस सैंटोस डॉर्टा की गाइड रनर रह चुकीं बारोस ने इस उपलब्धि से अपने करियर में नया मुकाम हासिल किया। ब्राज़ील की एक और खिलाड़ी वाना ब्रिटो ओलिवेरा ने महिलाओं की शॉट पुट एफ32 स्पर्धा में भी विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। इन सफलताओं के साथ ब्राज़ील ने 12 स्वर्ण, 16 रजत और 7 कांस्य पदक

लेकर पदक तालिका में अपना दबदबा बनाए रखा। वहीं चीन (8-10-9) अब बाकी तीन दिनों में कड़ी चुनौती के सामने है। हालांकि व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात करें तो स्विट्ज़रलैंड की कैथरीन डेब्रुनर ने महिलाओं की 100 मीटर टी53 में चैंपियनशिप रिकॉर्ड के साथ अपना चौथा स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अब तक 100 मीटर से लेकर 5000 मीटर तक सभी इवेंट्स में बाज़ी मारी है।

भारत की ओर से पैरिस 2024 पैरा ओलंपिक चैंपियन धरमबीर नैण (36 वर्ष) और अतुल कौशिक (29 वर्ष) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीतकर भारत के खाते में दो और पदक जोड़े। लेकिन लगातार दूसरे दिन स्वर्ण पदक से वंचित रहने के कारण मेज़बान भारत चौथे स्थान से फिसलकर सातवें स्थान पर चला गया है। अब तक भारत के पास 4 स्वर्ण, 5 रजत और 2 कांस्य पदक हैं। कोलंबिया की करेन टी पालोमेके एम ने महिलाओं की 200 मीटर टी38 स्पर्धा में स्वर्ण जीतकर अपनी टीम को छठे स्थान पर पहुंचाया। इटली और स्विट्ज़रलैंड ने भी अपने-अपने पांचवे स्वर्ण पदक जीते।धरमबीर नैन ने आख़िरी प्रयास में 29.71 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर बढ़त बनाई, लेकिन सर्बिया के अलेक्ज़ांडर रेडिसिक ने 30.36 मीटर थ्रो कर स्वर्ण छीन लिया। वहीं, पैरिस 2024 के रजत विजेता प्रणव सूरमा नौ खिलाड़ियों की प्रतियोगिता में पाँचवें स्थान पर रहे।

नामीबिया और जिम्बाब्वे ने 2026 टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

एजेंसी

हरारे। नामीबिया और जिम्बाब्वे ने यहां खेले गए अफ्रीकी क्वालिफायर के सेमीफाइनल मुकाबलों में जीत दर्ज कर 2026 टी20 क्रिकेट विश्व कप में अपनी जगह पक्की कर ली है। यह विश्व कप अगले साल फरवरी में भारत और श्रीलंका में आयोजित होगा। नामीबिया ने तंजानिया को 63 रन से हराया। टीम के स्टार ऑलराउंडर जे.जे. स्मिट ने 43 गेंदों पर नाबाद 61 रन बनाए और गेंदबाजी में 4 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट भी लिए। दूसरे सेमीफाइनल में मेज़बान जिम्बाब्वे ने केन्या को सात विकेट से पराजित किया। 123 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ब्रायन बेनेट ने सिर्फ 25 गेंदों पर 51 रन की तूफ़ानी पारी खेली और टीम को आसान जीत दिलाई। इन जीतों के साथ नामीबिया और जिम्बाब्वे दोनों ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अब दोनों टीमें शनिवार को अफ्रीकी क्वालिफायर के फाइनल में आमने-सामने होंगी। अब तक 20 में से 17 टीमों ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जबकि शेष तीन स्थान एशिया-प्रशांत क्षेत्र के क्वालिफायर से तय होंगे, जो अगले सप्ताह ओमान में शुरू होंगे।

पीवीएल 2025: मेजबान हैदराबाद ब्लैक हॉक्स ने गत चैंपियन कालीकट हीरोज पर दर्ज की बड़ी जीत

एजेंसी

हैदराबाद। आरआर केबल प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) 2025 के चौथे सीजन की शुरुआत गुरुवार को गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में धमाकेदार अंदाज में हुई। मेजबान हैदराबाद ब्लैक हॉक्स ने रोमांचक मुकाबले में गत चैंपियन कालीकट हीरोज को 15-12, 18-16, 18-16 से हराकर विजयादशमी का जश्न जीत से मनाया। पाउलो लामोनियर को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस मौके पर टीम के सह-मालिक और फिल्म सुपरस्टार विजय देवरकोंडा भी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने पहुंचे।मैच की शुरुआत कालीकट के पक्ष में रही। विकास मान की बेहतरीन ब्लॉकिंग

और अशोक बिश्नोई की आक्रामक रणनीति से ब्लैक हॉक्स शुरुआती दबाव में आ गए। लेकिन साहिल कुमार ने शानदार अटैक से हैदराबाद को वापसी कराई। कालीकट के पहले टच में कमी और लगातार त्रुटियों ने उनकी लय तोड़ी, जबकि शमीम और अशोक की कोशिशों के बावजूद पाउलो का अनुशासित खेल और विटोर युडी यामामोटो के क्रॉस अटैक ने हॉक्स को बढ़त दिलाई। बिश्नोई के सुपर सर्व ने दर्शकों को रोमांचित किया, लेकिन नियास और 2023 के एमवीपी गुरु प्रशांत की जोड़ी ने हैदराबाद को मजबूती दी। निर्णायक पलों में कालीकट ने सुपर सर्व से अंक जुटाए, मगर नियास ने फिर से विपक्षी डिफेंस में गैप निकालकर टीम को जीत दिलाई। इस शानदार जीत के साथ हैदराबाद ब्लैक हॉक्स ने टूर्नामेंट की विजयी शुरुआत की और गत चैंपियन कालीकट हीरोज़ को करारा झटका दिया।

पीकेएल-12: पुनेरी पलटन ने दूसरी बार टाई ब्रेकर में बेंगलुरु बुल्स को हराया, अंकतालिका में नंबर-1 पर पहुंची

एजेंसी

चेन्नई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन में खेले गए रोमांचक मुकाबले में पुनेरी पलटन ने बेंगलुरु बुल्स को दूसरी बार टाई ब्रेकर में हराया। एसडीएटी मल्टी परपज इनडोर स्टेडियम में खेले गए सीजन के 59वें मैच में निर्धारित समय तक स्कोर 29-29 से बराबर रहा। इसके बाद टाई ब्रेकर में पुनेरी ने 6-4 से जीत दर्ज की। यह पुनेरी की 11 मैचों में आठवीं जीत रही, जिससे वह 46 अंकों के साथ अंकतालिका में पहले स्थान पर पहुंच गई। वहीं, बेंगलुरु बुल्स को 11 मैचों में छठी हार का सामना करना पड़ा। खास बात यह रही कि बुल्स को इस सीजन में तीसरी बार टाई ब्रेकर में शिकस्त मिली। पुनेरी की ओर से आदित्य ने 7 अंक बटोरे, जबकि कप्तान पंकज मोहिते, गुरदीप और गौरव खत्री ने 4-4 अंक अपने

नाम किए। उधर, बेंगलुरु के लिए आशीष मलिक और अलीरैजा मीरजैन ने 6-6 अंक जुटाए। मुकाबले में पुनेरी ने शानदार शुरुआत करते हुए आठवें मिनट तक बुल्स को ऑलआउट कर 10-5 की बढ़त बना ली और हाफ टाइम तक 17-13 से आगे रही। दूसरे हाफ में बेंगलुरु ने जोरदार वापसी करते हुए 38वें मिनट में 28-25 की लीड भी हासिल कर ली। अंतिम मिनट में पुनेरी ने वापसी कर स्कोर 29-29 पर ला दिया। टाई ब्रेकर में पुनेरी पलटन ने दबदबा दिखाते हुए 6-4 से जीत दर्ज की और इस सीजन में बेंगलुरु बुल्स पर अपनी दूसरी सुपर रोमांचक जीत हासिल की।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के आखिरी मैच में कैनबरा चिल के हाथों 5-4 से हारी भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम

एजेंसी

कैनबरा। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को ऑस्ट्रेलिया दौरे के अंतिम मुकाबले में कैनबरा चिल के खिलाफ कड़े संघर्ष के बावजूद 4-5 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच कैनबरा के नेशनल हॉकी सेंटर में खेला गया। भारत की ओर से सुखवीर कौर (6'), कनिका सिवाच (42'), सुनेलिता टोप्पो (54') और इशिका (57') ने गोल किए। वहीं कैनबरा चिल के लिए लॉरिन यी (12', 19'), जोसी लॉटन (24'), हंटर बाल्डविन (28') और अमुकावटन (34') गोल दागे। भारत ने शानदार शुरुआत की और छठे मिनट में सुखवीर कौर ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि, कैनबरा चिल ने तेजी से वापसी की। लॉरिन यी ने 12वें और 19वें मिनट में लगातार दो फील्ड गोल कर मेज़बान टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में जोसी लॉटन (24') और हंटर बाल्डविन (28') ने गोल कर अंतर को और बढ़ा दिया। तीसरे क्वार्टर में अमुकावटन ने 34वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 5-1 कर दिया। दूसरे हाफ में भारतीय टीम ने वापसी की कोशिशें तेज कीं। 42वें मिनट में कनिका सिवाच ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया। चौथे क्वार्टर में सुनेलिता टोप्पो (54') और इशिका (57') ने भी गोल कर टीम को मुकाबले में बनाए रखा।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बने दो विश्व रिकॉर्ड, भारत के हैनी पदक से चूके

एजेंसी

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप्स में गुरुवार सुबह रोमांचक मुकाबलों के बीच दो और विश्व रिकॉर्ड बने। ईरान के सईद अफ़रोज़ ने पुरुषों की भाला फेंक स्न34 स्पर्धा में और अल्जीरिया की सफ़िया जेलल ने महिलाओं की गोला फेंक स्न57 स्पर्धा में अपने ही पुराने रिकॉर्ड तोड़ते हुए नया इतिहास रचा।

अफ़रोज़ ने 41.52 मीटर का शानदार थ्रो कर 2024 कोबे में बनाए गए 41.16 मीटर के अपने ही रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। वहीं जेलल ने 11.67 मीटर की दूरी तय कर 2024 में अपने ही नाम दर्ज 11.62 मीटर के रिकॉर्ड को बेहतर बनाया। इसके साथ ही चैंपियनशिप में विश्व रिकॉर्डों की संख्या बढ़कर 21 और चैंपियनशिप रिकॉर्डों की संख्या 65 हो गई है।

हैनी का निराशाजनक अंत

भारत के 19 वर्षीय हैनी के लिए यह दिन निराशाजनक रहा। पुरुषों की डिस्कस थ्रो स्न37 स्पर्धा के फाइनल में पदार्पण कर रहे रोहतक के इस युवा ने शुरुआती राउंड में ही 51.22 मीटर का थ्रो कर बढ़त बना ली थी। लेकिन बाद के प्रयासों में वह लय बरकरार नहीं रख सके। मेक्सिको के लुइस कार्लोस लोपेज़ ने दूसरे प्रयास में 56.59 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो कर स्वर्ण पर कब्ज़ा किया। यूक्रेन के मायकोला झाबन्याक ने चौथे राउंड में 52.70 मीटर के थ्रो से बढ़त बनाई। जापान

के यामातो शिम्बो ने आखिरी प्रयास में 54.50 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर रजत पदक झटक लिया।

पहले दौर में पोडियम के करीब पहुंचे हैनी अंततः चौथे स्थान पर खिसक गए। उनके चार वैध थ्रो में आखिरी 46.34 मीटर सबसे कम दूरी का रहा। दबाव में सबसे कम उम्र का यह एथलीट अपने शानदार शुरुआत को पदक में तब्दील नहीं कर सका।

ब्राज़ील की स्वर्णिम सुबह

सुबह ब्राज़ील के एथलीटों ने लगातार दो स्वर्ण पदक जीतकर पदक तालिका में अपनी बादशाहत और मज़बूत कर ली।

बार्टोलोमेउ दा सिल्वा ने पुरुषों की 400 मीटर ञ्37 स्पर्धा में 50.13 सेकंड का नया मीट रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण जीता।

उनकी हमवतन मारिया सी. ए. दा सिल्वा ने महिलाओं की 400 मीटर ञ्47 में 56.17 सेकंड का समय दर्ज कर स्वर्ण पदक हासिल किया।

इन उपलब्धियों से ब्राज़ील का पदक खाता 10 स्वर्ण, 15 रजत और 7 कांस्य तक पहुँच गया।

पदक तालिका

ब्राज़ील - 10 स्वर्ण, 15 रजत, 7 कांस्य

चीन - 8 स्वर्ण, 10 रजत, 7 कांस्य

पोलैंड - 7 स्वर्ण, 1 रजत, 5 कांस्य

भारत - 4 स्वर्ण, 4 रजत, 1 कांस्य

भारत अभी चौथे स्थान पर है। हैनी यदि पदक जीतने में सफल रहते, तो भारत की स्थिति और मज़बूत हो सकती थी।

रिटर्न के मामले में शेयर बाजार से आगे निकला सोना, सोने की मदद से निवेशक हुए अमीर

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में सोना लगातार मजबूती के नए रिकॉर्ड बना रहा है। खासकर साल 2025 में सोने की कीमत में जिस तरह तेजी का रुख बना है, उससे निवेशकों की कमाई में जमकर इजाफा हुआ है। सोने से मिलने वाले रिटर्न कि अगर स्टॉक मार्केट से मिलने वाले रिटर्न से तुलना करें, तो पिछले 5 साल की अवधि में इसने शेयर बाजार को भी पीछे छोड़ दिया है।सोने से मिलने वाले रिटर्न की बात करें तो पिछले 5 साल की अवधि में इसकी कीमत में 200 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया है। इस तरह इस अवधि में सोना ने निवेशकों को करीब 24 प्रतिशत से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) के हिसाब से मुनाफा कराया है। दूसरी ओर, स्टॉक मार्केट स्टॉक मार्केट से मिलने वाले रिटर्न की ओर बात करें तो इस अवधि में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी ने निवेशकों को 17 प्रतिशत से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) के हिसाब से मुनाफा कराया है। 5 साल पहले 2020 में सोने की कीमत 39,000 रुपये प्रति 10 ग्राम थी, जो अब 1,17,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर चुकी है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण अब लोगों के उस नजरिये में भी बदलाव होना शुरू हो गया है, जिसमें सोना को सेफ इन्वेस्टमेंट तो माना जाता था।

विनट्रैक इंक के आरोपों की जांच करेगा केंद्रीय राजस्व विभागः वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चेन्नई की लॉजिस्टिक कंपनी विनट्रैक इंक के सीमा-शुल्क अधिकारियों पर लगाए आरोपों की जांच के आदेश दे दिए हैं। कंपनी के आरोपों की गहन जांच करने के लिए राजस्व विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी को नियुक्त किया गया है। वित्त मंत्रालय ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि चेन्नई सीमा शुल्क के खिलाफ विंट्रैक इंक के आरोपों की जांच के आदेश दिए गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि विनट्रैक इंक की तरफ से लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों की गहन जांच के लिए राजस्व विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी को नियुक्त किया गया है। मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि सरकार ने मेसर्स विंट्रैक इंक (चेन्नई) द्वारा उठाए गए मामले का संज्ञान लिया है। वित?त मंत्रालय ने राजस्व विभाग (डीओआर) को वर्तमान मुद्दे की निष्पक्ष, पारदर्शी और तथ्य पर आधारित जांच करने के लिए कहा गया है। मंत्रालय ने बताया कि राजस्व विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी को विस्तृत तथ्यात्मक जांच करने, इससे संबंधित पक्षों और अधिकारियों की सुनवाई करने और सभी प्रासंगिक दस्तावेजी साक्ष्यों की गहन जांच करने के लिए नियुक्त किया गया है। वित?त मंत्रालय ने कहा कि हाल के वर्षों में सरकार ने पारदर्शिता बढ़ाने और व्यापार में सुगमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से करदाता चार्टर को अपनाना, फेसलेस सीमा शुल्क प्रक्रियाओं की शुरुआत और विवाद समाधान के लिए अपीलीय निकायों की स्थापना जैसी करदाता-अनुकूल पहलों की एक श्रृंखला लागू की है।

गोयल ने एयरबस के साथ की विमानन क्षेत्र में निवेश पर चर्चा

मुंबई। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यूरोपीय विमानन निर्माता एयरबस के चेयरमैन रेने ओबरमैन के साथ भारत के विमानन क्षेत्र में अवसरों और वैश्विक एयरोस्पेस कंपनी के साथ सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट पर कहा कि अध्यक्ष रेने ओबरमैन के नेतृत्व में एयरबस बोर्ड का भारत में स्वागत किया।इस दौरान भारत में अपार अवसरों और एयरबस तथा भारत के विमानन क्षेत्र के बीच मजबूत, बढ़ती साझेदारी पर आकर्षक चर्चा हुई। गोयल ने एयरबस को भारत में सहयोग बढ़ाने और निवेश बढ़ाने की उनकी योजनाओं के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आगे कहा कि यह भारत के एयरोस्पेस क्षेत्र की ताकत और क्षमता का प्रमाण है, जो वैश्विक रुचि को आकर्षित रहा है। इस चर्चा को भारत के विमानन उद्योग को और मजबूत करने तथा एयरोस्पेस नवाचार एवं विनिर्माण के केंद्र के रूप में इसकी स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक कदम के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, पिछले साल एयर इंडिया ने 100 और एयरबस विमान खरीदने का ऑर्डर दिया था, जिसमें 10 वाइडबॉडी ए350 और 90 नैरोबॉडी ए320 परिवार के विमान शामिल थे, जिनमें ए321ठुद्गश भी शामिल था। 2023 में इंडिगो के बोर्ड ने 500 एयरबस ए320 परिवार के विमानों का भी ऑर्डर दिया, जो इसके इतिहास का सबसे बड़ा ऑर्डर था।

गांधी जयंती, दशहरा पर बंद रहा शेयर बाजार, अब होगा कारोबार

मुंबई। गांधी जयंती और दशहरा के मौके पर हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को शेयर, विदेशी मुद्रा, सर्राफा और जिंस बाजार बंद रहा। इसके साथ ही देश के निजी और सरकारी क्षेत्र के बैंक बंद रहे। हालांकि, 03 अक्टूबर से शेयर बाजार में सामान्य तौर पर कारोबार शुरू होगा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में आज इक्विटी सेगमेंट, डेरिवेटिव सेगमेंट और एसएलबी सेगमेंट तीनों बंद रहे। साथ ही करेंसी डेरिवेटिव सेगमेंट में ट्रेडिंग नहीं हुई। कमॉडिटी मार्केट भी सुबह और शाम दोनों सेशन के लिए बंद रहा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में कारोबार नहीं हुआ। इसके अलावा शेयर बाजार में साप्ताहिक अवकाश होने की वजह से शनिवार और रविवार को बंद रहेगा। शेयर बाजार में अगला अवकाश 21 अक्टूबर को दीपावली पर्व पर होगा। 22 अक्टूबर को प्रतिपदा और फिर 05 नवंबर को गुरुनानक जयंती पर शेयर बाजार में अवकाश रहेगा।

रबी फसलों की एमएसवैश्विक अनिश्चितताओं के बीच व्यापार एवं ऊर्जा असंतुलन भी चुनौतीः सीतारम

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि ऐसे समय में जब विश्व की अर्थव्यवस्था संरचनात्मक बदलाव के दौर से गुजर रही है, तब भारत की बाहरी झटकों को झेलने की क्षमता मजबूत है। उन्होंने कहा कि देश को केवल वैश्विक अनिश्चितताओं से नहीं, बल्कि व्यापार एवं ऊर्जा असंतुलन से भी निपटना है। वित्त मंत्री ने यहां आयोजित कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच टैरिफ वैश्विक अर्थव्यवस्था को नया आकार दे रहे हैं, जबकि भारत 8 फीसदी सकल घरेलू उत?पाद (जीडीपी) वृद्धि की आकांक्षा रखता है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र को भारत में अवसर दिखने लगे हैं; पूंजीगत व्यय के लिए सरकार की प्रतिबद्धता कायम है। भारत में निजी क्षेत्र के निवेश के लिए

अवसर दिखने लगे हैं, खासकर सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजनाओं में रुचि बढ़ रही है। उन्होंने कहा, विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए हमें 8 फीसदी जीडीपी वृद्धि दर हासिल करनी होगी। वित्त मंत्री ने कहा कि 2047 तक आत्मनिर्भरता के जरिए विकसित भारत बनने का मतलब यह नहीं है कि हम एक बंद अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं। हम अभूतपूर्व वैश्विक अस्थिरता के दौर में हैं। हालांकि, भारत में बाहरी झटकों को झेलने की मजबूत क्षमता है। सीतारमण ने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 8 फीसदी की विकास दर बनाए रखनी होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चल रही वैश्विक उथल-पुथल का भारत की जीडीपी पर सीमित प्रभाव पड़ेगा। इस अवसर पर 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष एनके सिंह, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति की विशेष सलाहकार एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार और बहुपक्षीय सहयोग मारी एल्का पंगेस्टु और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस के अध्यक्ष एवं कुलपति लैरी क्रेमर उपस्थित थे।

रुपये की मजबूती के लिए एक्टिव हुआ रिजर्व बैंक, डॉलर पर घटाई जाएगी निर्भरता

एजेंसी

नई दिल्ली। डॉलर की तुलना में रुपये की लगातार बढ़ रही कमजोरी के सिलसिले पर रोक लगाने, रुपये की स्थिति में सुधार लाने, रिजनल ट्रेडिंग में डॉलर पर निर्भरता कम करने और वैश्विक बाजार में डॉलर की जगह रुपये की स्थिति मजबूत करने के लिए अब रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एक्टिव हो गया है। डॉलर के साथ ही दुनिया की दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं की तुलना में रुपये की पकड़ को मजबूत बनाने के लिए रिजर्व बैंक एक साथ तीन उपायों पर काम शुरू करने जा रहा है। इन उपायों का उद्देश्य रीजनल ट्रेडिंग में डॉलर की निर्भरता को न्यूनतम करना (इनडायरेक्ट डीडॉलराइजेशन) और भुगतान माध्यम के रूप में रुपये को एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में स्थापित करना है। रिजर्व बैंक ने एफबीआईएल (फाइनेंशियल बेंचमार्क इंडिया लिमिटेड) की बेंचमार्क लिस्ट में दुनिया की कुछ अन्य मुद्राओं को भी शामिल करने का फैसला किया है, जिससे भारतीय बैंक विदेशी मुद्रा जोड़ी (करेंसी पेयर्स) को सीधे कोट कर सकेंगे। ऐसा होने से डॉलर पर निर्भरता कम हो सकेगी, क्योंकि डॉलर के जरिए व्यापार होने पर भुगतान के दौरान होने वाले दोहरे रूपांतरण की वजह से लागत बढ़ने की समस्या भी कम हो पाएगी। भारतीय कंपनियां कई देशों में सीधे रुपये का लेनदेन करके कारोबार कर पाएंगी, जिससे कंपनियों की लागत भी घटेगी और भुगतान प्रक्रिया भी आसान हो सकेगी। ऐसा होने से रुपये को क्षेत्रीय स्तर पर मजबूती भी मिल सकेगी। इसी तरह भारतीय रिजर्व बैंक ने स्पेशल रुपी वोस्ट्रो अकाउंट्स (एसआरवीए) के तहत जमा राशि को कॉरपोरेट बॉन्ड्स या कॉमर्शियल पेपर्स में इन्वेस्ट करने की अनुमति भी दे दी है। इस तरह से विदेशी निवेशकों को कॉरपोरेट बॉन्ड्स और कॉमर्शियल पेपर्स में इन्वेस्टमेंट करने के लिए अधिक विकल्प मिल पाएगा।

मजबूत शुरुआत के बावजूद जिनकुशल इंडस्ट्रीज ने किया निराश, बिकवाली के दबाव में लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। कंस्ट्रक्शन मशीनरी का निर्यात करने वाली कंपनी जिनकुशल इंडस्ट्रीज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की। हालांकि लिस्टिंग के बाद कुछ देर तक उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद कंपनी के शेयर गिर कर लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 121 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 3 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 125 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 126.95 रुपये के स्तर तक पहुंचे, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बनने पर कंपनी के शेयर गिरकर 118.75 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गिर गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 1.86 प्रतिशत का नुकसान हो गया। जिनकुशल इंडस्ट्रीज का 116.15 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 29 सितंबर के बीच

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 65.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 35.70 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 146.39 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 47.04 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 86,40,000 नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 9,59,548 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं।

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, सोना और चांदी की बढ़ी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत में तेजी का सिलसिला लगातार जारी है। कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,18,680 रुपये से लेकर 1,18,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,08,790 रुपये से लेकर 1,08,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी के भाव में तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,53,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,18,830 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,08,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,18,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,08,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,18,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,08,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,18,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,08,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,18,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,08,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना

आज 1,18,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,08,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,18,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,08,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्टॉक मार्केट में टूऑल्ट बायोएनर्जी की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। बायोफ्यूल बनाने वाली कंपनी टूऑल्ट बायोएनर्जी के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 496 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 10.88 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 550 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 10 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 545.40 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर की चाल में थोड़ी गिरावट भी गई। दोपहर 12 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 532.20 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। टूऑल्ट बायोएनर्जी का 839.28 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 29 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 75.02 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी)

के लिए रिजर्व पोर्शन 165.16 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 103.04 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 11.50 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 750 करोड़ रुपये के 1,51,20,967 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके साथ ही 89.28 करोड़ रुपये के 18 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने एथेनॉल प्लांट में मल्टी फीड स्टॉक ऑपरेशंस सेटअप करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी की आय 2023-24 की आय 1,280.19 करोड़ रुपये की तुलना में 54 प्रतिशत बढ़ कर 1,968.53 करोड़ रुपये हो गई। इसी तरह कंपनी का शुद्ध मुनाफा वित्त वर्ष 2024-25 में 361 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 146.64 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 31.81 करोड़ रुपये था। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 में ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 309.14 करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

इंडिगो 26 अक्टूबर से फिर से शुरू करेगी कोलकाता-गुआंगझोउ उड़ानें

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच फिर से सीधी हवाई सेवा शुरू होने वाली हैं। केंद्र सरकार ने इसकी घोषणा की है, ये उड़ानें अक्टूबर 2025 के अंत तक शुरू हो सकती है। वहीं, विमानन कंपनी इंडिंगो ने चीन के ग्वांगझू के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू करने का ऐलान किया है। इंडिगो ने जारी एक बयान में कहा कि वह 26 अक्टूबर से कोलकाता चीन के ग्वांगझू के लिए उड़ानें फिर शुरू करेगी। एयरलाइन ने कहा, 26 अक्टूबर 2025 से कोलकाता से ग्वांगझू (ष्टह्व) को जोड़ने वाली मुख्यभूमि चीन के लिए दैनिक नॉन-स्टॉप उड़ानें फिर से शुरू होंगी। एयरलाइंस ने बताया कि नियामक अनुमोदन के अधीन, इंडिगो जल्द ही दिल्ली और ग्वांगझू के बीच अपनी सीधी उड़ानें भी शुरू करेगी। इन उड़ानों के संचालन के लिए इंडिगो अपने एयरबस ए320ठुद्गश विमान का उपयोग करेगी, जिससे सीमा पार व्यापार और रणनीतिक व्यावसायिक साझेदारियों के अवसर फिर से स्थापित

होंगे और दोनों देशों के बीच पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उल्लेखनीय है कि कोरोना महामारी के कारण निलंबित होने से पहले 2020 की शुरुआत तक दोनों देशों के बीच सीधी हवाई सेवा चालू थीं। भारतीय और चीनी एयरलाइनों की सीधी उड़ानें थीं। पूर्वी लद्दाख और सीमा विवाद के कारण भी ये सेवाएं निलंबित रहीं।

फ्लैट लिस्टिंग के बाद ईयरकार्ट के शेयरों में तेजी, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। हियरिंग ऐड्स और रिलेटेड एक्सेसरीज बनाने वाली कंपनी ईयरकार्ट लिमिटेड ने आज स्टॉक मार्केट में सांकेतिक बढ़त के साथ एंट्री की हालांकि लिस्टिंग के बाद खरीदारी शुरू हो जाने के कारण आईपीओ निवेशक फायदे में आ गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 135 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग सिर्फ 0.37 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 135.50 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी देर में ही 142.25 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 5.37 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। ईयरकार्ट लिमिटेड का 49.26 करोड़ रुपये का

आईपीओ 25 से 29 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से भी फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.28 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.63 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.35 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 31,30,000 नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 3,34,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.31 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 3.06 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 6.88 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की मिली-जुली शुरुआत हुई थी। सेंसेक्स मामूली बढ़त के साथ खुलने में सफल रहा था, जबकि निफ्टी ने कमजोरी के साथ कारोबार की शुरुआत की थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव के कारण शेयर बाजार में तेज गिरावट आ गई। हालांकि पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में सुधार होने लगा। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.12 प्रतिशत और निफ्टी 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, कोटक महिंद्रा और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर 3.36 प्रतिशत

से लेकर 1.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, मैक्स हेल्थ केयर, कोल इंडिया, श्रीराम फाइनेंस, बजाज फिनसर्व और ओएनजीसी के शेयर 2.08 प्रतिशत से लेकर 0.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,518 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,626 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 892 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे।

विकसित भारत के लिए आर्थिक वद्धि तेज करनी होगी, पूंजी निवेश बढ़ाना होगाःएनके सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्थिक विशेषज्ञ एवं पूर्व आईएएस एन.के. सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनने के लिए साल दर साल आठ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि हासिल करनी होगी और पूंजीगत व्यय में और वृद्धि करनी होगी। श्री सिंह यहां चौथे कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे जिसका उद्घाटन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किया। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में आर्थिक वृद्धि दर मजबूत नीतिगत आर्थिक सुधारों से सुधरी है। इसके साथ ही जनसंख्या वद्धि दर कम होने के मिले जुले लाभ से प्रतिव्यक्ति आय दो गुनी हो गयी है। श्री सिंह 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष थे। उन्होंने विकसित भारत 2047 का लक्ष्य हासिल करने के लिए पूंजीगत व्यय का स्तर बढ़ाने, मौद्रिक और राजकोषीय नीति के बीच तालमेल बिठाये रखने, व्यापार को वृद्धि के इंजन के रूप में बनाए रखने के लिए प्रौद्योगिकी पर ध्यान देने, सुधारों को राज्यों के स्तर पर फैलाने तथा नयी उभरती वैश्विक परिस्थितियों में चुनौतियों तथा विडंबनाओं को अवसर बनाने पर ध्यान देने की सिफारिश की। बाद में उन्होंने संवादाताओं से बातचीत करते हुए कहा, 'भारत का विशाल घरेलू बाजार अभी अतृप्त है जहां प्रति व्यक्ति आय अब पांच से छह प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से बढ़ रही है।

स्टॉक मार्केट में तेलगे प्रोजेक्ट्स की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग डिजाइन सर्विसेज का कारोबार करने वाली कंपनी तेलगे प्रोजेक्ट्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली तेजी के साथ एंट्री करके अपने कारोबार की शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 105 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 3 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 108.10 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 112 रुपये तक पहुंचे, लेकिन बाद में मुनाफा वसूली के ये ऊपरी स्तर से थोड़ा फिसल भी गया। सुबह 11:30 बजे तक कारोबार होने के बाद तेलगे प्रोजेक्ट्स के शेयर 110.85 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। तेलगे प्रोजेक्ट्स का 27.24 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 29 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.99 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 5.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.75 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.72 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 25,94,400 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 90 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.66 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 5.38 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 105 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 25.65 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इस दौरान कंपनी पर कर्ज के बोझ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 2.50 करोड़ रुपये, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में बढ़ कर 2.76 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 के आखिर में कंपनी का कर्ज उछल कर 9.38 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें, तो वित्त वर्ष 2022-23 के आखिरी में ये 1.09 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिरी में बढ़ कर 3.66 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 के आखिरी में उछल कर 10.31 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

पुतिन का चेतावनी भरा बयान, 'यूरोप ने उकसाया तो तुरंत देंगे जवाब'

एजेंसी

सोची (रूस)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को चेतावनी दी कि यदि यूरोप ने रूस को उकसाया तो जवाब तुरंत मिलेगा। उन्होंने कहा कि यूरोप में सैन्यीकरण हिस्टीरिया से प्रेरित है, लेकिन रूस की अमेरिका-नेतृत्व वाले नाटो गठबंधन पर हमला करने की कोई मंशा नहीं है। ब्लैक सी रिसॉर्ट शहर सोची में वल्दाई डिस्कशन ग्रुप को संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा- अगर किसी को अब भी हमारे साथ सैन्य क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा करने की इच्छा है, तो कर ले। रूस की प्रतिक्रिया देर से नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि रूस ने सदियों से साबित किया है कि उकसाए जाने पर वह तुरंत प्रतिक्रिया करता है। इस दौरान उन्होंने जर्मनी की उस महत्वाकांक्षा का भी उल्लेख किया, जिसमें वह यूरोप की सबसे ताकतवर सेना बनाने की दिशा में बढ़ रहा है। पुतिन ने यूरोप के नेताओं पर हिस्टीरिया फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा, वे बार-बार यह मंत्र दोहराते हैं कि रूसियों से युद्ध दरवाजे पर है। यह सब बकवास है। साथ ही, पुतिन ने इस संभावना को खारिज किया कि रूस कभी नाटो सदस्य देशों पर हमला करेगा। उन्होंने कहा, सच में, मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं, शांत रहो, चैन से सोओ और अपनी समस्याओं पर ध्यान दो। बस यूरोपियन शहरों की सड़कों पर जो हो रहा है, उसे देखो।

जेलेंस्की और डेनमार्क की फ्रेडरिकसेन का संदेश- 'यूरोप को रूस से रिश्ते तोड़कर सशक्त बनाना होगा'

कीव/ब्रसेल्स। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने यूरोपीय देशों से एकजुट होकर रूस के खिलाफ ठोस कदम उठाने की अपील की है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस लगातार 'विनाशकारी कदम' बढ़ा रहा है और यूरोप की सुरक्षा के लिए अब राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाना जरूरी है, रूस से रिश्ते तोड़ने का समय आ गया है। उन्होंने जोर देकर कहा, 'सच्ची सुरक्षा केवल संयुक्त कार्रवाई और एकजुट प्रयासों से सुनिश्चित हो सकती है। किसी को इस खतरे के सामने अकेला नहीं छोड़ा जाना चाहिए।जेलेंस्की ने हंगरी और स्लोवाकिया जैसी देशों पर दबाव डाला कि वे रूस से ऊर्जा आयात बंद करें। उनका कहना था, रूस के साथ किसी भी प्रकार का संबंध आपके खिलाफ इस्तेमाल किया जा सकता है। जितने कम संबंध होंगे, जीवन उतना ही सुरक्षित होगा।डेनमार्क की फ्रेडरिकसेन ने भी यूरोपीय नेताओं को चेताया कि रूस यूरोप के लिए बढ़ता खतरा है। उन्होंने कहा, हाल ही में हमने देखा है कि रूस ने हवाई क्षेत्र का उल्लंघन, हाइब्रिड हमले, सीमाओं पर प्रवासियों को धकेलना, चुनावों में दखल और साइबर हमले बढ़ा दिए हैं। रूस हमें आज पहले से कहीं अधिक परख रहा है। हमें एकजुट और मजबूत खड़ा होना होगा।

रूस का कहना है- यह कोई शीत युद्ध नहीं, पश्चिम के साथ उग्र संघर्ष है

मॉस्को। रूस ने गुरुवार को कहा कि पश्चिमी देशों के साथ उसका रिश्ता अब 'शीत युद्ध' (कोल्ड वार) जैसा नहीं रहा, बल्कि यह एक 'उग्र संघर्ष' बन चुका है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने पत्रकारों से बातचीत में स्पष्ट किया कि यूरोपीय संघ और नाटो 'झूठे आरोप' लगाकर अपने विशाल रक्षा बजट को सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं। जखारोवा ने कहा, 'मैं शीत युद्ध से तुलना से सहमत नहीं हूं। यहां बहुत समय से ठंड नहीं है, बल्कि आग है। हम पहले से ही संघर्ष के एक अलग रूप में हैं।' यह बयान ऐसे समय में आया है जब यूक्रेन युद्ध ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप की सबसे घातक लड़ाई का रूप ले लिया है और रूस तथा पश्चिमी देशों के बीच टकराव को 1962 के क्यूबा मिसाइल संकट के बाद सबसे गंभीर स्तर तक पहुंचा दिया है पिछले दो महीनों में ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन की अलास्का में हुई शिखर बैठक के बावजूद शांति की संभावना और दूर होती दिख रही है। रूसी सेनाएं यूक्रेन में आगे बढ़ रही हैं, रूस पर नाटो के हवाई क्षेत्र में ड्रोन भेजने के आरोप लग रहे हैं और वाशिंगटन प्रत्यक्ष सैन्य हस्तक्षेप तक की बात कर रहा हैयूरोपीय देशों के आरोपों पर कि रूस ने नाटो क्षेत्र में घुसपैठ, तोड़फोड़ और साइबर हमले किए हैं, जखारोवा ने पलटवार किया कि ये बिन आधार के आरोप हैं और संकेत देते हैं कि नाटो व यूरोपीय संघ रूस के खिलाफ उकसावे की कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं।

इथियोपिया के मिन्जर शेनकोरा की एक चर्च में मचान ढहने से 36 की मौत, 200 से अधिक घायल

अदिस अबाबा। इथियोपिया के मिन्जर शेनकोरा जिले में सुबह एक धार्मिक उत्सव के दौरान आंशिक रूप से निर्मित चर्च में बने मचान के टूटने से कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई और 200 से अधिक घायल हो गए। स्थानीय पुलिस प्रमुख अहमद गेबेयेहु ने सरकारी फाना ब्रॉडकास्टिंग को बताया कि यह हादसा अम्हारा क्षेत्र के उत्तरी शेवा जोन के अरर्टी सेंट मैरी चर्च में हुआजहां तीर्थयात्री वार्षिक वर्जिन मैरी उत्सव के लिए एकत्र हुए थे। यह मचान भीड़ के भार को सहन न कर सकने के कारण अचानक टूट गया। इस बीच एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह करीब पौने आठ बजे मचान अचानक से टूट गया जिससे दर्जनों लोग मचान की भारी लकड़ी और धातुओं के खंभों के नीचे दब गए। बचाव कार्य जारी है लेकिन कुछ लोग अभी भी फंसे हुए हैं। घायलों को राजधानी अदीस अबाबा के अस्पतालों में ले जाया गया है जहां कईयों की हालत नाजुक है।

पुतिन का बयानः अमेरिकी दबाव के आगे भारत नहीं झुकेगा, मोदी देश की संप्रभुता के खिलाफ फैसला कभी नहीं करेंगे

एजेंसी

सोची (रूस)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि भारत किसी भी बाहरी दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है। वाल्दाई पॉलिसी फोरम में गुरुवार को संबोधन के दौरान पुतिन ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कभी भी ऐसा कदम नहीं उठाएंगे, जिससे भारत की संप्रभुता से समझौता हो। पुतिन ने कहा कि अगर रूस से तेल खरीदने पर ऊंचे टैरिफ लगाए गए तो इसका असर पूरी दुनिया की ऊर्जा कीमतों पर पड़ेगा। कीमतें बढ़ेंगी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व को ब्याज दरें ऊंची रखनी पड़ेंगी, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि भारत अगर रूसी तेल की खरीद रोकता है, तो उसे 9 से 10 अरब डॉलर का नुकसान उठाना पड़ सकता है।

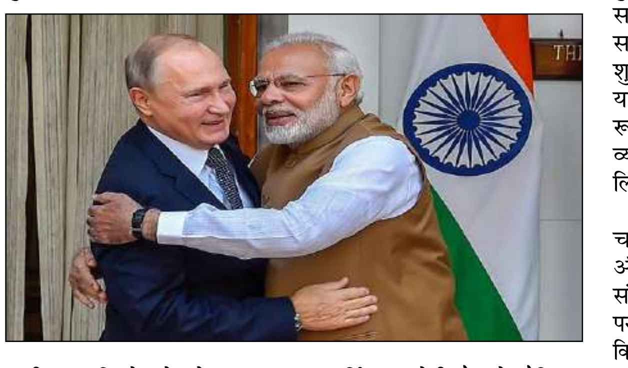

रूसी राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि भारत जैसे देश में जनता अपने नेतृत्व पर पैनी नजर रखती है और भारतीय लोग कभी यह स्वीकार नहीं करेंगे कि उनका देश किसी भी ताकत के सामने झुके। पुतिन ने यह भी जोड़ा कि अगर रूसी तेल की आपूर्ति बंद होती है, तो वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें प्रति बैरल 100 डॉलर से भी ऊपर जा सकती हैं, जिसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। भारत के साथ रिश्तों को 'दोस्ताना' बताते हुए पुतिन ने कहा कि वे मोदी के साथ भरोसे के साथ बात कर सकते हैं। उन्होंने दिसंबर की शुरुआत में होने वाली अपनी भारत यात्रा को लेकर संतोष जताया और रूसी सरकार को निर्देश दिया कि व्यापार असंतुलन को दूर करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

पुतिन ने सुझाव दिया कि भारत चाहे तो रूस से ज्यादा कृषि उत्पाद और दवाइयां आयात करके व्यापार संतुलन को साध सकता है। अमेरिका पर कटाक्ष करते हुए पुतिन ने कहा कि वाशिंगटन भारत जैसे देशों पर रूसी ऊर्जा न खरीदने का दबाव डालता है, जबकि खुद यूरेनियम के लिए रूस पर निर्भर रहता है।

इंडोनेशिया में इमारत हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 9 हुई

एजेंसी

जकार्ता। इंडोनेशिया में पूर्वी जावा द्वीप में एक छात्रावास की इमारत ढह जाने की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 9 हो गई है जबकि बचावकर्मी अभी भी मलबे में फंसे छात्रों की तलाश में जुटे हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बचावकर्मियों द्वारा मलबे से और शव बरामद किए के कारण अब तक नौ छात्रों की मौत की पुष्टि हुई है जबकि कई लोग अब भी लापता बताए गए हैं। यह दुघर्टना सोमवार को हुई थी।इस बीच मलबे में कई छात्र फंसे हुए हैं जिन्हें बचाने के लिए बचाव दल दिन-रात काम कर रहे हैं। मलबे में फंसे लोगों में से अधिकांश छात्र हैं। स्थानीय प्रशासन ने बचाव अभियान को तेज करने के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाए हैं। इस बीच इंडोनेशियाई सरकार ने प्रभावित क्षेत्र में आपातकालीन सहायता प्रदान करने की घोषणा की है जिसमें चिकित्सा सुविधाएं और अस्थायी आश्रय शामिल हैं।

टैरिफ को लेकर भारत-अमेरिका के बीच बनेगी बात? यूएसटीआर ने भारतीय दृष्टिकोण को बताया व्यवहारिक

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमिसन ग्रीर ने व्यापार वार्ता में भारत के दृष्टिकोण को 'व्यावहारिक' बताया और कहा कि दोनों पक्ष 'समझौते पर बातचीत करने की कोशिश कर रहे हैं।' न्यूयॉर्क के इकोनॉमिक क्लब में एक अनौपचारिक चर्चा के दौरान, ग्रीर ने भारत के साथ जारी बातचीत के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ÷भारतीय व्यावहारिक रुख अपना रहे हैं। हम प्रशासन के पहले दिन से ही व्यापार के मोर्चे पर भारतीयों के साथ बातचीत कर रहे हैं। इसलिए, जब आप भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ की बात करते हैं, तो उस 25 प्रतिशत का आधा हिस्सा वास्तव में व्यापार से जुड़ा होता है। यह पारस्परिक टैरिफ है। हम इसी पर बातचीत करके समझौता करने की कोशिश कर रहे हैं। बता दें, न्यूयॉर्क में भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और यूएसटीआर ग्रीर के बीच 22 सितंबर को मुलाकात हुई। मुलाकात के कुछ दिनों बाद ग्रीर का यह बयान सामने आया है। सूत्रों ने बताया कि बैठक में प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया और दोनों पक्षों को जल्द ही एक अंतरिम समझौते पर पहुंचने की उम्मीद है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में यह भी कहा गया है कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने समझौते के अलग-अलग पहलुओं पर अमेरिकी सरकार के साथ 'रचनात्मक बैठकें' कीं। भारत की ओर से जारी बयान में आगे कहा गया, 'दोनों पक्षों ने डील की संभावित रूपरेखा पर विचारों का आदान-प्रदान किया और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते पर शीघ्र निष्कर्ष निकालने के उद्देश्य से बातचीत जारी रखने का निर्णय लिया गया।' ग्रीर ने रूसी तेल खरीदने पर भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की भी बात की और तर्क दिया कि अमेरिका किसी संप्रभु राष्ट्र पर अपनी शर्तें थोपने की कोशिश नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा, 'भारत ने हमेशा इतना रूसी तेल नहीं खरीदा है। ऐसा नहीं है कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था का कोई आधारभूत हिस्सा है। जाहिर है, वे एक संप्रभु देश हैं। हम दूसरे देशों पर यह थोपने की कोशिश नहीं कर रहे हैं कि वे किसके साथ संबंध रख सकते हैं और किसके साथ नहीं।' ग्रीर का यह भी मानना था कि नई दिल्ली यूक्रेन में संघर्ष समाप्त करने के अमेरिकी उद्देश्य को समझती है और अपनी ऊर्जा जरूरतों में बदलाव ला रही है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वे इसे समझते हैं। मैं देख सकता हूं कि वे बदलाव लाना शुरू कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि रूस से तेल खरीदने वाला भारत अकेला देश नहीं है, और ट्रंप प्रशासन ने यूरोपीय और चीनी देशों पर अपनी खरीद रोकने का दबाव डाला। यूएसटीआर ग्रीर ने जोर देकर कहा, हम अपने यूरोपीय सहयोगियों से पहले ही बात कर चुके हैं, जिनमें से कुछ आज भी रूसी तेल खरीद रहे हैं, जो कि एक अजीब बात है। इसलिए, हम सिर्फ भारतीयों से ही इस बारे में बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि हमने चीन से भी इस बारे में बात की।

अमेरिकी विमानों की घुसपैठ से भन्नाया वेनेजुएला, बोला-ऐसी गलती मत करो

एजेंसी

कराकस । अमेरिका ने वेनेजुएला और अन्य ड्रग कार्टेल के खिलाफ एक मादक पदार्थ तस्करी विरोधी अभियान चलाते हुए दक्षिणी कैरिबियन सागर में युद्धपोत तैनात किए हैं। अब एक बार फिर अमेरिकी लड़ाकू विमान वेनेजुएला के आसमान में उड़ते देखे गए। वेनेजुएला ने इसे उकसाने की कार्रवाई बताते हुए इस अवैध घुसपैठ की निंदा की है। हाल के हफ्तों में अमेरिकी सेना ने यह कहते हुए छोटी नावों पर हमला कर दिया था कि ये वेनेजुएला से ड्रग्स की तस्करी में शामिल थीं। इन हमलों में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई थी। रक्षा मंत्री व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज ने वाशिंगटन को दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र पर सैन्य हमलों के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा, ऐसी गलती मत करो। वेनेजुएला के विदेश मंत्री यवन गिल ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा कि हमारे तटों से लगभग 75 किलोमीटर दूर अमेरिकी विमानों के उड़ने का पता लगाया गया। उन्होंने कहा कि अमेरिका का यह कदम वेनेजुएला के लिए एक उकसावे की कार्रवाई है, जो राष्ट्रीय संप्रभुता के सरकार के सैन्य उत्पीड़न की निंदा की, जो शांति, काम और खुशी चाहते हैं। पैड्रिनो ने कहा कि वेनेजुएला की वायु रक्षा प्रणाली ने 35,000 फीट

लिए खतरा है। यह अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करता है। समाचार एजेंसी के अनुसार कैरेबियन सागर में अमेरिका के युद्धपोतों की मौजूदगी ने वेनेजुएला के नागरिक विमानों की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है।

इससे पहले, वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज ने दक्षिणी कैरेबियन सागर में अमेरिकी विमानों की तैनाती और वेनेजुएला के उन लोगों के खिलाफ अमेरिकी सरकार के सैन्य उत्पीड़न की निंदा की, ... की ऊंचाई पर 400 समुद्री मील की गति से उड़ते हुए कम से कम पांच अमेरिकी विमानों का पता लगाया। बाद में विदेश मंत्रालय के साथ एक संयुक्त बयान में रक्षा मंत्रालय ने कहा कि विदेशी विमानों की घुसपैठ वेनेजुएला के तट से 75 किलोमीटर दूर हुई। अधिकारियों के अनुसार, कोलंबिया की एवियनका एयरलाइन का एक विमान भी अमेरिकी विमानों के वेनेजुएला की सरहद में उड़ने का गवाह बना।

पाकिस्तान के मानवाधिकार समूहों ने सरकार पर मीडिया और एनजीओ के खिलाफ बदनामी अभियान चलाने का लगाया आरोप

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में कई मानवाधिकार संगठनों और वकालत समूहों ने देश के मीडिया और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के खिलाफ बदनामी अभियान चलाने के लिए शहबाज शरीफ की सरकार की आलोचना की और इस हरकत को बेहद गैरजिम्मेदाराना बताया। पाकिस्तान के मानवाधिकार संगठनों ने कई अन्य वकालत समूहों और महिला एक्शन फोरम - लाहौर, शिरकत गाह (महिला शोध केंद्र), दक्षिण एशिया भागीदारी-पाकिस्तान, सिमोर्ग एक गैर-सरकारी नारीवादी कार्यकर्ता संगठन और कानूनी सहायता, सहायता और निपटान केंद्र (सीएलएएएस) समेत अधिकार निकायों ने पाकिस्तानी सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा प्रायोजित हाल के विज्ञापन की कड़ी निंदा की। दरअसल, पाकिस्तानी सरकार के इन विज्ञापनों में पत्रकारों, गैर-सरकारी संगठनों में काम करने वालों और 'फ्रीलांस' शोधकर्ताओं को यह दिखाया गया है कि वे 'दुश्मन का प्रचार' करने वाले संभावित साधन हो सकते हैं। इन

समूहों की ओर से जारी संयुक्त बयान में कहा गया, 'नागरिक समाज के कार्यकर्ताओं और स्वतंत्र मीडिया को सूचना युद्ध का हिस्सा बताना बेहद गैर-जिम्मेदाराना है और उन स्वतंत्रताओं को कमजोर करता है जो एक लोकतांत्रिक समाज को बनाए रखती हैं। पाकिस्तान में स्वतंत्र पत्रकार और गैर-सरकारी संगठन पहले से ही अत्यधिक प्रतिबंधात्मक परिस्थितियों में काम कर रहे हैं, जिसमें लगातार उत्पीड़न, पंजीकरण और रिपोर्टिंग की कठिन जरूरतें, धन की मनमानी जांच और लगातार बढ़ता हुआ असुरक्षित माहौल शामिल है। बयान में आगे कहा गया, 'उनके काम को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताना उन लोगों के लिए और भी खतरनाक है जो अधिकारों की रक्षा और जनता को सूचित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ऐसी चीजों का इस्तेमाल पत्रकारों और मानवाधिकार रक्षकों पर निगरानी, धमकी और यहां तक कि शारीरिक हमलों को सही ठहराने के लिए किया गया है। समूहों ने इस बात पर खास जोर दिया कि नागरिकों से बिना किसी कानूनी सुरक्षा उपाय के संदिग्ध एनजीओ कार्यकर्ताओं या पत्रकारों की शिकायत करने का आग्रह करना, मनमाने ढंग से निशाना बनाए जाने, उत्पीड़न और सेंसरशिप को वैध बनाने के जोखिम को बढ़ाता है। इसके अलावा, समूहों ने इस बात का भी जिक्र किया कि कैसे डिजिटल तकनीकों को बड़े पैमाने पर फंसाने के साधन के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य अशांति, भय और अराजकता फैलाना है, इलेक्ट्रॉनिक अपराध निवारण अधिनियम और उसके संशोधनों सहित पाकिस्तान के अन्य कानूनों द्वारा पहले से ही स्थापित अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर पड़ने वाले भयावह प्रभाव को और बढ़ाना है।

हमास को ट्रंप शांति योजना मानने के लिए राजी करने में जुटा मिस्र

एजेंसी

पेरिस। मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलाटी ने कहा कि काहिरा, कतर और तुर्की के साथ मिलकर हमास को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति योजना स्वीकार करने के लिए मनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हमास ने इस योजना को ठुकराया, तो संघर्ष और अधिक बढ़ जाएगा। पेरिस स्थित फ्रेंच इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस में बोलते हुए अब्देलाटी ने कहा, हमें किसी भी पक्ष को यह बहाना नहीं देना चाहिए कि वे हमास को गाजा में नागरिकों की बर्बर हत्याओं का आधार बनाएं। यह सिर्फ 07 अक्टूबर की घटना तक सीमित नहीं है। अब यह बदले से आगे निकलकर जातीय सफाए और नरसंहार का रूप ले चुका है। अब बहुत हो चुका। उन्होंने कहा कि स्पष्ट है, हमास को हथियार डालने होंगे और इजराइल को कोई ऐसा बहाना नहीं मिलना चाहिए जिससे वह अपना आक्रामक अभियान जारी रखे। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजराइल की कार्रवाई में अब तक गाजा में 66,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। व्हाइट हाउस ने इस हफ्ते की शुरुआत में 20 सूत्रीय प्रस्ताव पेश किया था, जिसमें तत्काल युद्धविराम, हमास द्वारा बंधकों की रिहाई के बदले इजराइल में कैद फिलिस्तीनियों की अदला-बदली, गाजा से चरणबद्ध इजराइली वापसी, हमास का निरस्त्रीकरण और अंतरराष्ट्रीय निकाय द्वारा संचालित एक संक्रमणकालीन सरकार का प्रावधान शामिल है। ट्रंप ने हमास को इस योजना को मानने के लिए तीन से चार दिन का समय दिया है।

कठिन और विभाजित समय में गांधी का संदेश शांति के लिए काम करने की ताकत देता है : एंटोनियो गुटेरेस

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने महात्मा गांधी के संदेशों में शक्ति और प्रेरणा तलाशने का आह्वान किया है, ताकि एक न्यायपूर्ण, टिकाऊ और शांतिपूर्ण विश्व के निर्माण की दिशा में काम किया जा सके। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर, दुनिया भर में अलग-अलग स्थानों पर महात्मा गांधी और उनके आदर्शों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के साथ गांधी जयंती के अवसर पर अपने संदेश में महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा, ÷गांधीजी समझते थे कि अहिंसा कमजोरों का हथियार नहीं है, यह साहसी लोगों की ताकत है, जिसमें बिना घृणा के अन्याय का विरोध करने, क्रूरता के बिना उत्पीड़न का सामना करने और प्रभुत्व के बजाय सम्मान के माध्यम से शांति स्थापित करने की शक्ति है।' उन्होंने कहा कि आज की

दुनिया में, 'हिंसा संवाद का स्थान ले रही है' और 'शांति की नींव दबाव में है'। इस खतरनाक और विभाजित समय में, आइए हम उनके नेतृत्व का अनुसरण करने, दुखों को समाप्त करने, कूटनीति को आगे बढ़ाने, विभाजनों को दूर करने और सभी के लिए एक न्यायपूर्ण, स्थायी और शांतिपूर्ण दुनिया बनाने की शक्ति प्राप्त करें। बता दें, महासभा ने 2007 में हर साल गांधी जयंती पर 'अहिंसा के सिद्धांत की सार्वभौमिक प्रासंगिकता' को बढ़ावा देने के लिए अहिंसा दिवस की स्थापना की थी। इस मौके पर भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने कहा कि शांति की लालसा सदियों से और विभिन्न सभ्यताओं में आह्वान और अभिवादन के माध्यम से व्यक्त की जाती रही है। यह वेदों और उपनिषदों के भारतीय शांति मंत्रों में व्यक्त होती है, जो बाहरी दुनिया और दिव्य जगत में हमारे भीतर शांति या शांति का आह्वान करते हैं। उन्होंने कहा, 'यह अरबी अभिवादन में अल-सलाम या शांति और यहूदी अभिवादन में शालोम या शांति की कामना में निहित है। गांधीवादी मूल्यों और स्थायी शांति के बीच गहरा संबंध आज की जटिल वैश्विक चुनौतियों के बीच भी इन सिद्धांतों पर अमल करने के लिए एक सशक्त आधार प्रस्तुत करता है।

बलोचिस्तान के शेरानी में 7 बलोच लड़ाके मारे गए

एजेंसी

क्वेटा। पाकिस्तानी सेना ने शुक्रवार को यहां दावा कि सुरक्षाबलों ने बलोचिस्तान के शेरानी ज़िले में एक खुफिया अभियान के दौरान सात बलोच लड़ाकों को मार गिराया । समाचारपत्र डान ने सेना की मीडिया मामलों की शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर)के हवाले से यह खबर दी। सेना के मुताबिक एक अक्तूबर को सुरक्षाबलों ने शेरानी में उग्रवादी संगठन फितना अल ख़वारिज से जुड़े लड़ाकों की कथित मौजूदगी का पता चलने पर एक अभियान चलाया जिसमे उग्रवादियों के ठिकानों पर प्रभावी ढंग से हमला किया गया। हमले के दौरान भीषण गोलीबारी के बाद सात लड़ाकों के मारे जाने की खबर है। सेना ने इस संगठन के तार भारत से जुड़े होने का आरोप लगाया और बलोचिस्तान में जारी संघर्ष को भारत प्रायोजित करार दिया। फितना अल ख़वारिज शब्द का इस्तेमाल सरकार प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े उग्रवादियों के लिए करती है। बयान के अनुसार , लड़ाकों के पास से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किए गए । ये लोग देश विरोधी कई गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। इलाके में छिपे अन्य उग्रवादियों की पहचान के लिए तलाशी अभियान जारी है। सेना ने कथित रूप से भारत प्रायोजित उग्रवाद के खतरे को खत्म करने और दोषियों

को न्याय के कटघरे में लाने के राष्ट्र के प्रति कृतसंकल्पित होने की बात कही है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलोचिस्तान में आतंकवादी हमलों में वृद्धि देखी गई है।

मैनचेस्टर में सिनेगॉग पर आतंकी हमला, फ्रांस ने जताई संवेदना

एजेंसी

पेरिस/मैनचेस्टर। ब्रिटेन के मैनचेस्टर में योम किप्पुर के अवसर पर सिनेगॉग (यहूदी उपासना स्थल) के बाहर हुए आतंकी हमले में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि इस हमले के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, यह हमला कार चढ़ाने और चाकू से वार करने के जरिए किया गया। हमलावर को मौके पर मौजूद सशस्त्र अधिकारियों ने गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। इस हमले ने ब्रिटेन समेत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गहरी चिंता और आक्रोश पैदा किया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, फ्रांस मैनचेस्टर के सिनेगॉग में उपासकों पर हुए इस यहूदी-विरोधी आतंकी हमले से प्रभावित परिवारों, यहूदी समुदाय और ब्रिटिश जनता के साथ खड़ा है। मैक्रों ने आगे कहा, ÷योम किप्पुर के इस दिन हम दृढ़ संकल्प के साथ दोहराते हैं, यहूदी-विरोधी (एंटीसेमिटिज्म) के खिलाफ लड़ाई हमारी भी है और हम इसे बिना रुके जारी रखेंगे। घटना के बाद ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीयर स्टार्मर ने अपनी डेनमार्क यात्रा बीच में ही छोड़ दी और समय से पहले यूके लौट रहे हैं। वे लंदन में सरकार की आपातकालीन कोबरा समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें सुरक्षा स्थिति और आगे की रणनीति पर चर्चा होगी।

वियतनाम में बुआलोई तूफान ने 51 लोगों की ली जान, 14 लोग अब भी लापता; 608 मिलियन अमेरिकी डॉलर नुकसान का अनुमान

एजेंसी

हनोई । वियतनाम में तूफान बुआलोई और उसके बाद आई बाढ़ और भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई है। न्यूज एजेंसी के अनुसार बुआलोई तूफान की चपेट में आने से मौत का आंकड़ा 51 तक पहुंच गया। 14 लोगों का अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है, जबकि 164 लोग घायल हुए। वियतनाम आपदा एवं डाइक प्रबंधन प्राधिकरण ने शुक्रवार को आपदा से जुड़ी एक रिपोर्ट साझा की। इसके अनुसार तूफान बुआलोई और उसके बाद आई बाढ़ और भूस्खलन से उत्तरी और मध्य वियतनाम में 51 लोगों की मौत हो गई, 14 अन्य लापता हो गए और 164 लोग घायल हो गए। शुरुआती आर्थिक क्षति का अनुमान लगभग 15.9 ट्रिलियन वियतनामी डोंग (लगभग 608 मिलियन अमेरिकी डॉलर) लगाया जा रहा है। इस तूफान में 238,000 से अधिक घर क्षतिग्रस्त या जलमग्न हो गए, लगभग 89,000 हेक्टेयर चावल और अन्य फसलें बर्बाद हो गईं। इसके अलावा, 17,000 हेक्टेयर से अधिक जलीय कृषि और लगभग 50,300 हेक्टेयर जंगलों को नुकसान पहुंचा है। रिपोर्ट के अनुसार, तूफान ने बुनियादी ढांचे को भी गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया, 8,800 से अधिक बिजली के खंभे गिर गए और लगभग 468,500 घरों में अभी भी बिजली नहीं है। इसके साथ ही लगभग 1,500 स्कूल क्षतिग्रस्त हो गए। स्थानीय अधिकारी राहत कार्य जारी रखे हुए हैं, क्षतिग्रस्त

हुई सड़कों को साफ करने, सभी आवश्यक सेवाओं को बहाल करने और प्रभावित समुदायों की सहायता के लिए उपकरण जुटा रहे हैं। इस बीच, वियतनाम न्यूज एजेंसी ने शुक्रवार को बताया कि प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह ने गुरुवार को आपातकालीन राहत के लिए 15 प्रभावित इलाकों के लिए सहायता पैकेज को मंजूरी दी। इससे पहले, उन्होंने 30 सितंबर को स्थानीय अधिकारियों और विभागों को प्रभावित निवासियों की सहायता और प्रभावितों को तत्काल मदद पहुंचाने का निर्देश दिया था। प्रधानमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों, पार्टी संगठनों, प्रशासन और आपदाओं से हुए नुकसान और कठिनाइयों को झेल रहे निवासियों के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताई। उन्होंने जन समितियों के अध्यक्षों को आदेश दिया कि वे जल्द से जल्द अलग-थलग पड़े इलाकों में पहुंचने के लिए सेना और वाहन जुटाएं। क्षतिग्रस्त घरों की मरम्मत करवाएं और प्रभावित निवासियों के लिए आश्रयों की व्यवस्था करें। इसके साथ ही उन्होंने 5 अक्टूबर से पहले क्षतिग्रस्त शैक्षणिक और चिकित्सा सुविधाओं की मरम्मत कराने का निर्देश भी दिया है।

वियतनाम के कई हिस्सों में 300 मिलीमीटर से अधिक बारिश हुई है। उत्तरी मध्य वियतनाम के कई गांव जलमग्न हो गए थे और यातायात व बिजली गुल थी। बुआलोई एक हफ्ते में एशिया के लिए खतरा बनने वाला दूसरा बड़ा तूफान था। पिछले कई वर्षों में आए सबसे शक्तिशाली तूफानों में से एक, रागासा तूफान ने उत्तरी फिलीपींस और ताइवान में कम से कम 28 लोगों की जान ले ली। इससे पहले कि यह चीन में पहुंचा और वियतनाम में फैल गया।

एग्रीकल्चर बिज़नेस आइडियाज

हमारा देश भारत कृषि प्रधान देश है। आज ऐसे में अगर हमारे नौजवान बीज उत्पादन का बिजनेस करते हैं तो उनके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। कोशिश करें कि यह बिजनेस गांव की मार्किट से जुड़ा हो, लगभग सभी किसान बीज के लिए हर बार मार्केट की ओर रुख करते हैं और उनकी बुवाई का आधा से ज्यादा हिस्सा बीच पर खर्च होता है।

आजकल लोग शहरों में भी अपने छतों पर सब्जियाँ उगाने लगे हैं और वैसे लोग ज्यादातर बीज तथा अन्य जरुरी सामग्रियाँ ऑनलाइन ही मंगवाते हैं। अगर चाहें तो आप उन्हें भी टारगेट कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस Fynd Platform से जुड़कर एक ऑनलाइन स्टोर सेटअप कर सकते हैं और फिर एक यूट्यूब चैनल बनाकर लोगों को छतों पर खेती करना सीखा कर अपनी साइट से बीज व अन्य सामग्री खरीदने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

अगर आप बीज उत्पादन का बिजनेस करना चाहते हैं और चाहते हैं कि सरकार आपकी मदद करें तो आप इसमें सरकार की मदद लेकर भी अपना बिजनेस शुरू कर सकते हैं। गवर्नमेंट के तौर तरीकों को अपनाकर आप अपना बीज का बिजनेस शुरू कर सकते हैं। इसमें आपको गवर्नमेंट द्वारा जो बीज मिलेंगे उसको भी कुछ प्रॉफिट पर सेंल करना होगा। इससे संबंधित ज्यादा जानकारी के लिए आप किसान सेवा केंद्र पर जाकर पता कर सकते हैं।

आज के दौर में युवा एग्रीकल्चर बिज़नेस आइडियाज पर विचार कर रहे हैं। ऐसे में अगर कीटनाशक का बिजनेस किया जाए तो उसमें कोई नुकसान नहीं है। चूंकि भारत में खेती किसानी पर बहुत ज्यादा जोर दिया जाता है और अगर बिजनेस ऐसा किया जाए जिसमें नुकसान ना हो और वह काफी लंबा भी चले तो ऐसे में कीटनाशक का बिजनेस एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है क्योंकि कृषि में अब और भी नए-नए तरीके शामिल हो रहे से है।

इस बिजनेस को करने के लिए आपको लाइसेंस की भी जरूरत पड़ती है। इसके लिए आप ऑनलाइन या ऑफलाइन किसी भी तरीके से लाइसेंस बनवा सकते हैं। इसमे ड्रग्स का लाइसेंस आपको मिलता है जो दवाइयां आप अपनी दुकान पर रखेंगे।

अब जाहिर है कि फसल में कीड़े ना लगे इसलिए हर फसल के लिए कीटनाशक की आवश्यकता तो पड़ती ही है। अब चाहे वह सब्जी हो या अनाज फल हो या फूल सभी पर कीड़ों से बचाने के लिए कीटनाशक का छिड़काव किया जाता है। ऐसे में अगर आप कीटनाशक की दुकान खोल ले और उसका प्रचार किया जाए लोग जब

इसके बारे में जान जाएंगे तो आपका बिजनेस अच्छा चलेगा। खाद का बिजनेस किसानों से जुड़ा हुआ सबसे पुराना बिजनेस है। हमारे देश में सबसे ज्यादा धान गेहूं और मक्का की पैदावार होती है जिसके लिए सबसे ज्यादा खाद का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में बहुत से लोग जो सरकारी भंडारण से खाद लेते हैं और बहुत सारे ऐसे हैं जो बिचौलियों से खाद लेते हैं। मगर कुछ ग्रामीण लोग हैं जो स्टोर से खाद खरीदते हैं तो ऐसे में आप अपने क्षेत्र में इसका बिजनेस करके मुनाफा पा सकते हैं।

बस कुछ सरकारी नियम व शर्तों का पालन करके आप इसकी लाइसेंस को प्राप्त कर सकते है और लाइसेंस मिलने के बाद अपना खाद स्टोर खोल सकते हैं। यह बिजनेस काफी लंबा चलने वाला बिजनेस है क्योंकि खाने के लिए इंसान जो भी चीजों की जरूरत पड़ती है वह उसके लिए हमेशा जुगाड़ करने के लिए तत्पर रहता है। इसी तरह खेती में सबसे ज्यादा जरूरी चीज उर्वरक ही होती है जो खाद और पानी से मिलता है क्योंकि इसी से खेती अच्छे से होगी। दोस्तों आप एग्रीकल्चर बिज़नेस आइडियाज के लिए अच्छे विकल्प ढूंढ रहे है तो पोल्ट्री फार्म का बिजनेस आपके लिए एक बहुत अच्छा बिजनेस है। भारत में मुर्गी पालन का व्यवसाय सबसे अच्छा कृषि व्यवसाय है जो वर्तमान समय में काफी तरक्की पर है।

आज भारत के अधिकतर किसान पहले से ही पोल्ट्री फार्म का बिजनेस कर रहे है और इसके साथ में अपना खेती का काम भी करते हैं। अगर आप भी इसका व्यवसाय करने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको इसके लिए बस सही जगह का चुनाव करना होगा। जगह काफी साफ-सुथरी और लंबी चौड़ी होनी चाहिए जहां पर आप एक साथ बहुत सारी मुर्गी का पालन कर सकें। अगर आप छोटे पैमाने पर इस का व्यवसाय कर रहे हैं तो लगभग 50 हजार रुपए से शुरुआत कर सकते है।

शुरुआत के महीनों में आपका लागत पर आपका खर्च ज्यादा लगेगा। लेकिन 2 से 3 महीने के बाद आपको मुनाफा होने लगेगा। दिन प्रतिदिन आप सभी देख रहे होंगे कि मार्केट में प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों की मांग बहुत ज्यादा बढ़ रही है और उसका उत्पादन भी हो रहा है इस लिहाज से पोल्ट्री फॉर्म का बिजनेस काफी अच्छा बिजनेस है। ध्यान रहे कि इसके लिए भी लाइसेंस बनवाने की जरूरत पड़ती है।दूध उत्पादन का व्यवसाय छोटे और बड़े दोनों ही पैमाने पर किया जा सकता है। आप ने गांव में देखा होगा कि लगभग हर घर-घर में गाय और भैंस पालते है। जिससे दूध उत्पादन होता ही है और वह अपने गांव में ही डेयरी पर उस दूध को बेच रहे होते हैं। दुग्ध उत्पादन का यह सबसे छोटा स्वरूप है अब अगर बात बड़े पैमाने की की जाये तो बड़ी - बड़ी गौशालाओं में जो दूध का उत्पादन होता है। वह बड़े-बड़े डेरी फार्म से जुड़ा होता है उससे जो मुनाफा मिलता है वह उस व्यवसाय का प्रॉफिट है। यह पर्यावरण के अनुकूल भी है और हमारे पर्यावरण को किसी भी प्रकार से प्रदूषित भी नहीं करता है।

दुग्ध उत्पादन के लिए भी एक लाइसेंस की आवश्यकता पड़ती है जिसे बनवाना पड़ता है स्न्नष्ठ्ठ डिपार्टमेंट से। अगर आप आर्थिक रूप से कमजोर हैं और यह व्यवसाय करना चाहते हैं तो भी आप सरकार की मदद से यह व्यवसाय कर सकते हैं। इस व्यवसाय में सरकार की तरफ से अच्छा खासा अनुदान मिलता है जिससे काफी सहायता हो जाती है।

मधुमक्खी पालन का व्यवसाय भी देश में काफी तेजी से उभर रहा है। इस बिजनेस को भी आप छोटे और बड़े दोनों स्तर पर शुरू कर सकते हैं। बहुत सारे किसान ऐसे हैं जो परंपरागत खेती को छोड़कर इस व्यवसाय में जुड़ गए हैं क्योंकि इससे होने वाला मुनाफा उन्हें काफी ज्यादा लगता है।

इस व्यवसाय में इतना फायदा है कि अगर बड़े पैमाने पर इसे किया जाए तो कोई भी व्यक्ति कुछ ही महीनों में लाखों की कमाई कर सकता है। सरकार द्वारा इस व्यवसाय को लेकर कई तरह की सुविधाएं भी दी गई है और अगर लोन की बात की जाए तो 2 से 5 लाख तक का लोन भी इस व्यवसाय के लिए मिल रहा है।

अगर आप चाहे तो कम से कम 10 बॉक्स लेकर भी इसको शुरू कर सकते हैं। फिर उसके द्वारा आपको जो भी प्रॉफिट मिले उसको वापस से इसी व्यवसाय में लगाकर इसको और बढ़ा सकते हैं और अगर यही काम बड़े पैमाने पर करना चाहते हैं तो कम से कम 100 बॉक्स लेकर इस काम को शुरू करें।

एग्रीकल्चर बिज़नेस आइडियाज इन हिंदी के अंतर्गत मछली पालन भी आता है। अगर आप छोटे पैमाने पर मछली पालन शुरू करना चाहते हैं तो आप किसी छोटे पोखरे या तालाब या कुंड से भी इसको शुरू कर सकते हैं। इसके लिए आप छोटा सा तालाब बनाकर उसमें मछलियों की कुछ बीजों को डालकर उसको शुरू कर सकते हैं।

बीज का मतलब छोटे-छोटे बच्चों से है। ऐसे बच्चे जो जल्दी ही प्रजनन करते हो और अपने जैसे बहुत सारे बच्चे पैदा कर सकते हो। इसमें आपको बहुत सारी वैरायटी मिल जाएगी जिसे आप आसानी से अपने तालाब के जरिए मार्केट तक पहुंचा सकते हैं। इसके लिए आपको मार्केट के बारे में भी पता करना होगा।

हर जगह अपनी एक अलग मार्केट होती है जहां पर नॉनवेज सेल होता है आप वहां पर पता करके अपनी मछलियों को डायरेक्ट मार्केट तक पहुंचाने का काम कर सकते हैं। फिश फार्मिंग लोगों को जॉब देने का भी एक अच्छा अवसर प्रदान करती है आप एक-दो वर्कर रख कर अपने काम को और भी अच्छी और सफाई से करवा सकते है। अगर आप ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े हुए हैं और कोई नया व्यवसाय या रोजगार की तलाश में है तो ऐसे में मिट्टी परीक्षण का यह बिजनेस आपके लिए काफी लाभदायक होगा। आप अपने जमीन पर मिट्टी परीक्षण केंद्र खोलकर भी ना सिर्फ आप बिजनेस कर सकते हैं बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार के अवसर प्रदान कर सकते हैं।

आज के समय में लोग आधुनिक तरीकों पर विश्वास करना शुरू कर चुके हैं और मॉर्डनाइज्ड मशीनरी तरीके से खेती करना भी सीख चुके है। मगर हर जमीन खेती के लिए उपजाऊ नहीं होती और सब में कोई ना कोई परेशानी बनी रहती है जिसका पता उसके मिट्टी के परीक्षण से ही हो पाता है।

मट्टी की जांच कराने पर पता चलता है कि मिट्टी में किस चीज की कमी है अगर उस चीज को पूरा किया जा सके तो उसे खनिज द्वारा खाद द्वारा पूरा किया जाता है। लेकिन यह तभी तो पता चलेगा जब उसकी सही ढंग से जांच होगी। आजकल तो अधिकतर लोग खेती करवाने से पहले अब मिट्टी की जांच जरूर करवाते हैं जिससे बाद में उन्हें किसी तरह की कोई परेशानी का सामना ना करना पड़े।

ऐसे में अगर आप यह बिजनेस शुरू करते हैं तो ग्रामीण क्षेत्रों से बहुत सारे ऐसे लोग अपने खेतों की मिट्टियों का परीक्षण कराने के लिए आप तक आएंगे इसके लिए आपको कुछ मशीनों की भी आवश्यकता पड़ती है और आपको वह मशीनें भी खरीदनी होंगी जिससे लोग आपके पास आए तो आप उनकी मिट्टी का सही परीक्षण कर सकें। इसके लिए सोल टेस्ट लैबोरेट्री आप खोल सकते हैं और गांव के एरिया में इसकी डिमांड हमेशा देखने को मिलती है। फूलों की खेती उद्योग बहुत पहले से ही चल रहा है लेकिन पहले के जमाने में सिर्फ माली ही फूलों की खेती किया करते थे। लेकिन अब यह ट्रेंड बदल गया है और अब जिनके पास भी अच्छे खासे उपजाऊ खेत हैं वह फूलों की खेती पर जोर देने लगा है।

क्योंकि फूलों की खेती बारहों महीने करके वह अच्छी रकम प्राप्त कर सकते है और पहले के अनुसार अब फूलों की खेती बहुत ही वैश्विक पैमाने पर हो रही है। क्योंकि लोग अब हर त्योहार पर हर फंक्शन में फूलों की सजावट पर विशेष जोर देने लगे हैं।

जिससे मार्केट में फूलों की मांग बढ़ रही है और उसी के अनुसार उत्पादन भी बढ़ रहा है। हमारे देश से ज्यादा विदेशों में इन फूलों की मांग है ऐसे में यहां फूलों कि खेती करके

उसका आयात बाहर के देशों के लिए भी किया जा सकता है।

ऐसे में अगर आप फूलों की खेती करने के बारे में सोच रहे हैं तो आप इसकी खेती एक प्लानिंग के तौर पर करके अपने और लोगों को भी इसमें लगाकर अच्छा मुनाफा प्राप् कर सकते हैं और मार्केट के बारे में सर्च करके इसके लिए पार्टी शादी मेकर्स को भी खोजें जो हमेशा आपके फूलों को उचित दाम में खरीद कर इस्तेमाल कर सकें। दोस्तों एग्रीकल्चर बिजनेस के इस लिस्ट में अब हम बात करेंगे सोया बींस प्रोसेसिंग बिजनेस के बारे में। वर्तमान समय में भारत में सोयाबीन प्रोसेसिंग का काम भी बहुत तेजी से चल रहा है। चूकी सोयाबीन मे सबसे ज्यादा पोषण तत्व पाए जाते हैं और यही कारण है कि इसे प्रोटीन का सबसे अच्छा स्रोत माना जाता है।

इसलिए इस फसल को दलहन और तिलहन दोनों ही रूप में इस्तेमाल किया जाता है। इस लिहाज से इसमें दोनों ही तरीकों से प्रॉफिट कमाया जा सकता है। इसके लिए आपको एक प्रोसेसिंग मशीन लगाना होगा और इस मशीन में लगभग एक लाख तक का खर्च आता है। जिसकी मदद से आप सोया बींस को प्रोसेसिंग करके अच्छा खासा इनकम प्राप्त कर सकते हैं। आप सभी अच्छे से जानते होंगे कि भारत से तरह-तरह की मौसमी सब्जियों और फलों का भी निर्यात सबसे ज्यादा होता है। क्योंकि भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां 3 ऋतुएं पाई जाती है और अलग-अलग ऋतुओं में अलग-अलग सब्जियां और फल पाए जाते हैं।

ऐसे मे हर तरह की मौसमी सब्जियां और फल भारत से निर्यात तो होता ही है और भारत में उपयोग भी सबसे ज्यादा होता है। अगर आप इसका बिजनेस करना चाहते हैं और आपके पास लंबे चौड़े खेत है तो आप बेझिझक इसका बिजनेस शुरू कर सकते हैं।

इसके लिए आपको कृषि वैज्ञानिकों कि जरुरत पड़ेगी जो आपको तरह तरह की सब्जियों और फल बोने के लिए उचित और अनुकूल वातावरण के बारे में अच्छे से समझा सके। फल और सब्जियों के निर्यात के लिए सबसे पहले आपको डीजीएफटी में रजिस्ट्रेशन करवाने की जरूरत पड़ती है।

जैसे आपको अप्रूवल मिल जाता है अप्रूवल मिलने के बाद आप इसका निर्यात शुरू कर सकते हैंअगर आप एग्रीकल्चर बिजनेस में अच्छा इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं तो आपको इस एग्रीकल्चर बिजनेस आइडिया के बारे मे जरुर सोचना चाहिए। चूंकि अन्य व्यवसायों की तुलना में यह काफी लंबा चलने वाला व्यवसाय है और एक बार इन्वेस्टमेंट काफी ज्यादा लगता है लेकिन उसके बाद रिटर्न बहुत अच्छा मिलता है।

कोल्ड स्टोरेज में पोल्ट्री फार्म से लेकर फल सब्जियां और कई तरह के केमिकल का भी अलग अलग तरह का स्टोरेज होता है। इसके लिए आपको सबसे पहले एक ऐसी बड़ी जगह की तलाश करनी होगी जिससे आप स्टोरेज में बदल सकते हैं। फिर ऐसे इंटीरियर मेकर को हायर करना होगा जो आपके स्टोरेज को अच्छे से तैयार कर सके और उसके बाद आपको इसके लिए मशीन लेने होंगे।

इसके साथ ही सरकार से उसका लाइसेंस भी प्राप्त करना होगा। पानी और बिजली का अच्छा मैनेजमेंट भी करना होगा जिससे कोल्ड स्टोरेज के सामानों कि सड़ने और खराब होने की स्थिति ना उत्पन्न हो क्योंकि कोल्ड स्टोरेज मैं रखें सामानों और उनके रखरखाव की इसकी पूरी जिम्मेदारी आपकी होती है टोकरी बनाने का व्यवसाय खास तौर पर ग्रामीण इलाको में इस तरह के व्यवसाय ही बहुत अच्छे चलेंगे। पहले के जमाने में टोकरियां बस कुछ सामान रखने के काम में आता था। लेकिन अब लोगों की बदलती जीवन शैली और फैशन मैं सभी लोग साजो सामान के लिए टोकरी खरीदा करते हैं। गिफ्ट मेकिंग बास्केट बनाना एक बहुत अच्छा आईडिया है इसमें लागत बहुत कम लगती है क्योंकि यह बिजनेस 10 हजार रूपये से शुरू हो सकती है।

इसके लिए आपको बहुत बड़ी जगह की भी आवश्यकता नहीं पड़ेगी और आप चाहें तो इसे अपने घर से भी शुरू कर सकते हैं। अगर आप क्रियेटिव माइंड के व्यक्ति हैं तो आपके लिए यह एक बहुत ही अच्छा और क्रिएटिव एग्रीकल्चर बिजनेस साबित हो सकता है। अपनी क्रिएटिविटी को यूज करके आपस में बेहतर डिजाइन बना सकते हैं जो लोगों को लुभा सके।

आजकल चाहे कोई भी फंक्शन हो शादी हो, तिलक हो इंगेजमेंट हो लोग फल -फ्रूट को भी गिफ्ट बास्केट में ही पैक करके लोगों को देते हैं। ऐसे मे मार्केट में गिफ्ट बास्केट की मांग बहुत ज्यादा बढ़ रही है। आपको अपना बिजनेस अच्छा चलाने के लिए मार्केट से ऐसे फल फ्रूट विक्रेता से संपर्क करना होगा जो इस तरह की बास की टोकरियों में फल फ्रूट बेचते और पैक करते हो। दोस्तों वर्तमान समय में लोग ऑर्गेनिक खेती की तरफ लोग तेजी से बढ़ रहे हैं और क्रीमी खादों की मांग बहुत तेजी से बढ़ रही है और आप इसका उत्पादन करके भी अपना अच्छा व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। इसकी जरूरत है एक्सपोर्ट्स किराए की बिना इनके बारे में आप समझे यह काम नहीं कर पाएंगे।

केंचुआ मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बहुत तेजी से बढ़ाता है केंचुए से बना हुआ खाद फसल के लिए बहुत अच्छा होता है और बाजार में इसके लिए अच्छी कीमत भी प्रदान कि जाती है। इस बात का ध्यान रखें कि केंचुए का पालन अलग चीज है और चीजों से खाद बनाना अलग चीज है।

इसकी खाद का प्रयोग सभी तरह के फल- फूल और फसल में किया जाता है। इसको लगाना बहुत आसान है इसमें किसी प्रकार की दुर्गंध या बदबू भी नहीं पैदा होती है और यह मिट्टी की जल निकासी की क्षमता में सुधार करने की पूरी कोशिश करने के साथ ही मिट्टी की गुणवत्ता को बहुत बढ़ाता है। इसको बनाने के लिए किसी भी प्रकार के बायोग्रिड कचरे का इस्तेमाल किया जा सकता है।

इसके लिए आपको अच्छी खासी जमीन की आवश्यकता पड़ती है जहां पर आप इसकी खेती कर सकें। इसके साथ ही अच्छी मार्केट की भी तलाश करनी पड़ेगी जहां पर आपके इन कृमि कंपोस्ट को खरीदा जा सके। बीज भंडारण और खेती से संबंधित सामान जहां पर भी बिकता हो आप उसके अगल-बगल की मार्केट बना सकते हैं लोगों तक अपनी पहुंच बनाकर आप इसमें अच्छी खासी प्रॉफिट प्राप्त कर सकते हैं। अब हमारे कृषि के क्षेत्र में भी बहुत सारे नए नए यंत्र आ गए हैं जैविक खेती से संबंधित यंत्र हो या फिर सिंचाई से संबंधित इंस्ट्रूमेंट हों। पहले के जमाने में एक ही पंप टूबवेल से कई सारे खेतों को पानी दिया जाता था। लेकिन अब इतने सारे यंत्र आ गए हैं कि बजट को मद्देनजर रखते हुए अधिकतर लोग पंप खरीद रहे हैं।

अगर बात की जाए सिंचाई मशीन यानी कि बोरिंग के सामान के बिजनेस की तो यह ग्रामीण क्षेत्र हो या फिर शहरी हर जगह बहुत ही अच्छे और प्राफिट मे चलने वाला बिजनेस है। इसके साथ-साथ सिंचाई की और भी कई सारी नई मशीनें है जिसको स्टॉक में रखकर आप इसका बिजनेस शुरू कर सकते हैं।

यदि मशीन की बात करें वो भी सिचाई के तो सबसे ज्यादा बिकने वाला पंप 8द्धश्च का डीजल इंजन पंप है और इन सभी मशीनों की लागत तो बहुत ज्यादा है। अगर आपके पास इतनी लागत ना हो तो आप एग्रीमेंट के तौर पर भी इन मशीनों का बिजनेस कर सकते हैं। ऑर्डर आने पर आप उनसे कांटेक्ट कर यह मशीनें मंगा कर अपने कस्टमर को दे सकते हैं।

इसके साथ ही 3 इंच का 5.5 द्वश्चुस्न्द्वइह्वद्ध भी आजकल मार्केट में काफी ट्रेंड में है। इसके साथ ही उच्च दबाव के साथ खेतों में सिंचाई करने वाली बहुत सारी ऐसी मशीन है जो कम दाम में ग्रामीणों को मुहैया कराई जा सकती हैं। इसके साथ पीवीसी पाइप और बोरिंग से संबंधित अन्य सभी सामान का जो ग्रामीण क्षेत्र में खेतों में इस्तेमाल होता है।

वह सब भी बेच सकते हैं इसके लिए अगर बजट की बात की जाए तो शुरुआत में आप लगभग 30 लाख तक का बजट लेकर चल सकते हैं और आपको ऐसी बड़ी जगह की तलाश करनी होगी जहां अगल-बगल कई सारे गांव मार्केट के पास हो बाजार होने के साथ ही आपके दुकान के अगल-बगल बीज और कृषि संबंधित सारे सामान बिकते हैं।अगर आप कृषि पर आधारित हैं एग्रीकल्चर बिज़नेस आइडियाज संबंधित ही अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आप अदरक के तेल का व्यवसाय के बारे में भी सोच सकते हैं। आजकल कई सारी बीमारियों के इलाज के रूप में अदरक के तेल का इस्तेमाल हो रहा है। जिसको बनाने के लिए ताजा और कच्ची अदरक का इस्तेमाल होता

है और इसे कैंडी के रूप में पकाकर बनाया जाता है।

वर्तमान समय में कई सारे आयुर्वेदिक पेय पदार्थों में भी उसका इस्तेमाल हो रहा है। चाहे वह बॉडी स्लिम करने का आयल हो या कोई ऐसा लिक्विड हो जिससे लोग पी रहे हैं, अपने फैट को बर्न करने के लिए उसमें भी इसका इस्तेमाल हो रहा है इसलिए

इसकी मांग भी मार्केट में बहुत ज्यादा है। शुरुआत में आपको इसका तेल निकालने के लिए एक मशीन लगाने की आवश्यकता है जिसकी सहायता से आप अदरक के तेल को निकाल सकें और उसका उत्पादन कर सकें। दोस्तों सूरजमुखी का फूल देखने में जितना सुंदर होता है और और इसके बिजनेस मे उतना ही ज्यादा प्रॉफिट भी होता है। आज हरियाणा, पंजाब में गांव में बहुत सारे लोग सूरजमुखी के फूल की बहुत बड़े पैमाने पर खेती करते हैं और जैसे -जैसे उसका फूल मुरझाने लगता है और पत्तियां झड़ जाती हैं तब तक उसका बीज भी पक चुका होता है।

फूल के बीच का हिस्सा जो काफी चौड़ा और कठोर होता है वही होता है सूरजमुखी का बीज और उसी बीज से निकाला जाता है सूरजमुखी का तेल जिसका मार्केट प्राइस आम तेल के मुकाबले बहुत ज्यादा होता है। इसका तेल विटामिन ई की मात्रा का बहुत बड़ा स्त्रोत होता है विटामिन ई से संबंधित जो भी चीजें दवाई या अन्य चीजें बनती है उसमें इसका प्रयोग किया जाता है। आप चाहें तो सिर्फ इसकी खेती करके इसके तेल को चक्की से भी निकलवा करके मार्केट में बेच सकते हैं। आपने सोयाबीन की खेती के बारे मे तो जरूर सुना होगा और अब मार्केट में हरा सोयाबीन भी काफी बिकता है। यह सिर्फ तेल ही नहीं बल्कि दूध पनीर बिस्कुट इत्यादि सभी चीजों में इसका इस्तेमाल होता है। अधिकतर महानगरों में सोया उत्पादों की मांग दिन पर दिन बढ़ती ही जा रही है क्योंकि इसमें बहुत अधिक मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है।

इसलिए अधिकतर किसान भाइयों को सोयाबीन की खेती में बहुत फायदा हो रहा है। कुछ ऐसे भी है जो सोयाबीन को डायरेक्ट मार्केट में नहीं भेज रहे हैं बल्कि उसके अलग-अलग तरह के प्रोडक्ट को बनाकर मार्केट में बेच रहे हैं जिससे उनको ज्यादा प्रॉफिट हो रहा है।

सोयाबीन को सुखाकर पीसकर आटा बनाकर भी इस्तेमाल कर रहे हैं आप भी करके अच्छा खासा पैसा कमा सकते हैं। सोयाबीन की खेती करने के लिए आपको बहुत बड़ी जमीन की आवश्यकता पड़ेगी और खासकर की गर्म जगह जहां पर गर्मी अधिक हो वह जगह बहुत अच्छी पड़ेगी। ध्यान रहे इस बिजनेस को भी शुरू करने से पहले इसका व्यावसायिक पंजीकरण जरूर करा ले।

19. सरसों के तेल का उत्पादन - सरसों के खेतों को तो सभी ने देखा ही होगा। इसके फूलों में खड़े होकर फोटो भी जरूर खिंचवाई होगी। मगर क्या कभी आपने ये सोचा है कि इसके तेल से आप अपना बिजनेस कैसे शुरू कर सकते हैं। बहुत आराम से उगाई जाने वाली फसलों में से एक सरसों आपको अच्छा खासा बिजनेस दे सकती है। सरसों के तेल का इस्तेमाल सदियों से होता रहा है और आगे भी होता रहेगा इसका बिजनेस कभी भी रुकने वाला नहीं है।

क्योंकि इंसान खाना तो हमेशा ही खायेगा और जब तक रहेगा इस तेल का उपयोग अपने दैनिक जीवन में करता रहेगा। अगर हम बात करें इसके बिजनेस की तो सरसों का तेल एग्रीकल्चर बिजनेस का यह सबसे अच्छा उदाहरण है। सरसों के बीजों से तेल निकालने के लिए बहुत सारी मशीनों का इस्तेमाल होता है। स्क्रू एक्सपेलर और कुकर फ़िल्टर प्रेस मशीन कई चरणों में सरसों के बीज से तेल निकालने का काम करती है। अगर आप इन मशीनों को खरीदकर अपना काम शुरू करना चाहते हैं तो आपको बहुत सारे पैसे की आवश्यकता है लगभग 20 से 22 लाख रुपए तक का खर्च आता है। लेकिन यह लॉन्ग टर्म बिजनेस आइडियाज मे शामिल है एक बार पैसा लगाने पर आपको कई सालों तक इसका रिटर्न मिलता रहेगा। इसके साथ ही आप एक से दो लोगों को अपने काम में लगा कर उन्हें भी रोजगार का अवसर दे सकते हैं।

खाना तो हम सभी खाते हैं और जब तक हमारा जीवन है आगे भी खाते रहेंगे और उस खाने को बनाने के लिए आटा का इस्तेमाल तो हमारे घरों में रोज ही होता है। ऐसे में आटा चक्की प्लांट का बिजनेस लॉन्ग टर्म बिजनेस है और यह एक ऐसा बिजनेस है जिसमें प्रतिदिन का प्रॉफिट निर्धारित है। क्योंकि आटा की जरूरत हर किसी को हर रोज ही पड़ती है।

इस मशीन को एक बार लगाने के बाद इसमें कुछ भी नया एक्सपेरिमेंट करने की जरूरत नहीं पड़ती। सिर्फ एक बार प्रचार की आवश्यकता पड़ती है कि आपने अपना चक्की शुरू किया है, उसके बाद लोग खुद ही आपकी चक्की पर आकर आटा पीसवाने लगते हैं।

इसके साथ ही अगर आपने मार्केट से संपर्क किया तो मार्केट से भी आपको बहुत सारे मल्टीग्रेन आटे के लिए आर्डर आ सकते हैं। आप वह आटा तैयार करते है और मार्केट में प्रॉफिट के साथ बेच सकते हैं। आटा का इस्तेमाल सिर्फ चपाती बनाने में ही नहीं बल्कि बहुत सारी कुकीज़ और बेकिंग प्रोडक्ट में भी होता है।

पहले जो चीज़ें मैदे से बनी मिलती थी वो सबको आटे की बनी चाहिए क्योंकि लोगों में अब यह जाग्रुकता बढ़ रही है कि मैदा हमारे स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। इसलिए आप चाहे तो मार्केट से गेहूं खरीद कर दामों में पिसवा कर अपने यहां से आटा सप्लाई भी कर सकते हैं।

भारत चावल उत्पादन के मामले में दूसरे नंबर पर विराजमान है और इसके साथ ही चावल का बहुत बड़ा निर्यातक देश भी है। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि लगभग देश में हर कोने में चावल की खपत बहुत ज्यादा मात्रा में होती है और हर कोई चावल की मांग करता है। ऐसे में एग्रीकल्चर बिज़नेस आइडियाज इन हिंदी की बात हो और चावल की बात न हो ऐसा भला कैसे हो सकता है।

चावल मिल में धान पहुंचता है और चावल बन कर निकलता है चावल के दाने टूटे बिना अच्छी तरह से चावल बाहर आ जाते हैं। क्योंकि हम और आप धान को चावल के रूप मे तो खा नहीं सकते तो उन्हें चावल मिल में ले जाना होता है।

एक व्यापारी के तौर पर चावल की मील शुरू करने से पहले चावल के लिए कई प्रकार के लाइसेंस की भी आवश्यकता पड़ती है जिसे बनवाना बहुत जरूरी होता है। मिल को शुरू करने के लिए जिस मशीन की आवश्यकता पड़ती है उसमें आने वाले लागत की यदि बात करें तो वह लगभग 8 लाख रूपये तक मिलती है।

अगर आपके पास इतना बजट हो तो आप राइस मिल जरूर शुरू करें। इसके द्वारा जो भी माल निकलता है उसका भी यूज़ मार्केट में होता है। इसलिए कुछ भी ऐसा नहीं है जो खराब है भूसा या चावल वह सब कुछ मार्केट में अलग-अलग दामों पर बिक जाता है। हर तरफ से सिर्फ प्रॉफिट ही प्रॉफिट है, लागत सिर्फ एक बार ही लगती है और रिटर्न बार -बार मिलता है। अगर आप राइस मिल बिज़नेस को बड़े स्तर पर करना चाहते हैं तो इसमें आपको 1-2 करोड़ तक की लागत आ सकती है जिसमें राइस मिल के साथ राइस पॉलिशिंग का काम भी आप कर सकते हैं।

सहकारिता विभाग ने जम्मू में एक दिवसीय हितधारक बैठक का आयोजन किया

जम्मू 03 अक्टूबर। सहकारिता विभाग ने कन्वेंशन सेंटर में 'सहकार से समृद्धि' के वास्तविक अर्थ को प्रतिध्वनित करने के लिए एक दिवसीय हितधारक बैठक का आयोजन किया।

इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सहकारिता विभाग की आयुक्त सचिव बबीला रकवाल उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ जम्मू-कश्मीर मोहम्मद शफीक चक, अतिरिक्त रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ जम्मू बाल कृष्ण, संयुक्त रजिस्ट्रार जम्मू संभाग, नाबार्ड, आईआईआईएम, एनसीडीसी, संबद्ध विभागों के अधिकारी, यूएनएटीआई, एग्री एलाइड एंड मार्केटिंग मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के एमडी और अध्यक्ष भी उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सहकारी जैविक लिमिटेड, भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड और राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड जैसी तीन प्रमुख बहु-राज्य सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों और उन्नती एग्री एलाइड एंड मार्केटिंग मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक ने भी भाग लिया। इस अवसर पर विभिन्न एजेंसियों के साथ ऐतिहासिक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल को एक मजबूत सहकारी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए केंद्र सरकार के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

अपने मुख्य भाषण में, आयुक्त सचिव ने कहा कि इन समझौता ज्ञापनों पर सफलतापूर्वक हस्ताक्षर हमारी सामूहिक इच्छाशक्ति का सच्चा प्रदर्शन है। उन्होंने इतने कम समय में शीर्ष स्तरीय महासंघों के गठन में सहयोग के लिए सहकारिता विभाग की भी सराहना की। इसके अतिरिक्त आयुक्त सचिव ने कहा कि ये महासंघ, तीनों बहुराज्यीय सहकारी समितियों के साथ अपने सहयोग से, व्यावसायिक अवसरों का विस्तार करने, मूल्य श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करने और जमीनी स्तर पर किसानों तक लाभ पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। आयुक्त सचिव द्वारा औपचारिक रूप से किए गए समझौता ज्ञापनों के आदान-प्रदान ने नए सहकारी गठबंधन की शुरुआत को चिह्नित किया। इन समझौतों पर कश्मीर और जम्मू के शीर्ष सहकारी निकायों, जिनका प्रतिनिधित्व रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ, जम्मू और कश्मीर, और अतिरिक्त रजिस्ट्रार, जम्मू ने किया, के साथ-साथ तीनों बहु-राज्यीय सहकारी समितियों, बीबीएसएसएल, एनसीओएल और एनसीईएल के अधिकारियों ने भी हस्ताक्षर किए।

उपायुक्त ने युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए मिशन युवा के तहत 344 मामलों को मंजूरी दी

रियासी 03 अक्टूबर। युवा सशक्तिकरण और उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, उपायुक्त रियासी निधि मलिक ने मिशन युवा योजना के तहत मामलों की समीक्षा और स्वीकृति के लिए जिला स्तरीय कार्यान्वयन समिति की बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक कौशल एवं व्यवसाय विकास इकाई के माध्यम से प्रस्तुत आवेदनों पर व्यापक चर्चा के साथ शुरू हुई। विस्तृत जाँच और मूल्यांकन के बाद, उपायुक्त के नेतृत्व वाली समिति ने कार्यक्रम के तहत वित्तीय सहायता और संस्थागत सहायता के लिए 344 मामलों को मंजूरी दी।

इस अवसर पर उपायुक्त ने जिले के युवाओं के लिए कौशल विकास को बढ़ावा देने, उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और स्व-रोजगार के अवसर पैदा करने में मिशन युवा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने समर्थित उद्यमों की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अनुमोदन के बाद के मजबूत मार्गदर्शन और निरंतर निगरानी के महत्व पर भी बल दिया।

उपायुक्त ने योजना की पहुँच और प्रभाव को व्यापक बनाने के लिए बेहतर अंतर-विभागीय समन्वय का भी आह्वान किया। स्वीकृत मामलों के शीघ्र निपटान और समय पर वितरण के लिए बैंकों को निर्देश दिए गए।

बैठक में एडीडीसी रियासी सुखदेव सिंह सम्याल, जिला उद्योग कल्याण अधिकारी सचिन शर्मा, सहायक निदेशक रोजगार एनी वैद, बैंकों, जिला उद्योग केंद्र के प्रतिनिधि और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।